{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 19 फरवरी 2026
फाल्गुन शुक्ल 02 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 147
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स	-	83,734.25
निफ्टी	-	25,819.35
सोना	-	1,54,200
चांदी	-	2,55,000
डॉलर	-	90.69

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

लॉरेंस गैंग का बॉबी कबूतर गिरफ्तार

नई दिल्ली। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या से पहले रेकी करने वाले कुख्यात बदमाश बॉबी कबूतर को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। फरार चल रहे इस इनामी बदमाश के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हुए हैं। बॉबी कबूतर दिल्ली और उत्तर प्रदेश में हत्या के कई मामलों में वांछित था, जिसमें मकोका और एनआईए के मामले भी शामिल हैं। नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के बड़े गैंगस्टर के रूप में पहचाने जाने वाले बॉबी कबूतर का आपराधिक रिकॉर्ड काफी लंबा है। उस पर हत्या, हत्या के प्रयास और संगठित अपराधों सहित कई गंभीर आरोप हैं। हाल ही में नदीम ब्रदर्स की हत्या के मामले में इसी बदमाश द्वारा सबसे ज्यादा गोलियां चलाने की बात सामने आई थी। स्पेशल सेल ने दिल्ली-गुरुग्राम बॉर्डर से इसकी गिरफ्तारी कर एक बड़ी कामयाबी हासिल की है।

महाराष्ट्र में मुस्लिमों के 5 प्रतिशत आरक्षण का आदेश रद्द

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के सोशल जस्टिस डिपार्टमेंट ने मंगलवार को एक सरकारी रेजोल्यूशन जारी किया। इसके जरिए सरकार ने अपने 10 साल पुराने उस सरकारी आदेश को कैंसिल कर दिया। जिसमें मुस्लिम कम्युनिटी को एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन और सरकारी और सेमी-गवर्नमेंट नौकरियों में 5 प्रतिशत रिजर्वेशन देने की बात कही गई थी। हालांकि पिछले 10 सालों से यह आदेश इनवैलिड रहा है क्योंकि 2014 में कांग्रेस सरकार की तरफ से लाया गया अध्यादेश तय समय (6 हफ्ते) में विधानसभा से पास नहीं कराया जा सका, जिससे यह खुद ही इनवैलिड हो गया था। जुलाई 2014 में कांग्रेस-एनसीपी की गठबंधन की सरकार थी। अक्टूबर 2014 में सरकार बदल गई। विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा-शिवसेना सरकार बनी। नई सरकार ने नौकरी वाले मुस्लिम आरक्षण को आगे नहीं बढ़ाया।

यूपी में अकेले चुनाव लड़ेगी बसपा

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव अकेले लडने् का ऐलान कर दिया है। उन्होंने गठबंधन को लेकर चल रही तमाम चर्चाओं को पूरी तरह भ्रामक और निराधार करार दिया है। मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे गठबंधन से जुड़ी उल्टी खबरों पर ध्यान न दें और हाथी की मस्त चाल चलते हुए चुनावी तैयारियों में जुट जाएं। मायावती का टार्गेट 2007 की तरह ही प्रदेश में बीएसपी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाना है। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली में खुद को आवंटित हुए टाइप-8 बंगले को लेकर भी सफाई दी और कहा कि यह सुरक्षा की दृष्टि से आवंटित किया गया है।

कुछ ना कहना

मप्र 4,38,317 करोड़ का बजट पेश...

गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी, इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियलाइजेशन पर सरकार का फोकस , 10 लाख नए पीएम आवास; बच्चों को स्कूलों में मिलेगा दूध और 15 हजार शिक्षकों की भर्ती

कोई नया टैक्स नहीं, 2 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का लक्ष्य

भोपाल। मप्र के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को डॉ. मोहन यादव सरकार का तीसरा बजट पेश किया। वित्तीय वर्ष 2026-27 का ये बजट 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपए का है। देवड़ा ने कहा कि ये बजट ग्यानी के स्वरूप में है। इसमें गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान), नारी, इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियलाइजेशन पर फोकस है। इनके लिए 3 लाख करोड़ रुपए यानी कुल बजट के करीब 9 प्रतिशत हिस्से का प्रावधान किया गया है। देवड़ा ने कहा मप्र में यह पहला रोलिंग बजट है। 2028 में होने वाले सिंहस्थ के लिए 3600 करोड़ का विशेष प्रावधान किया गया है। विधायक निधि नहीं बढ़ाने पर विपक्ष ने हंगामा कर दिया। स्व-सहायता समूह, उज्ज्वला योजना समेत नारी कल्याण की विविध योजनाओं के लिए 1 लाख 27 हजार 555 करोड़ के प्रावधान किए हैं। वर्किंग वूमन के लिए 5700 हॉस्टल बनाए जाएंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास के लिए 40062 करोड़ रुपए की घोषणा की। लाड़ली बहनों के लिए 23,882 करोड़ के प्रावधान का ऐलान किया। युवाओं के लिए 15 हजार शिक्षकों की भर्ती का ऐलान किया। 8वीं तक के बच्चों को फ्री टेट्रा पैक दूध देने की घोषणा की। प्रदेश में कोई नया टैक्स नहीं लगेगा।

वित्तमंत्री ने विधानसभा में 438317 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने 106156 करोड़ रुपए से अधिक का पूंजीगत व्यय बताया। 44.42 करोड़ रुपये राजस्व आधिक्य। राज्य स्वयं के करों से 117667 करोड़ रुपए जुटाएगा। केंद्रीय करों के हिस्से में प्रदेश को 112137 करोड रुपए मिलेंगे। इसके साथ ही केंद्रीय सहायता अनुदान 54505 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे। वित्तमंत्री ने कहा कि यह बजट पीएम के सपने को साकार करने वाला है। उन्होंने बजट भाषण की शुरुआत में ही कहा कि एमपी का बजट किसानों को समर्पित है। मध्य प्रदेश में कोई नया टैक्स नहीं लगाया जाएगा और न ही वर्तमान में किसी टैक्स में कोई बढ़ोतरी की गई है। वित्त मंत्री देवड़ा ने जी राम जी के लिए 10428 करोड़ और पीएम जनमन के लिए 900 करोड़ रुपए के प्रावधान का ऐलान किया। वहीं, 1 लाख किसानों को सोलर पंप देने की घोषणा की। इसके अलावा श्रम विभाग के लिए 1 हजार 335 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है। सडक़ों की मरम्मत के लिए 12690 करोड़, जल जीवन मिशन के लिए 4 हजार 454 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि ये पीएम के सपने को साकार करने वाला बजट है। हर नारी को न्याय हमारी सरकार का उद्देश्य है। हम देश के तीसरे युवा प्रदेश हैं। युवाओं के हाथ को काम मिले ये हमारा संकल्प है।

अर्थव्यवस्था मजबूत, घाटा भी नियंत्रण में

सरकार ने दावा किया कि वर्ष 2011-12 से 2025-26 तक प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में औसतन 12.73 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2025-26 के लिए जीएसडीपी का पुनरीक्षित अनुमान 16 लाख 69 हजार 750 करोड़ रुपए है। वहीं राजकोषीय घाटा 74 हजार 323 करोड़ रुपए यानी जीएसडीपी का 4.45 प्रतिशत अनुमानित है। हालांकि केंद्र से मिलने वाली विशेष सहायता राशि को अलग रखने पर यह 3 प्रतिशत की निर्धारित सीमा के अनुरूप बताया गया है। इसे वित्तीय अनुशासन का संकेत माना जा रहा है।

पिछले साल की तुलना में 11 प्रतिशत बढ़ा बजट

वित्त मंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में बजट का आकार 11 प्रतिशत बढ़ा है। राजस्व व्यय 3 लाख 8 हजार 659 करोड़ रुपए और पूंजीगत व्यय 80 हजार 266 करोड़ रुपए प्रस्तावित है। सामाजिक और आर्थिक उत्थान की योजनाओं के लिए 1 लाख 83 हजार 708 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 26 प्रतिशत और अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 17 प्रतिशत राशि सुरक्षित की गई है।

पहली बार डिजिटल बजट पेश किया गया

एमपी में पहली बार डिजिटल बजट पेश किया गया है। बजट में हर वर्ग को ध्यान में रखा गया है। मध्य प्रदेश विकसित भारत बनाने में अपना योगदान दे रहा है। मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा- हर युवा को रोजगार और हर उपज को दाम उपलब्ध कराना हमारी सरकार का लक्ष्य है। वित्तमंत्री का भाषण शुरू होने से पहले ओमकार सिंह मरकाम ने विरोध भी जताया।

शिक्षा के लिए 31953 करोड़ रुपए का प्रावधान

106156 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के लिए रखे गए हैं। कृषि क्षेत्र के लिए 115013 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 24144 शिक्षा के लिए 31953 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। वन भूमि से अतिक्रमण हटाकर पौधारोपण के लिए समृद्धि वन वन वृद्धि से जन समृद्धि कृषि विभाग की योजना।

उज्जैन में एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए 1000 करोड़

द्वारिका योजना के अंतर्गत आगामी 5 वर्ष में शहरी अधोसंरचना विकास पर किए जाएंगे। उज्जैन में एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण के लिए 1000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। इंदौर पीथमपुर इकोनामिक कॉरिडोर परियोजना के विकास के लिए 2360 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। महाकौशल क्षेत्र में जबलपुर में 350 करोड़ की लागत में फ्लाई ओवर बनाए जाएंगे।

मध्यप्रदेश बना रोलिंग बजट प्रस्तुत करने वाला देश का पहला राज्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने रोलिंग बजट को अपनाते हुए वार्षिक बजट को दीर्घकालिक दृष्टि से जोड़ा गया है। रोलिंग बजट प्रस्तुत करने वाला संभवत: मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य है।

इस बजट से अगले तीन वर्ष के विकास का खाका खीचा जाएगा और यह बजट विकास के लिए सतत् रूप से पर्याप्त धन राशि उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगा। यह बजट अमृतकाल 2047 के लिए विकास का पैमाना सिद्ध होगा। वर्ष 2026-27 में राज्य का सकल घरेलु उत्पाद 18 लाख 48 हजार 274 करोड़ रुपए अनुमानित है, जो वर्ष 2025-26 के अनुमान में 10.69 प्रतिशत अधिक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की प्रति व्यक्ति आय में वर्ष 2024-25 की तुलना में वर्ष 2025-26 में 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2026-27 में पूंजीगत परिव्यय राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 4.80 प्रतिशत अनुमानित है।

यह ठग बजट- जीतू पटवारी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बजट को प्रदेश की जनता के साथ विश्वासघात करार देते हुए इसे ठग बजट बताया। उन्होंने कहा कि 4.38 लाख करोड़ रुपये के विशाल बजट के पीछे 78,000 करोड़ रुपये का राजकोषीय घाटा छिपा हुआ है, जिसकी स्पष्ट व्याख्या सरकार आज तक नहीं कर पाई है कि यह राशि भविष्य में कहां से लाई जाएगी। पटवारी ने कहा कि पिछले वर्ष 4.21 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया था, लेकिन उसका लगभग 50 प्रतिशत तक उपयोग ही नहीं हो पाया। इसके बावजूद सरकार रोज़ाना औसतन 213 करोड़ रुपये का कर्ज लेती रही।

जनता के साथ छलावा किया गया- उमंग सिंघार

मप्र सरकार के बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इसे झूठे आंकड़ों और खोखले वादों का बजट बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रदेश की जनता के साथ छलावा है और जमीनी हकीकत से पूरी तरह कटा हुआ है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वित्तमंत्री स्वयं स्वीकार कर रहे हैं कि राजकोषीय घाटा 74 हजार करोड़ रुपये से अधिक होगा। जब सरकार के पास संसाधन ही नहीं हैं, तो घोषित योजनाओं को पूरा करने के लिए पैसा कहां से आएगा? यह बजट सिर्फ घोषणाओं का पुलिंदा है।

- शेष पृष्ठ 09 पर

- वित्तमंत्री की प्रमुख घोषणाएं

- मछली उत्पादन के लिए 412 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है
- मध्य प्रदेश में बायो गैस और पंचकर्म की सुविधा उपलब्ध होगी
- अल्पसंख्यक छात्रावासों को उन्नत बनाया जाएगा
- 15 हजार शिक्षकों की भर्ती प्रस्तावित है
- छात्रवृत्ति के लिए 286 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया
- एमपी में आधुनिक पद्धति से संचालित की जाएंगी
- धरती आबा योजना के लिए 752 करोड़ रुपये का प्रावधान
- 294 सांदीपनी स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं
- 5700 वर्किंग वूमन हॉस्टल शहरों में बनाए जाएंगे
- पीएमश्री योजना के लिए 530 करोड़ रुपये
- लाड़ली लक्ष्मी योजना के लिए 1852 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है
- मध्य प्रदेश में 8वीं तक के बच्चों को स्कूल में दिया जाएगा टेट्रा पैक में दूध
- लाड़ली बहना योजना के लिए 23882 करोड़ रुपये का प्रावधान
- लाड़ली बहना योजना में कुल एक करोड़ 25 लाख महिलाएं शामिल हैं
- खेल और युवा कल्याण के लिए 815 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया
- लोक निर्माण के लिए 12690 करोड़ रुपये
- जल जीवन मिशन के लिए 4454 करोड़ रुपये
- 100 लाख हेक्टेयर का सिंचाई रकबा किया जाएगा
- पीएम फसल बीमा योजना के लिए 1299 करोड़ रुपये
- सीएम कृषक उन्नति योजना के लिए 5500 करोड़ रुपये
- एमपी को देश की मिल्क कैपिटल बनाना है लक्ष्य
- सडक़ों की मरम्मत के लिए 12960 करोड़ रुपये
- आयुष्मान योजना के लिए 2139 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया
- 4 हजार सरदार पटेल कोचिंग खोलने का लक्ष्य
- 16451 युवाओं को उद्यम क्रांति योजना के तहत लोन दिया जाएग
- 6 शहरों में 472 ई-बसें शुरू की गई हैं
- 5 करोड़ 88 लाख पौधे लगाएगी सरकार
- उज्जैन सिंहस्थ महाकुंभ के लिए 13851 करोड़ रुपये
- आने वाले पांच साल में 10 लाख नए पीएम आवास बनाएंगे
- नारी कल्याण योजनाओं के लिए 127555 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया
- भोपाल और इंदौर में शुरू हो चुकी है मेट्रो रेल सुविधा
- जीरामजी योजना के लिए 10440 करोड़ रुपये
- पीएम आवास योजना के लिए 6850 करोड़ रुपये
- स्वच्छ भारत मिशन के लिए 400 करोड़ रुपये
- पुलिस विभाग के लिए 14306 करोड़ रुपये का प्रावधान
- सीएम तीर्थ दर्शन योजना के लिए 50 करोड़ रुपये
- पीएम जनमन योजना के लिए 900 करोड़ रुपये
- मध्य प्रदेश में कोई नया टैक्स लागू नहीं किया गया है
- 1 अप्रैल से तलाकशुदा बेटी को भी परिवार पेंशन दी जाएगी
- मध्य प्रदेश का राजकोषीय घाटा 3 प्रतिशत रहेगा
- एमबीबीएस के लिए 2850 नई सीटें बढ़ाई जाएंगी
- बजट में बुंदेलखंड इंडस्ट्रीयल पैकेज तैयार किया जाएगा

चुनाव आयोग का ऐलान, राज्यसभा की 37 सीटों के लिए 16 मार्च को मतदान

-चुनावों के लिए नोटिफिकेशन 26 फरवरी को किया जाएगा जारी

नई दिल्ली। भारतीय निर्वाचन आयोग ने बुधवार को 10 राज्यों में राज्यसभा की 37 सीटों के लिए चुनाव की तारीखों की ऐलान कर दिया। राज्यसभा के 37 सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल 2026 में पूरा हो रहा है। ईसीआई के मुताबिक 37 सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होगा। सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच मतदान किया जाएगा और उसी दिन शाम 5 बजे मतगणना शुरू होगी। चुनावों के लिए नोटिफिकेशन 26 फरवरी को जारी किया जाएगा। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 5 मार्च है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 6 मार्च को होगी। उम्मीदवार 9 मार्च तक अपना नामांकन पत्र वापस ले सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में राज्ससभा चुनाव होना हैं। महाराष्ट्र की 7 सीटें, तमिलनाडु की 6, पश्चिम बंगाल और बिहार की 5-5, ओडिशा की 4, असम की 3, छत्तीसगढ़, हरियाणा और तेलंगाना की 2-2, जबकि हिमाचल प्रदेश की एक सीट के लिए यह चुनाव कराया जाएगा। उपेंद्र कुशवाहा, प्रियंका चतुर्वेदी, तिरुचि शिवा, साकेत गोखले, रामदास अठावले, अभिषेक मनु सिंघवी, शरदचंद्र गोविंदराव पवार, भगवत किशनराव कराड, ममता मोहंता, रामेश्वर तेली, इंदु बाला गोस्वामी, कवि तेजपाल सिंह तुलसी, एनआर एलंगो, अमरेंद्र धारी सिंह और किरण चौधरी का राज्यसभा सदस्य के रूप में वर्तमान कार्यकाल अप्रैल में पूरा होगा। निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव के लिए आयोग की ओर से ऑब्जर्वर तैनात किए जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक ईसीआई ने साफ किया है कि बैलेट पेपर पर मार्क के लिए सिर्फ रिटर्निंग ऑफिसर से मिले बैंगनी स्केच पेन का ही इस्तेमाल किया जाएगा। आयोग ने चुनाव से जुड़ी सभी गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करने की बात कही है। उसने कहा कि राज्यसभा चुनाव की ईमानदारी बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया तय समय में पूरी की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा फैसला : सलवार का नाड़ा खोलना अश्लील हरकत नहीं, रेप की कोशिश जैसा

नई दिल्ली। यौन अपराधों के मामलों में न्यायिक संवेदनशीलता और कानूनी व्याख्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐसा ऐतिहासिक फैसला सुनाया है, जो भविष्य के लिए एक बड़ी नजीर साबित होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक विवादित फैसले को पलटते हुए यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी महिला को गलत नीयत से पकड़ना और उसकी सलवार का नाड़ा खोलना महज छेड़छाड़ या रेप की तैयारी का मामला नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर रेप का प्रयास की श्रेणी में आता है।

अदालत ने कड़े शब्दों में कहा कि ऐसे कृत्य को कम गंभीर अपराध मानकर आरोपी को हल्की सजा देना न केवल गलत है, बल्कि यह न्याय की मूल भावना के भी खिलाफ है। इस फैसले के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के मार्च 2025 के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें अदालत ने इसे केवल महिला की लज्जा भंग करने का मामला माना था।

यह मामला तब चर्चा में आया जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक बेहद गंभीर घटना में अजीबोगरीब तर्क देते हुए इसे रेप का प्रयास मानने से इनकार कर दिया था। हाईकोर्ट का मानना था कि यह कृत्य रेप की तैयारी के अंतर्गत आता है, जिसके लिए कानून में कम सजा का प्रावधान है। इस फैसले के बाद कानूनी विशेषज्ञों और महिला अधिकार संगठनों में भारी आक्रोश देखा गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इस पर स्वत: संज्ञान लिया। यह कदम एक गैर-सरकारी संगठन की संस्थापक और वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा लिखे गए पत्र के बाद उठाया गया था। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की विशेष बेंच ने इस संवेदनशील मामले की गहन सुनवाई की।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के तर्क को सिरे से खारिज करते हुए आरोपियों के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत रेप के प्रयास के सख्त आरोपों को बहाल कर दिया है। फैसला सुनाते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने न्यायिक संवेदनशीलता पर विशेष जोर दिया। बेंच ने अपनी तीखी टिप्पणी में कहा कि जब कोई न्यायाधीश यौन अपराधों से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रहा हो, तो उसे केवल किताबी कानून नहीं देखना चाहिए, बल्कि मामले की तथ्यात्मक हकीकत और पीड़िता की मानसिक स्थिति व उसकी कमजोरियों के प्रति भी विचारशील होना चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि कोई भी न्यायिक फैसला तब तक पूर्ण न्याय नहीं कर सकता, जब तक उसमें करुणा और सहानुभूति का भाव न हो।

तकनीक केवल कार्य को समाप्त नहीं करती, बल्कि उसके स्वरूप को बदलती है- पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को मानव-केंद्रित बनाने को लेकर कहा कि इस तकनीक के लाभ सभी लोगों तक पहुंचने चाहिए, न कि केवल शुरुआती उपयोगकर्ताओं तक सीमित रहना चाहिए। उन्होंने यह बात बुधवार को एक इंटरव्यू के दौरान कही, जिसमें आगामी एआई इम्पैक्ट समिट पर चर्चा की गई। पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सोच में भारत के लिए एआई की रणनीति तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है- सार्वभौमिकता, समावेशिता और नवाचार। उनका मानना है कि भारत को केवल एआई का इस्तेमाल करने

वाला देश नहीं बल्कि इसे बनाने और विकसित करने वाला शीर्ष तीन देशों में शामिल होना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने युवाओं की चिंता को समझते हुए कहा कि एआई के कारण रोजगार के स्वरूप में बदलाव होना एक वास्तविक चिंता है। उन्होंने कहा कि तैयारी ही भय का सबसे अच्छा इलाज है। इसी कारण हम अपने लोगों को एआई-उन्मुख भविष्य के लिए कौशल और पुन:कौशल प्रशिक्षण दे रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि तकनीक केवल कार्य को समाप्त नहीं करती, बल्कि उसके स्वरूप को बदलती है और नई तरह की नौकरियां पैदा करती है। पीएम मोदी ने एआई को एक 'शक्ति-वर्धक' के रूप में देखा, जो मानव क्षमताओं को नए स्तर तक बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल परिवर्तन से भारत की अर्थव्यवस्था में नई तकनीकी नौकरियां भी उत्पन्न होंगी।

दिल्ली पुलिस का तत्काल एक्शन, एआई इम्पैक्ट समिट से चोरी हुए एआई वियरेबल डिवाइस की रिकवरी

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली में मौजूद भारत मंडपम में दुनिया का सबसे बड़ा टेक इवेंट एआई इम्पैक्ट समिट चल रहा है। इस समिट में पूरी दुनिया के टेक दिग्गज आए हुए हैं। इतने बड़े कार्यक्रम में शुरू में कई लोगों को कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बेंगलुरु के एक स्टार्टअप के संस्थापक सीईओ धनंजय यादव ने दावा किया कि भारत मंडपम से उनके एआई वियरेबल डिवाइस की चोरी हो गई। इस मामले में बाद में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की अब नियोसैपियन के को-फाउंडर और सीईओ यादव ने बताया कि चोरी हुए सभी सामान की रिकवरी हो गई है। यह घटना तब हुई थी जब समिट में दुनिया भर के टेक दिग्गज, इनोवेटर और स्टार्टअप्स जुटे हुए थे। इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन में सुरक्षा को लेकर खास इंतजाम किए गए थे। बावजूद इसके एक स्टार्टअप के अत्याधुनिक एआई डिवाइस का गायब होना गंभीर मामला बन गया था। नियोसैपियन के को-फाउंडर और सीईओ यादव ने पोस्ट कर बताया कि चोरी हुए सभी डिवाइस रिकवर कर लिए गए हैं। उन्होंने इसके लिए दिल्ली पुलिस की तेज कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने लिखा कि पिछले दो दिनों में मिले समर्थन और संदेशों के लिए वे बेहद आभारी हैं।

करोड़ों के बजट में बालाघाट जिले को खास कुछ भी हासिल नहीं

आम आदमी की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा बजट, विपक्ष ने सरकार को घेरा, सत्तापक्ष ने बजट को बताया बेहतर

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बुधवार 18 फरवरी को लोगों की निगाहें मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पेश किए जाने वाले बजट पर टिकी रही। जहां डॉ मोहन यादव सरकार ने राज्य का बजट पेश किया। जहां इस बजट से बालाघाट को जितनी उम्मीदें थी और जितनी बातें कही जा रही थी। यह बजट उन अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरा। हालांकि बालाघाट जिले को कुछ हद तक कहीं-कहीं कुछ सौगाते मिली है लेकिन वह भी इस साल पूरी होते नजर नहीं आ रही है।उधर बजट को लेकर पूर्व से लगाए जा रहे कयासों के बीच मध्यप्रदेश का बजट वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा बुधवार को प्रस्तुत किया गया। जिसमें सभी वर्गो के हितों को ध्यान में रखते हुये बजट पेश किए जाने की बात कही जा रही है।लेकिन सरकार महंगाई पर अंकुश लगाने में विफल साबित हुई। बालाघाट जिले के विकास को भले ही इस बजट में कम जगह दी गई हो लेकिन प्रदेश स्तर से जारी लाडली बहना योजना ,टॉपर छात्राओं को भी बजट में स्कूटी देने का प्रावधान सहित ऐसी कई बातें हैं जिनकी तारीफ लोग करते नजर आ रहे हैं लेकिन इन बिंदुओं पर भी कई लोगों को ऐतराज है।मध्यप्रदेश सरकार द्वारा पेश किये गये बजट को किसी ने सराहा तो किसी ने इसे सरकार द्वारा जनता को लालीपॉप देने वाला बताया है।बजट को लेकर की गई चर्चा के दौरान लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिली है। जहां इस बजट को सत्तापक्ष ने ऐतिहासिक बजट बताते हुए इसकी जमकर तारीफ की है तो वहीं विपक्ष सहित ज्यादातर सामान्य लोगों ने इस बजट को खोखला बजट बताते हुए महंगाई जैसे मुद्दों पर राहत न मिलने पर ऐतराज जताया है

किसी ने सराहा तो किसी ने बताया निराशाजनक बजट

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा विधानसभा में पेश किए गए इस करोड़ों के बजट में बालाघाट जिले को खास कुछ भी नहीं मिला। जिसपर जहां एक ओर विपक्ष ने सरकार को घेरा, तो वहीं सत्तापक्ष ने इस बजट पर सराहनीय बजट करार दिया है। उधर आम नागरिकों की दृष्टि में यह बजट खरा नहीं उतरा ,तो वही बालाघाट में ,मेडिकल कॉलेज ,उद्योग ,व्यापार ,रोजगार सहित जिले अन्य विकाशिय मुद्दों को भी इस बजट में जगह नहीं मिल सकी। राहत की बात यह रही कि सरकार द्वारा पेश किए गए इस बजट में सरकार ने कोई नया टैक्स नहीं लगाया,जहां सरकार ने आत्मनिर्भर प्रदेश बनाने के संकल्प के साथ बजट पेश कर इस बजट को आम नागरिकों को राहत देने वाला बजट बताते हुए अपनी परंपरा निभाई ।तो वहीं बजट 2026 से आस लगाए बैठे लोगों को, इस बजट ने एक बार फिर निराश कर दिया।

नया कर नहीं, उधर महंगाई पर भी राहत नहीं

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पेश किए गए इस बजट से महंगाई की मार झेल रहे आम लोगों को किसी भी प्रकार की राहत नहीं मिल पाई है।आम लोगों को आशा थी कि इस बजट में पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले टैक्स को कम किया जाएगा ,वहीं खाद्य तेल, रसोई गैस, किचन में लगने वाली वस्तुओं के दामों में उन्हें राहत मिलेगी। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। सरकार ने पेश किए इस बजट में महंगाई की मार झेल रही जनता को किसी भी प्रकार की राहत नहीं दी। गनीमत यह रही कि सरकार ने इस बजट में किसी भी प्रकार का नया कर भी नहीं लगाया है।

पुराने बजट में जिले को मिली सौगाते अब भी अधूरी

बात अगर पिछले वर्ष पेश किए गए बजट की करें तो पिछले बजट में जिले को कई सौगात मिली थी जहां नगर के सभी रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज का निर्माण, जागपुर घाट में ओवरब्रिज ,उद्योग ,धंधे,व्यापार को बढ़ावा सहित सरकार ने जिले को अन्य सौगात देने का उल्लेख किया था।लेकिन साल भर बीत जाने के बाद भी पुराने बजट की कुछ घोषणा अब भी अधूरी है। वही नए बजट में पुरानी घोषणाओं को पूरी करने के लिए धनराशि भी नही दी गई।इसके अलावा इस नए बजट में भी बालाघाट को कोई बड़ी नई सौगात नहीं मिली है। कुल मिलाकर कहा जाए तो पूर्ण रूप से रुका हुआ जिले का विकास अगले 1 साल तक रुका रहेगा जहां खासतौर पर जिले को कोई खास उपलब्धि नहीं मिल पाएगी।

बजट निराशाजनक, युवाओं और किसानों के साथ छल-संजय उईके

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बालाघाट जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय उईके ने इसे जनविरोधी और दिशाहीन करार दिया।संजय उईके ने कहा कि प्रदेश की जनता को इस बजट से बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन सरकार ने एक बार फिर केवल खोखली घोषणाओं का पुलिंदा परोस दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई से त्रस्त आम जनता, कर्ज में डूबे किसान और बेरोजगारी से जूझ रहे युवाओं के लिए बजट में कोई ठोस राहत नहीं दी है। सरकार लगातार विकास के दावे कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात इसके विपरीत हैं। रोजगार सृजन, उद्योगों को बढ़ावा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार ने ठोस नीति पेश नहीं की।वही शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में पर्याप्त बजट प्रावधान न होना सरकार की प्राथमिकताओं पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बजट केवल आंकड़ों की बाजीगरी है, जिसमें आम नागरिक की वास्तविक समस्याओं का कोई समाधान नजर नहीं आता।उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी इस जनविरोधी बजट के खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी और प्रदेश की जनता के अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करती रहेगी।

मध्यप्रदेश की जनता को कर्जदार बनाने में लगी भाजपा सरकार- अनुभा

विधायक अनुभा मुंजारे ने बताया कि मप्र की डॉ मोहन यादव की सरकार लगातार कर्ज ले रही है। किसान, मजदूर, मध्यवर्गीय परिवार को आज अपनी दो वक्त की रोटी के लिए खून पसीना एक करना पड़ रहा है।वही सरकार अपने चुनावी वादों को पूरा नहीं कर रही है।विधानसभा सत्र के तृतीय दिवस पर मध्यप्रदेश पर लगातार बढ़ते कर्ज के गंभीर विषय को लेकर आज विधानसभा परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने कांग्रेस विधायक दल के साथ सांकेतिक विरोध प्रदर्शन कर गरीब, मजदूर, पिछड़े, दलित, आदिवासी के हक अधिकार की लड़ाई निरंतर रूप से सदन के पटल पर उठाने के लिए कृतसंकल्पित हूं।

जिले सहित पूरे प्रदेश का विकास होगा-त्रिवेदी

भाजपा कोषाध्यक्ष किरणभाई त्रिवेदी, ने बताया कि म.प्र शासन के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा जो बजट पेश किया गया है उसमें सभी वर्गो के हितों को ध्यान में रखा गया है। ये बजट जनहितैषी है। बजट में शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने व जिले में आयुष महाविद्यालय खोले जाने के लिये भी राशि का प्रावधान है। बजट में इन्कम टैक्स में कोई वृद्धि नहीं की गई है। वर्ष 2026-27 में बजट की राशि में करीब 10 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोत्तरी की गई है जिससे जिले सहित पूरे प्रदेश का विकास होगा।

यह बहुत अच्छा बजट है- अनिल धुवारे

नगर पालिका पूर्व अध्यक्ष अनिल धुवारे ने बताया कि बजट में लाडली बहनों को लेकर राशि का प्रावधान रखा गया है, ताकि 5 वर्षों तक लाडली बहनों को पूरी राशि मिले। यह बजट चौमुखी विकास का बजट है किसानों व्यापारियों बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार सृजन किए गए हैं। नगरी निकायों को भी अलग से राशि दी गई है। इस बजट से बालाघाट सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश को सौगातें मिलेगी।यह बहुत अच्छा बजट है।

आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया वाला बजट है-अनिल सोनी

पूर्ण उपाध्यक्ष अनिल सोनी ने बजट को झूठ का पुलिंदा बताया है। उन्होंने बताया कि इस बजट में युवाओं, गरीब, मजदूर, किसानों के लिए कुछ नहीं है। सरकार ने पिछले बजट में जो घोषणा की थी वह अब तक पूरी नहीं हो पाई है। बजट, आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया वाला लगता है।यह जनता को गुमराह करने वाला बजट है।

आम आदमी को नहीं मिल रही राहत-प्रवीण मदनकर

नपा पार्षद प्रवीण मदनकर ने बताया कि बजट गरीबों के हित में नहीं है, दाल, तेल, पेट्रोल कुछ भी सस्ता नहीं हुआ है, गरीबों के लिए बजट में कुछ नहीं है। बालाघाट जिले को भी इस बजट में कोई विशेष सौगात नहीं मिली है, यह अमीरों का बजट है।किसानो व महिलाओं के लिए भी कोई खास सौगात नहीं है हम 100 नंबर में से इस बजट को जीरो नंबर देंगे।

यह बजट भ्रष्टाचारी बजट है-मनोज पमनानी

नगर निवासी मनोज पमनानी ने बताया कि 1 फरवरी 2026 को केंद्र का बजट आया था उसमें मैंने कहा था कि यह बजट से फेकालाजी बजट है।आज मध्य प्रदेश सरकार का बजट आया है यह फेकालाजी बजट से भी एक कदम आगे है, यह भ्रष्टाचारी बजट है।इन्होंने किसानों युवाओ, शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए नहीं सोचा, किसानों के लिए महज 413 करोड़ का बजट है, जबकि 2028 में उज्जैन में आयोजित कुंभ मेले के लिए 13 हजार करोड़ से अधिक का प्रावधान रखा गया है। जबकि यह कुंभ मेला 2028 में लग रहा है लेकिन 2026 के बजट में अभी से महज डेढ़ महीने के लिए इतना अधिक बजट रखा गया है जो कि भ्रष्टाचारी बजट साबित होता है।

यह गरीबों का नहीं अमीरों का बजट है-नकी शेख

ऑटो चालक नकी शेख ने बताया कि आम बजट जनता के हित में होना चाहिए। लेकिन यह बजट अमीरों के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। महंगाई आसमान छू रही है, गैस की टंकी में 700रु का टैक्स वसूला जा रहा है,1000 रु के पेट्रोल में करीब 600रु का टैक्स लग रहा है। जबकि हमारे देश से बांग्लादेश, श्रीलंका ,नेपाल आदि को पेट्रोल डीजल में महज 60रु में बेचा जा रहा है। सरकार ने महंगाई पर कंट्रोल करना था, युवाओं को अधिक नौकरी देना था, आम जनता की नजर में सरकार का यह बजट फेल हो चुका है। यह आम जनता के हित में बजट नहीं है, इससे प्रदेशवासियों का कोई भला नहीं होगा।

जीएसटी हटाना चाहिए था- राम भाऊ

पूर्व पार्षद राम भाऊ पंचेश्वर ने बताया कि बजट गरीबों को देखकर नहीं बनाया गया है। यह बजट गरीबों पर बोझ बनता नजर आ रहा है।विभिन्न वस्तुओं में लगने वाली जीएसटी को हटाने की बात सरकार कर रही थी,लेकिन इस बजट में जीएसटी को कम नहीं किया गया। 200रु कमाने वाले पर 400रु का खर्च बढ़ रहा है। इस बजट का हम पुरजोर विरोध करते हैं।

समृद्ध मध्यप्रदेश के लक्ष्य के अनुरूप बजट-नपाध्यक्ष भारती ठाकुर

नपा अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट ऐतिहासिक है। जिसमें प्रदेश के किसानों, महिलाओं और युवाओं के साथ ही गरीब वर्ग को लाभ मिलने के अलावा औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।वहीं नगरीय क्षेत्रों के विकास के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए हैं ,सरकार ने लगातार तीसरी बार प्रदेश की जनता पर कोई नया टैक्स नहीं बढ़ाया है। रोलिंग बजट प्रस्तुत करने वाला मध्यप्रदेश देश में पहला राज्य बना है। ग्रामीण एवं शहरी जनता को मागदर्शी सिद्धांतों के अनुरूप राशि दी गई है। यह बजट सभी के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया है।वही बजट के अन्य पहलू इसे विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य की दिशा में अग्रसर बनाते है जो समग्र और समावेशी तथा जनहितैषी बजट है।

ये बजट दूरदर्शी सोच के साथ प्रस्तुत किया गया है- छाबड़ा

सीए बलजीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि इस वर्ष भारत का बजट समग्र और दूरदर्शी सोच के साथ प्रस्तुत किया गया है।एक चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में मेरा मानना है कि यह बजट केवल तात्कालिक राहत का नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक सशक्तिकरण का रोडमैप प्रस्तुत करता है। यदि घोषणाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है, तो यह बजट भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गाँव तालाब सुदृढ़ीकरण से बदली तस्वीर, मनरेगा बना सहारा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनपद पंचायत खैरलांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरी में वर्ष 2023 में मनरेगा योजना के तहत गाँव तालाब सुदृढ़ीकरण एवं निर्माण कार्य कराया गया, जिसने ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। प्रशासनिक स्वीकृति क्रमांक 73 एवं तकनीकी स्वीकृति 0122 के तहत लगभग 1 लाख रुपये की लागत से यह तालाब तैयार किया गया। पूर्व में गाँव से लगी कृषि भूमि वर्षा के बाद पानी की कमी के कारण प्रभावित हो जाती थी, जिससे किसानों को फसल उत्पादन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। तालाब निर्माण के बाद अब किसानों को सिंचाई का स्थायी साधन उपलब्ध हो गया है। इससे फसलों की पैदावार में वृद्धि हुई है और किसानों के चेहरों पर संतोष और खुशी स्पष्ट दिखाई दे रही है। यह तालाब मात्र एक लाख रुपये की लागत से तैयार होकर ग्रामीणों के लिए वरदान सिद्ध हुआ है। जल संरक्षण के साथ-साथ यह कार्य मनरेगा योजना के उद्देश्य—रोजगार सृजन और ग्रामीण विकास—को भी साकार कर रहा है। जनपद पंचायत खैरलांजी में मनरेगा के अंतर्गत किए जा रहे ऐसे विकास कार्य क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बनते जा रहे हैं।

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापुर, जिला बालाघाट म.प्र

रा.प्र.क्र.श/0049/ड-154/वर्ष 2020-20
साकिन:-कान्द्रीकला 67
रा0नि0म0 सेवत्ती तहसील किरनापूर

आम सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुन्नालाल पिता मायाराम जाति कलार निवासी ग्राम कान्द्रीकला तहसील किरनापुर जिला एतद द्वारा सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि आवेदक मुन्नालाल मृत्यु हो जाने से मत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा बालाघाट म.प्र. द्वारा अपनी नानी गोदा मेश्राम की मृत्यु दिनांक 26/01/1986 को केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।अत: उक्त के सबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तितयों को सूचित किया जाता है कि वे निश्चित दिनांक 20/02/2026 को या तो स्वयं किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनाक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। नियत दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 05/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीत जारी किया गया।

तहसीलदार किरनापुर

निविदा सूचना

निविदा /क्यु क्रमांक — दिनांक १८/२/२०२६

कार्यालय ग्राम पंचायत मोहगांव खुर्द जनपद पंचायत वारासिवनी जिला बालाघाट में वर्तमान में स्वीकृत कार्य १-सामुदायिक भवन,२-ग्राम पंचायत भवन की फेसिंग,३-पीसीसी नाली निर्माण कार्य एवं वर्ष २०२६-२७ में विभिन्न मद से स्वीकृत निर्माण कार्य हेतु सामग्री सप्लाई के लिए निविदा दिनांक १९/२/२०२६ से २५/२/२०२६ तक आमंत्रित की जाती है। जिसमें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, पंद्रवा वित्त, पांचवा वित्त , विधायक निधी ,सांसद निधी,राज्य वित्त आयोग परफारमेंस मद , गौण खनिज मद,स्टॉम डयूटी व अन्य समस्त योजना अंतर्गत सामग्री उपयोग की जाती है। जिसमें सिमेंट , गिट्टी, लोहा ईट, काली मिट्टी , मुरूम, रेत,हैण्डपंप पाइप, सिमेंट पाइप , दरवाजा , खिड़की , हवाकस , पानी टेंकर , मिक्सर मशीन, फोटो कॉपी, स्टेशनरी , नल जल सामग्री, सेनेटरी,टेबल फैन, कुर्सी, टेबल,डस्टबिन, सींमेंट कुर्सी,प्लास्टीक के मुत्रालय/शौचालय, बिजली से संबंधित समस्त सामग्री, लोहा एंगल, जाली,ट्रीगार्ड एवं आवश्यकता अनुसार अन्य सामग्री हेतु निविदा बंद लिफाफे में दिनांक २५/२/२०२६ तक कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत मोहगांव खुर्द में आमंत्रित किया जाता है । निविदा खुलने का समय १२ बजे २६/२/२०२६ तक का है।

नोट- सामग्री हेतु कम दर वाले दुकानदारो को प्राथमिकता दी जायेगी ।

विनीत:: सरपंच फागुलाल मरठे, सचिव कोमेन्द्र बिसेन,सहायक सचिव रजनिश मेश्राम,उपसरपंच एवं समस्त पंच गण ग्राम पंचायत मोहगांव खुर्द जनपद पंचायत वारासिवनी

सुरक्षा कर्मी की बंपर भर्ती
योग्यता 10 वी 12वीं पास
सैलरी 15 से 20 हजार रूपए,
पीएफ ईएसआईसी लीव सैलेरी बोनस की सुविधा
सनफ्लैग स्टील प्लांट भंडारा (वरठी)
संपर्क-7030497666, 9766188388

किराये से देना है
ऑफिस काम हेतु
800 Sq.Fit जगह
लेट-बाथ सहित सीमेंट रोड में
1st फ्लोर में सर्वसुविधायुक्त
मो. 9827983285

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बिरसा में दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण वितरण के लिए लगाया गया शिविर

53 बच्चों ने पाए ट्राई साइकिल, व्हील चेयर, टीएलएम किट जैसे आवश्यक सहायक उपकरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों के लिए 18 फरवरी 2026 को जनपद शिक्षा केन्द्र बिरसा में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चयनित बच्चों को आवश्यकता अनुसार विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण वितरित किए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ विकासखंड स्त्रोत समन्वयक नंदकिशोर तेकाम, एपीसी श्रीष थानथराटे (आईईडी) तथा एलिमको जबलपुर से डॉ. हंजला इरशाद, रामसिंह और विकास मिश्रा की उपस्थिति में माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

उल्लेखनीय है कि विगत 7 अक्टूबर 2025 को एलिमको के सहयोग से उपकरणों के लिए 53 बच्चों का चयन किया गया था। 18 फरवरी को आयोजित इस शिविर में सभी 53 बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण वितरित किये गए। इनमें 11 ट्राई साइकिल, 06 व्हील चेयर, 06 सीपी चेयर, 04 हियरिंग एड, 05 कैलीपर्स, 02 एल्बो क्रच, 22 टीएलएम किट तथा 13 रोलैटर शामिल हैं। इन उपकरणों के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को दैनिक जीवन में सुगमता प्राप्त होगी।

इस दौरान एपीसी श्री श्रीष थानथराटे (आईईडी) ने उपस्थित बच्चों एवं उनके पालकों को उपकरणों के सही उपयोग और सुरक्षित रखरखाव के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। वहीं विकासखंड स्त्रोत समन्वयक श्री नंदकिशोर तेकाम ने दिव्यांग बच्चों को ईश्वर का विशेष स्वरूप बताते हुए पालकों से आग्रह किया कि वे बच्चों की विशेष देखरेख करें और बिना किसी भेदभाव के उनका पालन-पोषण करें।

शिविर के सफल आयोजन में बीएसी सुरेन्द्र सिंह धुर्वे, योगेश कुमार ताम्रकार, एमडीएम प्रभारी रामनिरंजन तिवारी, विकासखंड सह समन्वयक (साक्षर भारत) संजय परिमल, एमआईएस शिवेन्द्र तिवारी, एमआरसी योगराज बिसेन एवं श्रीमती रंजना बिसेन, कम्प्यूटर ऑपरेटर जितेन्द्र कुमार गेडाम, भृत्य अनिल कुषरे तथा जनपद शिक्षा केन्द्र बिरसा के समस्त कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।

न्यूज गैलरी

आज होगा हीरो सद्भावना क्रिकेट टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में खेले जा रहे स्व पत्रकार सुदेश पौराणिक स्व सुनील बिसेन ओम भारद्वाज मुकेश बढ़ई सुरेन्द्र शुक्ला अनीश खान स्मृति हीरो सद्भावना क्रिकेट टूर्नामेंट के पांचवे दिन पहला सेमीफाइनल मैच मॉयल एकादश भरवेली एवं एम पी ई बी के मध्य खेल गया जिसमें बतौर अतिथि राजेश पाठक वरिष्ठ समाजसेवी,पंकज पाठक प्रदेश अध्यक्ष महाकाल अखाड़ा उज्जैन,राहुल बारेसा जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी,मधुकर हरपाल,कामेश धूमकेती नगर निरीक्षक कोतवाली,महेंद्र देशमुख अधिवक्ता,इंद्रजीत गौतम अधिवक्ता,पृथ्वीराज अकेला वरिष्ठ पत्रकार मौजूद रहे।मॉयल एकादश भरवेली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते का फैसला लिया जिसमें निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 202 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।जिसमें धनपाल दुरयाम ने 50 रन,दीपक तांबे ने 43 रन,सोनू मडावी 40 रन का योगदान किया। एम पी ई बी की ओर से राहुल ने 2 विकेट एवं अर्जुन कुर्वेती,राहुल तूरकर ,राहुल गोखले ने एक एक विकेट प्राप्त किए।जवाबी पारी खेलने मैदान में उतरी एम पी ई बी ने निर्धारित 20 ओवर में अपने 7 विकेट खोकर 184 रन ही बना सकी। एम पी ई बी की ओर से चित्र सोलंकी ने 44 रन,राहुल तुरकर 68 रन का योगदान दिया।मॉयल एकादश भरवेली की ओर से सोमू ने 2 विकेट, संजीत ने 2 विकेट,सोनू मडा वी,मोंटू ने एक एक विकेट प्राप्त किए।मॉयल एकादश भरवेली ने 18 रन से मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। सोनू मडावी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच के दौरान अंपायर की भूमिका अजय शुक्ला,संदीप भीमटे स्कोरिंग शुभम मेश्राम कामेंट्री रजनीश राहंगडाले,आकाश श्रीवास्तव अजय बिसेन, द्वारा की गई। प्रतियोगिता का दूसरा सेमीफाइनल मैच श्रमजीवी पत्रकार एकादश एवं मेडिकल एकादश के बीच दोपहर 12 बजे खेला जाएगा। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत भोज महासचिव ओमेंद्र,उपाध्यक्ष श्रवण शर्मा,रजनीश राहंगडाले,रफी अहमद अंसारी,यमलेश बंजारी,महेंद्र अमूले, आकाश श्रीवास्तव,सुनील कोरे,नईम खान,अरविंद अग्निहोत्री,संजय बिसेन,अजय नारायण तिवारी योगेश देशमुख,संदीप आश्वले,योगेश गौतम,हितेश ठाकरे,अशोक शुक्ला,अखिलेश ठाकुर,मनीष जैन,अनुराग झा, माही चौहान,गुणेश्वर सहारे,प्रदीप सर्राटे,महेश दवने,गुड्डू गोंड,देवेंद्र रनगिरे गजोधर,कमल कोडले सहित समस्त साथियों ने खेलप्रेमी जनता से उपस्थिति का आग्रह किया है।

1 लाख 37 हजार की राशि नाली बनाने निकाला और एक ईंट भी नहीं लगी

शपथपत्र पर ग्रामीणों की शिकायत, कागज़ों में नाली-तालाब, ज़मीन पर कुछ नहीं

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत टेकाड़ी में निर्माण कार्यों को लेकर अनियमितताओं के आरोप फिर एक बार सामने आए हैं। पंचायत क्षेत्र के कुछ ग्रामीण कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और शपथ-पत्र के माध्यम से लिखित शिकायत प्रस्तुत की। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत में विकास कार्य केवल कागज़ों तक सीमित हैं, जबकि ज़मीन पर कोई निर्माण दिखाई नहीं देता। उन्होंने बताया कि पूर्व में तालाब निर्माण कार्य को पूर्ण दर्शाया गया था, लेकिन वास्तविकता में कार्य नगण्य है। अब हाल ही में पंचायत में नाली निर्माण का कार्य भी दस्तावेज़ों में पूर्ण दिखा दिया गया है, जबकि मौके पर कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ है। शिकायतकर्ताओं ने कहा कि संबंधित कार्यों को पंचायत दर्पण पोर्टल पर पूर्ण बताया जा रहा है ।

जिला मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत टेकाड़ी में सरपंच-सचिव की कार्यप्रणाली को लेकर ग्रामीणों का असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते कुछ महीनों से हितग्राही शासकीय निर्माण कार्यों में अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए अधिकारियों को ज्ञापन सौंप रहे हैं।

उनका कहना है कि पंचायत में विकास कार्य केवल दस्तावेज़ों में दर्शाए जा रहे हैं, जबकि वास्तविकता में धरातल पर कोई कार्य नहीं हुआ। हाल ही में एक बार फिर टेकाड़ी के ग्रामीण कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और शपथपत्र के माध्यम से लिखित शिकायत प्रस्तुत की। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि पंचायत में स्वीकृत निर्माण कार्यों की राशि आहरित कर ली गई है, लेकिन मौके पर कार्य अधूरा या शून्य है।

1.37 लाख की नाली, पर एक भी ईंट नहीं लगी - सिद्धूलाल बागेश्वर

ग्राम के हितग्राही सिद्धूलाल बागेश्वर ने बताया कि परदेसी टेलर के घर से पुलिया तक आरसीसी नाली निर्माण के लिए 1,37,000 रूपये की राशि स्वीकृत हुई थी। लेकिन अब तक नाली का निर्माण शुरू तक नहीं हुआ। इसके बावजूद पंचायत दर्पण पोर्टल पर उक्त कार्य को पूर्ण दर्शा दिया गया है। उनका आरोप है कि बिना निर्माण के ही राशि निकाल ली गई।

खेत तालाब भी बना कागज़ों में- संतोष नागेश्वर

इसी प्रकार संतोष नागेश्वर ने बताया कि उनके खेत में तालाब निर्माण स्वीकृत हुआ था, लेकिन कार्य स्थल पर कोई तालाब नहीं बना। उनका कहना है कि केवल कागज़ों में निर्माण दर्शाकर राशि आहरित कर ली गई। उन्होंने पूर्व में भी इस संबंध में शिकायत की थी और अब शपथपत्र पर लिखित आवेदन देकर जांच की मांग की है।

पहले भी उठ चुके हैं सवाल - गुलाबचंद पटले

टेकाड़ी निवासी गुलाबचंद पटले ने आरोप लगाया कि पंचायत में विकास कार्यों को लेकर लगातार अनियमितताएं हो रही हैं। पहले खेत तालाब को लेकर शिकायत हुई थी और अब पक्की नाली निर्माण का मामला सामने आया है। उनका कहना है कि पंचायत दर्पण ऐप पर कार्य पूर्ण दर्शाया गया है, जबकि जमीनी स्तर पर कोई निर्माण दिखाई नहीं देता। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित सरपंच-सचिव के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि शासकीय राशि का दुरुपयोग रोकना आवश्यक है, ताकि गांव में वास्तविक विकास कार्य सुनिश्चित हो सकें।

22 फरवरी से शुरू होगा बोर्ड परीक्षाओं का मूल्यांकन

उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में प्रथम चरण में 10वीं और 12वीं के प्रमुख विषयों की जांच, 21 फरवरी को शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में 18 फरवरी को कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा अंतर्गत रसायन, इतिहास, वाणिज्य, कृषि तथा गृह विज्ञान विषयों का प्रश्न पत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा का आयोजन जिले के कुल 117 परीक्षा केंद्रों पर किया गया, जहां प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त विषयों की परीक्षा के लिए कुल 13,588 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 13,450 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित रहे, जबकि 138 छात्र-छात्राएं अनुपस्थित रहे।

जिले में इन दिनों माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाएं जारी हैं। कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्र-छात्राएं निर्धारित समय सारणी के अनुसार अलग-अलग तिथियों पर विभिन्न विषयों के प्रश्नपत्र हल कर रहे हैं। परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाए रखने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा जिले भर में विशेष उड़नदस्ता दल गठित किए गए हैं, जो परीक्षा अवधि के दौरान केंद्रों का औचक निरीक्षण कर नकल पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित कर रहे हैं। 18 फरवरी को कक्षा 12वीं के अंतर्गत रसायन शास्त्र, इतिहास, वाणिज्य , कृषि संकाय एवं गृह विज्ञान संकाय की परीक्षाएं जिले के कुल 117 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गईं। इन विषयों के लिए 13,588 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 13,450 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई और जिले भर में कहीं भी नकल का

कोई प्रकरण दर्ज नहीं किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों एवं निरीक्षण दलों ने सभी केंद्रों पर सतत निगरानी रखी। 18 फरवरी को कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों के लिए कोई प्रश्नपत्र निर्धारित नहीं था। 19 फरवरी को कक्षा 10वीं के छात्र-छात्राएं संस्कृत विषय का प्रश्नपत्र हल करेंगे। इसी दिन कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक विषय अंतर्गत मनोविज्ञान का प्रश्नपत्र आयोजित किया जाएगा। परीक्षा सत्र के साथ-साथ अब मूल्यांकन की तैयारियां भी प्रारंभ कर दी गई हैं। शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 फरवरी से समन्वय संस्था, उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ किया जाएगा। मूल्यांकन कार्य में पारदर्शिता और एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए 21 फरवरी को मास्टर ट्रेनरों द्वारा उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में मूल्यांकन प्रक्रिया, अंकन प्रणाली तथा गोपनीयता संबंधी दिशा-निर्देशों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया जाएगा।

22 फरवरी से शुरू होगा मूल्यांकन कार्य

जिले में बोर्ड परीक्षाओं के साथ अब मूल्यांकन कार्य की तैयारियां भी अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। समन्वय संस्था उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में 22 फरवरी से कक्षा 10वीं और 12वीं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ किया जाएगा। संस्था के प्रभारी प्राचार्य शरद जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि विभागीय निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन कार्य चरणबद्ध तरीके से संपन्न कराया जाएगा। प्रथम चरण में कक्षा 12वीं के अंग्रेजी, भौतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र, संस्कृत तथा कृषि संकाय के अंतर्गत पशुपालन विषय की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा। इस कार्य में लगभग 100 से अधिक शिक्षक भाग लेंगे। इसी प्रकार कक्षा 10वीं के प्रथम चरण में अंग्रेजी एवं व्यावसायिक विषय के प्रश्नपत्रों का मूल्यांकन प्रारंभ किया जाएगा, जिसमें 70 से अधिक शिक्षक नियुक्त किए गए हैं।

21 फरवरी को होगा प्रशिक्षण

मूल्यांकन कार्य को पारदर्शी और एकरूप बनाने के उद्देश्य से 21 फरवरी को उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। शिक्षा विभाग द्वारा चार मास्टर ट्रेनरों को भोपाल स्तर पर पूर्व प्रशिक्षण दिया जा चुका है। यही प्रशिक्षित शिक्षक अब जिले के मूल्यांकनकर्ताओं को मार्गदर्शन देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम दो पालियों में आयोजित होगा। प्रथम पाली में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक कक्षा 10वीं के 70 से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके पश्चात दूसरी पाली में दोपहर 1:30 बजे से शाम 5 बजे तक कक्षा 12वीं के लगभग 100 से अधिक शिक्षकों को मूल्यांकन संबंधी दिशा-निर्देशों से अवगत कराया जाएगा।

हज यात्रियों का अंजुमन शादी हाल में किया गया टीकाकरण

38 में से 36 हज यात्रियों को लगाए गए टीके

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुस्लिम समुदाय के लोगों पर पांच फर्जों की याद आएगी अनिवार्य की गई है।जिसमें पांचवा फर्ज हज है। इस फर्ज की याद आएगी के लिए प्रतिवर्ष देश सहित पूरी दुनिया से मुस्लिम समाज के लोग सऊदी अरब स्थित मक्का मदीना में हज के सफर के लिए रवाना होते हैं। इस वर्ष भी पूरी दुनिया से करोड़ो मुस्लिम हज के लिए साऊदी जाएंगे। बात अगर बालाघाट जिले की करें तो इस वर्ष बालाघाट जिले से हज पर जाने के लिए करीब 38 यात्रियों का चयन किया गया है जो आगामी समय में बालाघाट जिले से हज के लिए सऊदी अरब रवाना होंगे। जिनको हज यात्रा के दौरान विभिन्न प्रकार के संक्रमण व बीमारी से बचाने और उनके बेहतर स्वास्थ्य को देखते हुए सऊदी अरब की गाइडलाइंस के मुताबिक बुधवार को उनका टीकाकरण किया गया। साथ ही हज यात्रियों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा हेल्थ कार्ड जारी किए गए।

अंजुमन शादी में हाल में शिविर का हुआ आयोजन

बुधवार 18 फरवरी को नगर के अंजुमन शादी हाल में हज यात्रियों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 38 पंजीकृत हज यात्रियों में से 36 को अनिवार्य टीके लगाए गए। यह टीकाकरण कार्यक्रम सऊदी अरब सरकार की गाइडलाइंस के तहत आयोजित किया गया, ताकि यात्रियों को हज यात्रा के दौरान किसी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या का सामना न करना पड़े।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिविर के दौरान यात्रियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण भी किया।चिकित्सको द्वारा ब्लड प्रेशर, शुगर और अन्य आवश्यक जांचें की गईं। जांच के बाद सभी योग्य यात्रियों को टीकाकरण कर उनका हेल्थ कार्ड जारी किया गया, जो हज यात्रा के लिए आवश्यक दस्तावेजों में शामिल है। बताया गया की संक्रमण रहित यह टीका लगाना अनिवार्य है वही बिना टीकाकरण व हेल्थ कार्ड के हज यात्रियों को हज करने के लिए प्रवेश नहीं मिलेगा। सऊदी से जारी इस गाइडलाइंस के तहत अंजुमन शादी हाल में टीकाकरण के लिए विशेष शिविर का आयोजन कर हज यात्रा में जाने वाले यात्रियों को यह टीके लगाए गए हैं।कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। यात्रियों ने स्वास्थ्य विभाग और आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया और सफल हज यात्रा की दुआ की है।

टीकाकरण के पूर्व ली गई स्वास्थ्य सम्बंधित जानकारी

उधर आयोजित इस शिविर को सम्पन्न कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम सुबह से ही अंजुमन शादी हाल में मौजूद रही। डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने यात्रियों की बारी-बारी से जांच की। इस दौरान ब्लड प्रेशर, शुगर, तापमान और अन्य जरूरी स्वास्थ्य मानकों की जांच की गई। चिकित्सकों ने यात्रियों से उनके पूर्व स्वास्थ्य संबंधी इतिहास की भी जानकारी ली, ताकि किसी प्रकार की गंभीर समस्या होने पर पहले से आवश्यक सावधानियां बरती जा सकें।टीकाकरण प्रक्रिया पूरी तरह व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए यात्रियों को आवश्यक टीके लगाए गए। टीकाकरण के बाद प्रत्येक यात्री को कुछ समय तक निगरानी में रखा गया, ताकि किसी प्रकार की एलर्जी या दुष्प्रभाव की स्थिति में तुरंत उपचार किया जा सके।

36 यात्रियों को जारी किया गया हैल्थकार्ड

बताया गया कि जिले के कुल 38 हज यात्रियों में से 2 यात्री बाहर होने के चलते शिविर में उपस्थित नही हो सके, जिसके चलते 36 यात्रियों का टीकाकरण किया गया।सभी 36 यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण संतोषजनक पाया गया, उन्हें मौके पर ही हेल्थ कार्ड जारी किए गए।बताया गया कि यह हेल्थ कार्ड हज यात्रा के लिए अनिवार्य दस्तावेजों में शामिल है और सऊदी अरब में प्रवेश के दौरान इसकी जांच की जाती है।आयोजको ने बताया कि शेष दो यात्रियों का टीकाकरण नहीं हो सका है, जिन्हें निर्धारित तिथि पर जिला अस्पताल बुलाकर उनका टीकाकरण किया जाएगा।वही से उन्हें हैल्थ कार्ड जारी किए जाएंगे।

हज यात्रियों को दिए गए स्वास्थ सम्बंधित टिप्स

कार्यक्रम के दौरान यात्रियों को हज यात्रा के दौरान बरती जाने वाली स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों की भी जानकारी दी गई। चिकित्सकों ने विशेष रूप से साफ-सफाई, संतुलित आहार, पर्याप्त पानी पीने और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर मास्क का उपयोग करने की सलाह दी। साथ ही गर्म मौसम को ध्यान में रखते हुए लू और डिहाइड्रेशन से बचाव के उपाय भी बताए गए।

इनका रहा विशेष योगदान

कैंप में डॉ. प्रियंका नगपुरे, श्रीमती ज्योति पड़वार, श्रीमती दुर्गावती मेश्राम, प्रथम कावरे, श्रीमती अंजुम निशाद अली, श्रीमती श्वेता सोनी एवं आशा कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। पूरी प्रक्रिया सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न कराई गई। उल्लेखनीय है कि डॉ. परेश उपलप के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विगत 15 वर्षों से प्रतिवर्ष हज यात्रियों के लिए टीकाकरण एवं स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था की जा रही है, जिससे यात्रियों की सुरक्षित एवं स्वस्थ यात्रा सुनिश्चित हो सके।

संक्रमण व बीमारी से बचाने के लिए, लगाए जा रहे टीके- महमूद आलम

आयोजित शिविर को लेकर की गई चर्चा के दौरान अंजुमन इस्लामिया कमेटी सचिव महमूद आलम खान ने बताया की इस प्रकार के शिविर का उद्देश्य हज यात्रियों को पूरी तरह स्वस्थ एवं सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जिले से 38 लोगो का हज यात्रा के लिए चयन हुआ है जिसमें 36 यात्री इस टीकाकरण शिविर में पहुंचे हैं।2 यात्री टीकाकरण से बचे हुए हैं उन्हें जिला अस्पताल बुलाकर उनका टीकाकरण कराया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि सऊदी अरब की गाइडलाइंस के मुताबिक जितने भी लोग वहां जाते हैं उनका टीकाकरण करना जरूरी होता है क्योंकि वहां लाखों करोड़ों लोग देश-विदेश से हज करने के लिए पहुंचते हैं ऐसे में यात्रियों को संक्रमण व बीमारियों का खतरा बना रहता है इसके बचाव के लिए ही यह टीकाकरण कर उन्हें हेल्थ कार्ड जारी किए गए हैं।

धान की कस्टम मिलिंग के लिए कलेक्टर ने राईस मिलर्स से की चर्चा

राईस मिलर्स ने कस्टम मिलिंग करने की सहमति दी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मध्यप्रदेश का सर्वाधिक धान उत्पादक जिला है और समर्थन मूल्य पर खरीदी गई धान की कस्टम मिलिंग के उपरांत चावल सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से उचित मूल्य दुकानों को गरीब और कमजोर वर्ग को प्रदाय करने के लिए उपलब्ध कराया जाता है। कलेक्टर मृणाल मीना ने बालाघाट जिले में धान की कस्टम मिलिंग के व्यवस्थित संचालन के लिए 18 फरवरी को राईस मिलर्स के साथ बैठक कर विस्तार से चर्चा की। बैठक में नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक हरिश कोरी, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनील किरार, राईस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद ठाकरे एवं राईस मिलर्स उपस्थित थे। कलेक्टर श्री मीना ने राईस मिलर्स से चर्चा के दौरान कहा कि धान की कस्टम मिलिंग से तैयार होने वाला चावल गरीब एवं कमजोर वर्ग के खाने के लिए उपलब्ध कराया जाता है। अत: राईस मिलर्स इसमें किसी भी तरह से अनैतिक लाभ लेने का प्रयास न करें। राईस मिलर्स के लिए धान की कस्टम मिलिंग एक तरह से गरीब लोगो की सेवा के समान है। बालाघाट जिले में धान उपार्जन एवं धान की कस्टम मिलिंग से जिले की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलती है। राईस मिलर्स को धान की कस्टम मिलिंग में जो कुछ भी समस्या आएगी उनका शासन के नियमों के तहत निराकरण करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। अत- राईस मिलर्स धान की कस्टम मिलिंग का कार्य शीघ्र प्रारंभ करें। बैठक में राईस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद ठाकरे ने धान की कस्टम मिलिंग में आने वाली समस्याओं की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया और अपेक्षा की कि उनका यथोचित हल निकाला जाएगा। उन्होंने गत वर्ष की कस्टम मिलिंग के भुगतान एवं अन्य सहायता के लिए जिला प्रशासन को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि राईस मिलर्स द्वारा धान की कस्टम मिलिंग शीघ्र ही शुरू की जाएगी और इसके लिए मिलर्स द्वारा अनुबंध किया जाएगा। बैठक में 38 राईस मिलर्स द्वारा धान की कस्टम मिलिंग के लिए अनुबंध करने की सहमति प्रदान की गई और अन्य मिलर्स द्वारा भी शीघ्र ही अनुबंध किया जाएगा।

दलवाड़ा में कच्चे मकान में संचालित हो रही आंगनवाड़ी, जनसुनवाई में की गई पक्के भवन की मांग

पद्मेश न्यूज। बैहर। वर्ष 1990 से संचालित आंगनवाड़ी केंद्र ग्राम दलवाड़ा में वर्तमान में कच्चे मकान में संचालित होने के कारण आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पहले यह केंद्र प्राथमिक शाला के किचन सेट में संचालित होता था। लेकिन फिलहाल स्वर्गीय जानकी प्रसाद पटले के कच्चे मकान में आंगनवाड़ी चलाई जा रही है।केंद्र के लिए पक्के भवन की व्यवस्था नहीं होने से बच्चों एवं कार्यकर्ताओं को असुविधा हो रही है। बरसात एवं अन्य मौसम में स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है। ग्रामीणों ने आंगनवाड़ी के लिए शीघ्र ही अलग से भवन निर्माण की मांग की है।इस संबंध में मंगलवार को जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में ग्राम दलवाड़ा से सरपंच श्रीमती किरण बाला टीकम, उपसरपंच देवराज रंगडाले, अनिल टेकाम, जानकी प्रसाद चौधरी, धीरज पटेल, जैयपाल मर्सकोले, धनसिंह धुमकेती, बृजेश रहांगडाले, विनोद श्री पटले एवं देवीदयाल बारमाटे उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने कलेक्टर महोदय से आंगनवाड़ी केंद्र के लिए शीघ्र पक्का भवन स्वीकृत करने की मांग की है। ताकि बच्चों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और आंगनवाड़ी का संचालन सुचारू रूप से हो सके।

आस-पास की खबरे

पंढरापानी में दो दिवसीय विशाल बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता की फाइनल दौड़ आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी. दूर ग्राम पंचायत रानीकुठार के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंढरापानी में नवयुवक पट समिति के तत्वाधान में 18 फरवरी से दो दिवसीय विशाल बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसका समापन

19 फरवरी को फाइनल दौड के साथ 19 फरवरी को किया जायेगा। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि दो दिवसीय विशाल बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का 18 फरवरी से प्रारंभ होगा, जिसमें प्रथम पुरस्कार 25,000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 20,000 रूपये, तृतीय पुरस्कार 15,000 रूपये, चौथा पुरस्कार 12,000 रूपये, पांचवा पुरस्कार 10,000 रूपये, छटवां पुरस्कार 9,000 रूपये, सातवां पुरस्कार 8000 रूपये, सातवां पुरस्कार 7000 रूपये, नौवां पुरस्कार 6500 रूपये, दसवां पुरस्कार 6000 रूपये, 11 से 15 नंबर तक 5500 रूपये, 16 से 20 नंबर तक 5000 रूपये, 21 से 5 नंबर तक 4500 रूपये एवं 26 वां पुरस्कार 5000 रूपये एवं 19 फरवरी को 2100 रूपये प्रवेश शुल्क निर्धारित किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि दो दिवसीय विशाल बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का 19 फरवरी को फाइनल दौड़ के साथ समापन किया जायेगा। इस अवसर पर बालाघाट सहित अन्य जिलों के पट बैलजोड़ी मालिकों से अधिक से अधिक बैलजोड़ी लेकर पहुंचने की अपील आयोजक समिति अध्यक्ष मकसूद पटेल, उपाध्यक्ष प्रकाशसिंह भलावी, सचिव आनंद भारद्वाज, कोषाध्यक्ष शेख तबरेज/बशीर पटेल, संरक्षक होलूराम बाहेश्वर, संपतसिंह नेताम, अहमद अली, चरणसिंह उइके, प्रेमलाल बावने, कृष्णकुमार कावरे, आयोजक समिति रवि नेताम, नरेश बावने, संतोष भलावी, हरदास सलामें, राहुल भारद्वाज, प्रकाश कुमरे, कुमनसिंह उइके, योगेश मड़ावी, शैलेष मर्सकोले, रोहित भलावी, सुमित मेश्राम सहित ग्रामीणजनों ने की है।

खारी गांव में अभी से जल संकट

एक हैंडपंप के भरोसे पूरा वार्ड, पानी के लिए हो रहे परेशान

खेतों में धडल्ले से हो रहे बोरवेल खनन पर रोक लगाने और नल-जल योजना नियमित पानी देने की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत खारी में अभी गर्मी ने पूरी तरह दस्तक भी नहीं दी है, लेकिन जल संकट ने विकराल रूप धारण कर लिया है। गांव में पानी की समस्या इतनी बढ़ गई है कि ग्रामीणों को पानी के लिए खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि पंचायत द्वारा बनाया गया सार्वजनिक कुआं पूरी तरह से सूख चुका है और खारी के आवासटोला का पूरा वार्ड मात्र एक हैंडपंप के भरोसे है। जिसका पानी वार्डवासी उपयोग कर रहे है। वहीं शासन के द्वारा नल-जल योजना के तहत घरों में नल कनेक्शन भी किये गये है, लेकिन नल-जल योजना का पानी नही मिल रहा है जिसका मुख्य कारण है कि पाईपलाईन में तकनीकी खराबी आ चुकी है। जिसका अब तक पीएचई विभाग के द्वारा सुधार कार्य भी नही किया गया है। वहीं कुएं के साथ ही हेंडपंप का भी जल स्तर गर्मी शुरू होने के पहले ही नीचे जाने लगा है। जिसका मुख्य कारण है कि खेतों में बड़ी मशीनों से धडल्ले से बोरवेल खनन हो रहे है। इसलिए गर्मी शुरू होने के पहले की कुएं सुखने लगे है और जल का संकट ग्राम खारी सहित आवासटोला में उत्पन्न हो चुका है। जल्द ही पानी की समस्या को दुर नही किया गया तो आगामी अप्रैल, मई की गर्मी में ग्रामीणजनों को पानी के लिए बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

नल जल येजना का नही मिल रहा लाभ

आपकों बता दे शासन के द्वारा करोड़ों रूपयों की नल-जल योजना प्रारंभ की गई है और इस योजना के तहत खारी के आवास टोला में भी पाईपलाईन का विस्तार कर घर-घर में नल कनेक्शन किया गया है। लेकिन पाईपलाईन बिछाने का कार्य सही तरीके से नही होने एवं कुछ तकनीकी खराबी के कारण वार्डवासियों को नल-जल योजना का पानी लंबे समय से नही मिल रहा है। ऐसी स्थिति खारी पंचायत के अन्य वार्ड में भी पानी की समस्या बनी हुई है। इस समस्या से पीएचई विभाग को पूर्व में अवगत करवा दिया गया है लेकिन उनके द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणजनों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं खारी के आवासटोला में गर्मी शुरू होने के पहले ही जल संकट उत्पन्न हो चुका है और कुएं सुखने लगा है। ऐसी स्थिति में एक हेंडपंप के पानी के भरोसे वार्डवासी है और सुबह से ही हेंडपंप में पानी भरने वालों की भीड़ लग जाती है एवं हेंडपंप में दबाव अधिक होने के कारण दूषित पानी निकलता है। जिसे पीने से वार्डवासियों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। वहीं नल-जल योजना का भी पानी नही मिलने से ग्रामीण पानी के लिए परेशान हो रहे है। ग्रामीणों ने बताया कि आवासटोला सहित अन्य वार्ड में जल स्तर गिरने के कारण पेयजल का एकमात्र सहारा अब इकलौता हैंडपंप ही बचा है। यहां सुबह से ही पानी भरने वालों की भीड़ लग जाती है और अत्यधिक उपयोग एवं जल स्तर नीचे चले जाने के कारण इस हैंडपंप से मटमैला और गंदा पानी निकलने लगा है। ग्रामीणों ने इस भीषण जल संकट का मुख्य कारण खेतों में हो रहे अनियंत्रित बोरवेल खनन और दिन-रात होने वाली सिंचाई को बताया है। साथ ही यह भी कहा कि नल-जल योजना का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है, जिससे पाईपलाइन होने के बावजूद नल सूखे पड़े हैं और पंचायत का कुआं सूख चुका है। इसलिए प्रशासन से मांग है कि खेतों में हो रही सिंचाई के लिए नये बोरवेल खनन पर तत्काल रोक लगाये, बंद पड़ी नल-जल योजना को सुधारकर नियमित रूप से पानी प्रदाय करें।

दुसरे ग्राम से टेंकर में पानी बुलाना पड़ेगा - डेविड

डेविड वर्मा ने बताया कि पूर्व में पानी की यहां समस्या उत्पन्न नहीं होती थी परंतु जब से धान की फसल लगना प्रारंभ हुई है और सिंचाई के लिए लोग खेतों में बोरवेल खनन कर रहे है। जिसके कारण भी जल स्तर नीचे चले गया है और हमारे गांव के कुएं सूख चुके हैं जिससे जल संकट की समस्या उत्पन्न हो रही है।

जबकि अभी गर्मी शुरू भी नही हुई है, यदि यही स्थिति रही तो गर्मी में हमें अन्य स्थानों से दूसरे गांव से टैंकरों के माध्यम से पानी बुलवाना पड़ेगा।

पानी की समस्या से ग्रामीणजन परेशान - कांता

श्रीमती कांता गोयल ने बताया कि विगत एक सप्ताह से हमारे गांव में पानी की समस्या बनी हुई है और हमारे वार्ड में एकमात्र हेंडपंप है जिसमें सुबह से पानी भरने वालों को भीड़ लग जाती है। कई बार लोगों को बिना पानी

लिए ही वापस लौटना पड़ता है। आगे बताया कि नल-जल योजना का भी पानी नही मिलता है, हेंडपंप के पानी के भरोसे है वार्डवासी, इसलिए प्रशासन से मांग है कि खेतों में सिंचाई के लिए बोरवेल खनन हो रहे है उस पर प्रतिबंध लगाये एवं नल-जल योजना की पाइपलाईन में आई तकनीकी खराबी को सुधार कर नियमित रूप से पानी प्रदाय करें।

जल स्तर नीचे जाने से पानी की समस्या हो रही उत्पन्न - कैलाश

सरपंच प्रतिनिधि कैलाश नखाते ने बताया कि गांव में बड़ी संख्या में खेतों में किसानों के द्वारा बोरवेल करवाया गया है और रबि की फसल लगाकर सिंचाई की जा रही है। खेतों में सिंचाई अधिक होने से गांव का जल स्तर नीचे चले गया है और कुएं सुखने लगे है जिसके कारण जल संकट की समस्या उत्पन्न हुई है। श्री नखाते ने बताया कि नल जल योजना का

पानी भी वार्डवासियों को नहीं मिल पाता हैं जबकि संबंधित विभाग को हमारे द्वारा कई बार इस समस्या से अवगत करवा दिया गया है किन्तु कोई ध्यान नही दे रहे है। जिससे ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है, पीएचई विभाग से मांग है कि नल-जल योजना का पानी नियमित रूप से प्रदाय करें ग्रामीणजनों को।

वार्षिक बजट को भजपा ने बताया विकसित म.प्र. का आधार, कांग्रेस ने कहा वादाखिलाफी का पिटारा

म.प्र. का वार्षिक बजट हुआ पेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री, वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा के द्वारा 18 फरवरी को 2026-27 सत्र का राज्य का मुख्य बजट विधानसभा में पेश किया गया। यह बजट लगभग 4 लाख, 38 हजार, 317 करोड़ का वार्षिक बजट है। जिससे सभी वर्गों को साधने का प्रयास डॉ. मोहन यादव की सरकार के द्वारा किया गया है परन्तु इस बजट में सरकार के द्वारा अपनी प्रमुख घोषणाएं। जिसमें किसानों को धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये, गेंहू 2700 रूपये प्रति क्विंटल खरीदने, लाड़ली बहनों को 3000 रूपये प्रतिमाह देने सहित अन्य घोषणों को बजट में कोई स्थान नही दिया है। वहीं इस बजट से लोगों को अपेक्षा थी कि डॉ. मोहन यादव सरकार कुछ बड़ा ऐलान करेगी परन्तु इस बजट में बेरोजगारी, महंगाई, किसान व युवाओं के लिए किसी तरह का कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है जिससे किसानों को राहत मिल सके। महंगाई पर अंकुश लगाया जा सके एवं युवाओं के लिए रोजगारन्मुखी योजना नहीं लाई गई है। जिससे किसानों व युवाओं में सरकार के प्रति आक्रोश व्याप्त है और यह बजट को विपक्ष के द्वारा आम जनता के साथ छलावा करार देते हुए निराशाजनक बताया जा रहा है एवं वादाखिलाफी का पिटाया बताया है। वहीं सत्ता पक्ष का दावा है कि यह बजट मध्यप्रदेश का आधार है जो प्रदेश के विकास को नई गति प्रदान करेगा और बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा। साथ ही बजट को अच्छा बताकर सराहना कर रहे है।

निराशाजनक बजट है - ज्ञानेश्वरी

श्रीमती ज्ञानेश्वरी गाडेश्वर ने बताया कि चुनाव से पहले भाजपा ने जो वादे किए थे, वे इस बजट में कहीं नजर नहीं आ रहे। किसानों को 3100 रूपये धान और 2700 रूपये गेहूं का समर्थन मूल्य देने का वादा किया गया था, लाड़ली बहनों को 3000 रूपये प्रतिमाह, 500 रूपये में गैस सिलेंडर देने की घोषणाओं पर सरकार ने चुप्पी साध ली है। श्रीमती गाड़ेश्वर ने बताया कि उंच शिक्षित युवा रोजगार के लिए दर-दर भटक रहे हैं, लेकिन सरकारी भर्तियों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। महंगाई पर अंकुश लगाना चाहिए था लेकिन महंगाई और बढ़ रही है, सरकार ने जो बजट पेश की है वह पुरी तरह से निराशाजनक बजट है।

विकास और उन्नति का संकल्प है यह बजट - प्रसन्न

भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया ने बताया है प्रदेश सरकार के द्वारा जो बजट पेश किया है कि यह बजट समाज के हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याणकारी योजनाओं पर सरकार बेहतर कार्य कर रही है। साथ ही विपक्ष के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि घोषणा पत्र के हर वादे को 5 साल के कार्यकाल के अंदर चरणबध्द तरीके से सरकार पूरा करेगी। यह बजट मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर और

विकसित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है एवं प्रदेश विकास की ओर आगे बढ़ेगा।

कर्ज के बोझ तले दब रही है जनता - मनीष

पिछड़ा वर्ग कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा ने बजट को पूरी तरह से दिशाहीन बताते हुए कहा कि सरकार ने किसानों की आय, युवाओं के रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं पर कोई विशेष प्रावधान नहीं किया है। सरकार बड़ी-बड़ी घोषणाएं करके सत्ता में तो आ गई, लेकिन अब उन्हें पूरा करने से पीछे हट रही है। दैनिक उपयोग की वस्तुओं जैसे दाल, शक्कर, तेल और ईंधन (पेट्रोल-डीजल) की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए कोई कदम नहीं उठाये गये है। प्रदेश की जनता पर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है और यह बजट आम आदमी की उम्मीदों के विपरीत है। जबकि किसानों व मध्य वर्ग के हित में बजट पेश होना था लेकिन ऐसा कुछ नही हैं जिसके कारण जनता कर्ज के बोझ तले दब रही है।

नये पदाधिकारियों का किया गया सम्मान

कांग्रेसियों ने वादाखिलाफी पर सरकार को घेरा

किसान कांग्रेस का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में किसान कांग्रेस कमेटी लालबर्रा के तत्वाधान में 18 फरवरी को विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन एवं नये पदाधिकारियों का स्वागत-सम्मान समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम पूर्व विधायक अशोक सिंह सरस्वार के मुख्य आतिथ्य एवं जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। आयोजित किसान सम्मेलन कार्यक्रम में किसान कांग्रेस कमेटी लालबर्रा के नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। तत्पश्चात संगठन की मजबूती एवं किसानों की 'वलंत समस्याओं पर गहन मंथन किया गया। वहीं मंचीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने वर्तमान भाजपा सरकार की कथित किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा शासन में हर वर्ग परेशान है, उन्होने चुनाव के पूर्व जो घोषणा की थी कि किसानों को धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये, गेंहू 2700 रूपये प्रति क्विंटल, कृषि के लिए 24 घंटे बिजली देगें। लेकिन सरकार ने अब तक पूरा नही कर पाई है, यह सरकार सिर्फ घोषणा कर प्रदेश की जनता के साथ वादाखिलाफी कर रही है। किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम नही मिल पा रहा है और महंगाई चरम सीमा पर पहुंच चुकी है। साथ ही यह भी कहा कि जब तक वर्तमान सरकार की नीतियों का पुरजोर विरोध नहीं होगा, तब तक किसानों को उनकी उपज का सही लाभ नहीं मिलेगा इसलिए हम सभी को संगठित होकर अपने हक की लड़ाई लड़ना है ताकि सरकार अपनी घोषणा को पूरी कर सके। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन मनीष कुशवाहा ने किया। इस अवसर जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष भुरु पटेल, ग्वारी समाज प्रदेश अध्यक्ष महेश सहारे, वरिष्ठ नेता रहीम खान, उम्मेद लिल्हारे, नारायण सिंह परिहार, मनोहर अग्रवाल, धर्मेंद्र कुरील, लक्ष्मी वाघाड़े, विनीता सोनी, प्रेमलता ओमप्रकाश बिसेन, इंद्राबाई टेकाम, अधि. आनंद बिसेन, पूर्व अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र ढांडे, खमरिया कांग्रेस अध्यक्ष दमनसिंह रहांगडाले, अमीनुद्दीन हंफ़ी, गोविंद पटले, दीपक तोमर, ओमप्रकाश बिसेन, प्रेमसिंह मर्सकोले, कैलाश नखाते, जुगल भैरम, दयाराम बाजनघाटे, ईश्वरी चौधरी, मुन्नालाल पटले, संतोष पंचेश्वर, रामसहाय गाड़ेश्वर, बलेश रहांगडाले, संतोष पांडे, देवराज ठकरेले, शहजादा पटेल, देवराम महेरकर, भीवराम मानेश्वर, विजय पटले, हरिचंद पटले, गुरूप्रसाद बिसेन, बसंत शर्मा, अरूण ढांडे, डिलेश ठाकुर, शैलेश सोनी, कैलाश माते, रामप्रसाद सोनी, भागचंद पंचेश्वर, ज्ञानीराम पंचेश्वर, ईश्वरदयाल रहांगडाले, शिवलाल केकती, गोलू ब्रम्हे, चेतनलाल चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इनका हुआ सम्मान

किसान कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम में लालबर्रा किसान कांग्रेस अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे, उपाध्यक्ष दिनेश मरार, चित्रसेन राहंगडाले, सतानंद दमाहे, सुरेश साकुरे, झामसिंह राणा, हितेश चौधरी, महासचिव (महामंत्री) तेजलाल उइके, संतोष पंचेश्वर, रामकुमार मर्सकोले, मूलचन्द राहंगडाले, सचिव गुनेश्वर तीवड़े, संगठन मंत्री रामेश्वर बिसेन, लक्ष्मी पंचेश्वर, शैलेन्द्र धुर्वे, राजकुमार राहंगडाले , विजय पटले, रामप्रसाद मर्सकोले, गनपत तरवरे, सदस्य प्रकाश भलावी, सचिन पंचेश्वर, कृष्णकुमार मानेश्वर, भीवराम पंचेश्वर, लवकिशोर ठाकरे, टुंडीलाल ठाकरे, विनोद ठाकरे, रामप्रसाद रोकड़े, हेमंत, हरिचंद पटले, श्रीराम नखाते, मकसूद खान, गेंदलाल चिकलौंडे, नीलेश्वर बिसेन, प्रेमसिंह मर्सकोले, भिमराव मानेश्वर, तिलक एड़े, मुरलीधर ठाकरे, शंकर माने, रेखलाल अड़मे, सेवकराम पटले, दंगल प्रसाद क्षीरसागर, आशीष बिसेन, राजाराम कटरे, पवन ठाकरे, विनोद ठाकरे, हरिचन्द पटले, मकसूद खान, आशीष बिसेन और पवन ठाकरे का नियुक्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया।

सरकार अपने वादे को करें पूरा - सम्राट

जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार ने कहा कि कमलनाथ की सरकार बनते ही उन्होने बहुत कम समय प्रदेश को संभाला और कर्ज माफी सहित किसानों के हित के लिए बहुत सारी योजनाएं उनके पास थी जो वह अपने कार्यकाल में लागू करना चाह रहे थे। उनके दिमाग में मास्टर प्लान था, वह हर जिले के लिए अलग-अलग औद्योगिक कारखाने खोलना चाह रहे थे परंतु भाजपा ने हमारे बेईमान विधायकों को खरीद कर कांग्रेस सरकार को गिरा दी। श्री सरस्वार ने कहा कि सरकार ने किसानों को धान के लिए 3100 और गेहूं के लिए 2700 रूपयें प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य देने का वादा किया था, लेकिन तीन साल बीत जाने के बाद भी यह केवल एक चुनावी लॉलीपॉप साबित हुआ। साथ ही यह भी कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कई बार बालाघाट आ चुके है लेकिन किसानों के हित में एक शब्द नहीं कहा है। साथ ही कांग्रेस पार्टी के सभी विंगों के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं से गुटबाजी को दरकिनार कर संगठित होकर काम करने की बात कही।

पाटी की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाये - अशोक

पूर्व विधायक अशोकसिंह सरस्वार ने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं को एकजुट और संगठित रहने का मंत्र दिया और कहा कि संगठन की असली ताकत कार्यकर्ताओं की एकता में है। साथ ही यह भी कहा कि कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए ग्रामों में समय-समय पर नियमित बैठकों का आयोजन किया जाये। श्री सरस्वार ने कहा कि हमें जनहित के मुद्दों पर चुप नहीं बैठना है, आगामी जन-आंदोलन की रूपरेखा तैयार करें ताकि किसानों की आवाज को शासन-प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाया जा सके। साथ ही सभी से कांग्रेस का हाथ मजबूत करने और पार्टी की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही।

सामूहिक विवाह में टारगेट बना समस्या, विवाह कराने वाले हितग्राही परेशान

वारासिवनी जनपद पंचायत में केवल 100 जोड़ों का होना हैं सामुहिक विवाह!!

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

मध्य प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री कन्या विवाह /निकाह योजना वर्तमान में चर्चा का विषय बनी हुई है। जिसमें वारासिवनी जनपद पंचायत को योजना अंतर्गत १०० जोड़ों का विवाह करने के लिए टारगेट दिया गया है। जिसको लेकर क्षेत्र में असमंजस्य की स्थिति बनी हुई है क्योंकि यह जो टारगेट है वह एक ग्राम पंचायत पर दो जोड़े का भी नहीं बैठ पा रहा है। ऐसे में क्षेत्रवासियों के द्वारा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग मंत्रालय मध्य प्रदेश शासन के इस संशोधित आदेश को तुगलकी फरमान करार दिया जा रहा है। वही एक बड़ा गरीब तबका वंचित होने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में क्षेत्रवासियों के द्वारा इस आदेश को वापस लेकर पूर्व की तरह समस्त गरीब बच्चियों का विवाह करने की मांग शासन प्रशासन से की जा रही है।

जोड़ो की बाध्यता से कई गरीब परिवार होंगे वंचित

वारासिवनी जनपद पंचायत एक बड़ा क्षेत्र है जहां पर ६० ग्राम पंचायत और उसके कई मंजीरे टोल बने हुए हैं। इस प्रकार प्रत्येक ग्राम की आबादी करीब २००० से अधिक है। तो वहीं नगर पालिका क्षेत्र भी है जहां पर १५ वार्ड स्थित है। क्षेत्र के कई परिवार जो खर्चीली शादी करने और घर से बेटी को विदा करने में असमर्थ होते हैं वह इस सामूहिक विवाह का इंतजार करते हैं। ताकि मध्य प्रदेश शासन के द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना में उनकी बेटी का विवाह हो जाए। जिससे कि उन्हें खर्चीले विवाह कार्यक्रम और भविष्य की समस्याओं से परेशान ना होना पड़े साथ ही शासन के द्वारा दी जाने वाली आर्थिक मदद भी उनकी बेटी को प्राप्त हो सके। यह सामूहिक विवाह मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष जनपद पंचायत वारासिवनी के द्वारा आयोजित करवाया जाता है। जिसमें हर वर्ष दो सैकड़ा से अधिक जोड़े शामिल होते हैं। पिछले वर्ष ही ३८१ जोड़ों के द्वारा सामूहिक विवाह में शामिल होकर हिंदू बौद्ध और आदिवासी रीति रिवाज के माध्यम से विवाह संपन्न कराया गया था। ऐसे में इस वर्ष सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग मंत्रालय भोपाल मध्य प्रदेश शासन के द्वारा जारी आदेश के तहत १ दिन में अधिकतम २०० जोड़े का आदेश है। ऐसे में एक ही दिन में वारासिवनी और बालाघाट दोनों जनपद में विवाह होने से एक जनपद को केवल १०० जोड़े की बाध्यता हैं। इससे कई गरीब परिवार वंचित होने की कगार पर है जिसको लेकर क्षेत्र के लोगों में आक्रोश व्याप्त है। उनके द्वारा शासन प्रशासन से इस बाध्यता को समाप्त कर सभी गरीब बेटी का विवाह करने की मांग की जा रही है।

क्षेत्र की बाध्यता नहीं होना भी है समस्या

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है जिसमें विवाह के लिए जनपद की प्राथमिकता नहीं है। वारासिवनी जनपद पंचायत में १९ मार्च को सिविल क्लब ग्राउंड में सामूहिक विवाह कार्यक्रम होना है। जिसमें अन्य जनपद क्षेत्र के भी लोग विवाह के लिए अपना पंजीयन कर सकते हैं। परंतु १०० पंजीयन होने के बाद एक भी फॉर्म नहीं लिए जाएंगे हितग्राही के लिए यह एक समस्या भी है कि दूसरे जनपद क्षेत्र के लोग जब वारासिवनी जनपद में आएंगे तो स्थानीय जोड़ों को और ज्यादा समस्या होगी। हालांकि यह फॉर्म जमा करने की प्रक्रिया २३ फरवरी से ५ मार्च तक होना है ऐसे में लोग और ज्यादा चिंतित है कि इतना बड़ा जनपद क्षेत्र है। ६० पंचायत कई मंजरी टोल एक नगर पालिका क्षेत्र और उसके बाद खैरलांजी, कटंगी, लालबर्रा ,बालाघाट जनपद क्षेत्र भी लगे हुए हैं। इसको लेकर लोग बहुत चिंतित है और वह स्थानीय व्यक्ति को प्राथमिकता देने की मांग कर रहे हैं।

सरकार के पास राशि की व्यवस्था नहीं होने से आम जनता को भ्रमित कर रहे है-राजकुमार चौधरी

पूर्व सरपंच राजकुमार चौधरी ने बताया कि यह जो सामूहिक विवाह होता है जिसमें गांव के कुछ हितग्राही है उनके फार्म की एनओसी लेने के लिए मैं आया था। जानकारी लगी है कि शासन ने १०० जोड़े निर्धारित कर दिए हैं पिछले दिनों खैरलांजी में २०० जोड़ों अब वारासिवनी १०० जोडे सरकार की मंशा पर संदेह हो रहा है कि वह साफ नहीं है। इससे गरीबों को समस्या होगी १०० जोड़े तो हमारी १० पंचायत में हो जायेंगे इतने विवाह पके हुए हैं सरकार को बंधन नहीं रखना चाहिए। इसमें अन्य जनपद के आवेदन भी जमा होंगे ऐसे में स्थानीय को प्राथमिकता रखना चाहिए पिछली बार करीब ४०० जोड़े बैठे थे। यह बंधन से शासन की मंशा पर शक हो रहा है कि उनके पास राशि की व्यवस्था नहीं है इसलिए आम जनता को भ्रमित कर रहे हैं।

वारासिवनी क्षेत्र के लिये १०० जोडे काम नही होगा और बढ़ाना चाहिये-किशोर तामेश्वर

सरपंच किशोर तामेश्वर ने कहा कि क्षेत्र में १०० जोड़े लेंगे कहते हैं किंतु इतने से नहीं होगा। क्योंकि वारासिवनी ब्लॉक और दूसरे ब्लॉक के भी लोग यहां आएंगे जिससे कई लोग छूट जाएंगे। गरीब परिवारों को समस्या होगी जबकि वह इस विवाह की रास्ता देख रहे हैं। यह योजना गरीबों को लाभ देने के लिए बनाई गई थी १०० लोगों की शर्त ठीक नहीं है। हमारी पंचायत में ही ६ फॉर्म है ६० पंचायत में ३०० जोड़े होते हैं कम करें तो २०० तक आते हैं १०० उचित नहीं है। गरीब लोग सामूहिक विवाह से वंचित होंगे वह इसका रास्ता इसलिए देखते हैं कि खर्चीली शादी से बच सके। क्योंकि वह असमर्थ होते हैं जब उन गरीबों को ही लाभ नहीं मिलेगा तो योजना फेल है।

सरकार गरीबों के साथ अन्याय कर रही है-सुनील राणा

कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सुनील राणा ने बताया कि वारासिवनी जनपद में ६० पंचायत और कई मंजरी टोल है प्रत्येक से दो जोड़ भी आए तो १५० से अधिक होते हैं। परंतु राज्य शासन ने तुगलकी फरमान जारी कर १०० जोड़े निर्धारित किया है जबकि शासन की योजना में पहले हर गरीब आदमी विवाह करता था। अब यह बाध्यता विडंबना बन चुकी है यह जो तुगलकी फरमान जारी किए हैं उससे कहीं ना कहीं आर्थिक तंगी सरकार की दिख रही है। गरीबों के साथ यह अन्याय है किसी भी ब्लॉक के लोग यहां पर शामिल होंगे स्थानीय लोगों को वंचित होना पड़ेगा तकलीफों का सामना करना पड़ेगा। प्रभारी मंत्री से मांग है कि वह बाध्यता हटाए या जनपद में स्थानीय को प्राथमिकता दें क्योंकि यह आदेश गरीबों पर एक कुठाराघात है।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि वारासिवनी में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में १०० जोड़ो की ही अनुमति है। क्योंकि एक तिथि में जिले में २०० जोड़ों के विवाह हो सकते हैं,ऐसे में वारासिवनी और बालाघाट में सामूहिक विवाह एक ही दिन है। इसलिए दोनों जगह जोड़ों का विवाह होना है यदि दोबारा फिर अनुमति मिलती है या कुछ होता है तो सामूहिक विवाह पुनः आयोजित हो सकता है। परंतु यह जो १९ मार्च को सामूहिक विवाह है उसके लिए १०० जोड़ो का विवाह होना है।

जे आर सारथी
प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत वारासिवनी

सरकार ने किसानों ,बेरोजगार और युवाओं का बजट में नहीं रखा ध्यान-विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्यप्रदेश के डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को प्रदेश का बजट पेश किया। इस बजट को भाजपा के नेताओं ने प्रदेश के सपनों को साकार करने वाला बजट बताया है तो वहीं वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के विधायक विवेक पटेल ने इस बजट को निराशाजनक और आम जनता के लिए झूनझूना वाला बजट बताया है। इस बजट में प्रदेश के युवाओं, किसानो,बेरोजगार और मध्यम वर्ग की उम्मीदों को नजर अंदाज किया गया है। ये बजट प्रदेश की भाजपा सरकार का बजट है इस बजट से सिर्फ भाजपा के नेताओं का उद्धार होना है। टैक्स में कोई विशेष छूट नहीं मिलने से आम जनता में निराशा है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पूर्व ही केंद्र सरकार का बजट आया था। उस बजट में भी केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया था। कृषि प्रधान राज्य होने के बावजूद प्रदेश के युवाओं, किसानों और गरीब वर्ग के लिए विशेष पैकेज या ठोस सहायता की घोषणा नहीं की गई और अब प्रदेश का बजट आया है। इस बजट में ना तो महंगाई पर कोई ठोस नियंत्रण की व्यवस्था की गई,ना ही मध्यम वर्ग के लोगों को टैंस से राहत मिली और ना ही महिलाओं की सुरक्षा व रोजगार को लेकर कोई प्रभावी प्रावधान किया गया है। एक ओर भाजपा सरकार किसानों की आय को दुगुनी करने की बात करती है ,वही दूसरी और टैक्टर, हार्वेस्टर, सिंचाई उपकरण और अन्य कृषि यंत्रों पर जीएसटी लगाकर खेती की लागत बढ़ा रही है। जिससे किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। प्रदेश की सबसे बड़ी चुनौती बेरोजगार है इसके बावजूद बेरोजगार युवाओं के लिए ना कोई ठोस रोजगार योजना है और ना ही नई भर्तियां निकाली गई है।

०.१२८ घन मीटर सागौन की लकड़ी बरामद कर दर्ज किया अपराध

वन विभाग ने किशोर तोलानी के घर पर की छापामार कार्यवाही

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। वारासिवनी वन विभाग के द्वारा नगर के वार्ड नंबर ६ निवासी किशोर तोलानी के मकान में बीते दिनों छापामार कार्यवाही कर सागौन की लकड़ी बरामद की गई। यह छापामार कार्यवाही वन विभाग के द्वारा कटंगी एसडीओ के द्वारा जारी सर्च वारंट के माध्यम से की गयी। मामले में वन विभाग के द्वारा बरामद सागौन की लकड़ी को जप्त कर मकान मालिक किशोर पिता रमेश तोलानी के खिलाफ वन अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

किशोर तोलानी के द्वारा वैध दस्तावेज नहीं देने पर वन विभाग ने की कार्यवाही

वन विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार वन अमले के द्वारा लगातार नगर सहित क्षेत्र में गस्ती कर वन क्षेत्र की सुरक्षा अवैध परिवहन एवं कटाई पर रोक लगाने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में दक्षिण सामान्य वन मंडल वन परिक्षेत्र कार्यालय वारासिवनी को मुखबिर सूचना मिली थी कि नगर के वार्ड नंबर ६ निवासी किशोर तोलानी के मकान में बड़ी संख्या में अवैध रूप से सागौन की लकड़ी रखी हुई है। यह लकड़ी अवैध रूप से किशोर तोलानी के द्वारा बुलवाई गई है। जिस पर वनपरिक्षेत्र अधिकारी छत्रपाल सिंह जादौन के द्वारा मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारी एसडीओ कटंगी दक्षिण सामान्य को दी गई। वहीं घटना स्थल की जांच के लिए सर्च वारंट जारी करवाया गया जिसमें एसडीओ कटंगी दक्षिण सामान्य के द्वारा सर्च वारंट क्रमांक ८५० जारी किया गया। जिस पर वन परिक्षेत्र अधिकारी छत्रपाल सिंह जादौन के मार्गदर्शन में डिप्टी रेंजर ताराचंद डोंगरे के नेतृत्व में सर्च वारंट के आधार पर किशोर पिता रमेश तोलानी वार्ड नंबर ६ लालबर्रा रोड़ स्थित नवीन कॉलोनी में नवनिर्मित मकान में छापामार कार्यवाही की गई। जहां वन विभाग के द्वारा मकान की छत अंदर के विभिन्न कमरे और पूरे परिसर की बारीकी से तलाशी ली गई। जहां घर के अंदर अवैध रूप से कब्जे में रखी करीब ४२ नग सागौन की बेसकीमती ईमारती लकड़ी चीरान यानि चौखट पल्ले की लकड़ी बरामद की गई। जिसके बाद उक्त बेसकीमती इमारती लकड़ियों के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग जांच टीम ने की तो मौके पर किशोर तोलानी के द्वारा कोई वैद्य दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराया गया। तत्पश्चात उक्त लकड़ी को अवैध मानकर विभाग के द्वारा मौके पर आवश्यक कार्यवाही करने के उपरांत जप्त इमारती लकड़ियों को वन विभाग कार्यालय लाया गया। जहां लकड़ियों की जांच करने पर वह करीब ०.१२८ घन मीटर भरी। जिस पर वन विभाग ने मामले में आवश्यक प्रकरण तैयार कर वन संरक्षण अधिनियम १९६९ की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। इस कार्यवाही में रेंजर छात्रपाल सिंह जादौन ,डिप्टी रेंजर ताराचंद डोंगरे, वनरक्षक अलोक पटले ,भवानी बिसेन, इंदु डायरे ,प्रेमलता रहाँगडाले, दिनेश पानेकर का सराहनीय योगदान रहा।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि विभाग को सूचना मिली थी जिस पर वरिष्ठ अधिकारी एसडीओ कटंगी दक्षिण सामान्य कार्यालय से सर्च वारंट जारी करवाकर जांच करवायी गयी। जहाँ सागौन की लकड़ी बरामद की गई है मामले में अपराध दर्ज कर विधिवत जांच की जा रही है।

छत्रपाल सिंह जादौन
वन परिक्षेत्र अधिकारी वारासिवनी

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अवसंरचना द्वारा स्वीकृत निर्मित सड़क पर अनेक अनियमितताये

साइन बोर्ड में लागत और दूरी का भी नही है अता पता, कटोरी से भूतहाटोला साल्हे मार्ग पर वृक्षारोपण के नाम पर महज खानापूर्ति

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय किरनापुर से 3 किलोमीटर दूर ग्राम कटोरी से भूतहा टोला साल्हे मार्ग का निर्माण कार्य करने वाली एजेंसी द्वारा अनेक अनियमिताएं बरती गई हैं। जो ग्रामीणजनों को भ्रमित कर रही हैं ।कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक 02 बालाघाट द्वारा यह सड़क मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क एवं अवसंरचना से स्वीकृत है जिसका कार्य ठेकेदारों द्वारा किया गया है। उक्त निर्मित सड़क में ग्राम कटोरी में एक साइन बोर्ड लगाया गया है जिसमें सड़क की जानकारियां डाली गई है किंतु कुछ मुख्य जानकारीयों को छुपाया गया है। जो आमजनमानस को भ्रमित कर रही है। इस साइन बोर्ड में सड़क निर्माण कार्य की लागत का पता नहीं है दूरी का भी पता नहीं है और मार्ग के दोनो ओर वृक्षारोपण कार्य दिखावे जैसा किया गया है। निर्मित इस सड़क के किनारे कचरा एवं झाड़ियां उगने से मार्ग से आने जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। तथा दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती हैं ।वृक्षारोपण कार्य गांव के समीप कुछ प्लास्टिक की जाली और लकड़ी के खूंटी गाडकर किया गया है किंतु वह भी देखरेख के अभाव में दम तोड़ते नजर आते है। जानकारी अनुसार मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना व अवसंरचना द्वारा निर्मित सड़कों के किनारे व्यापक वृक्षारोपण कार्य किया जाता है । इस पहल का उद्देश्य है पर्यावरण संरक्षण ,वायु ,ध्वनि प्रदूषण कम करना और सड़क के किनारे छायादार एवं फलदार पेड़ (नीम जामुन) आदि लगाकर हरियाली बढ़ाना है जिससे कि पर्यावरण के अनुकूल सड़क किनारे वृक्षारोपण से मिट्टी का कटाव कम होता है। ग्रामीणों में वृक्षारोपण कार्य को लेकर बड़ी उत्सुकता थी की सड़क के दोनों ओर फलदार,छायादार पेड़ होंगे तो राहगीरों को सुकून व आराम मिलेगा। लेकिन ग्रामीण नागरिकों की उम्मीदों पर पानी फिरता दिखाई दे रहा हैं।

विधायक पटेल के प्रयासों से क्षेत्र की ७ सड़के बजट में हुई शामिल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विधायक विवेक पटेल के प्रयासों के बाद मध्यप्रदेश बजट में ग्रामीण कनेक्टिविटी और बुनियाद ढांचे को मजबूत करने के लिए वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र को बड़ी सौगात मिली है। बजट में वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र की झालीवाड़ा ,बासी ,अंसेरा मार्ग,खैरी ,गोंडीटोला ,सावरी मार्ग,खैरी पवारीटोला ,मरघटटोला ,खैरी मार्ग,किन्हीं से खैरी मार्ग,डोके से बिटोडी मार्ग,गर्रटोला झाड़गांव मार्ग,साकडी ,पांचूटोला ,डांगुरली मार्ग सहित कुल ७ सड़को की सौगात मिली है। सड़के बनने के बाद दूर दराज के इलाकों को मुख्य सड़के से जोड़ने में मदद मिलेगी। तो वहीं सड़के बनने के बाद व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। विधायक विवेक पटेल ने बताया कि सड़के बनने के बाद विकास की दिशा को और गति मिलेगी । आने वाले समय पर सड़के बनने के बाद इसका लाभ सीधे ग्रामीण क्षेत्रों की जनता को मिलेगा। नागरिकों और कार्यकर्ताओं स्नेह के लिए धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए मैं प्रयासरत हुं। मैने मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव से मुलाकात कर क्षेत्र की बहुत सी सड़को को बनवाने की मांग की थी। उन्होंने मुझे आश्वस्त किया था कि बजट में क्षेत्र को लाभ मिलेगा। विधायक बनने के बाद मैं लगातार क्षेत्र के विकास के लिए समय समय पर मुख्यमंत्री और मंत्रियों से मुलाकात कर क्षेत्र की मांगों को उनके समक्ष रखता हुं। और क्षेत्र की मांगों को गम्भीरता से लेते हुए पूरा करने का आश्वासन भी देते है।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

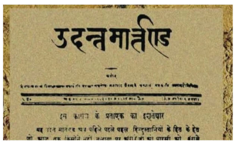

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) का ग्रेट निकोबार परियोजना को हरी झंडी देना 'विकास बनाम पर्यावरण' की बहस में एक अहम मोड़ है। यह निर्णय, खासकर पारिस्थितिकी के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों में प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ बिंदु हो सकता है।

विकास बनाम पर्यावरण की जुगलबंदी

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा ग्रेट निकोबार मेगा स्ट्रक्चर परियोजना की पर्यावरणीय मंजूरी को बरकरार रखने का निर्णय एक महत्वपूर्ण मोड़ है, जो विकास व पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन की जटिल चुनौती का समाधान प्रस्तुत करता है। उल्लेखनीय है कि एनजीटी की विशेष बेंच ने कई याचिकाओं और पर्यावरणीय चेतावनियों को खारिज करते हुए कहा है कि परियोजना में पर्याप्त सुरक्षा उपाय मौजूद हैं और इसके रणनीतिक महत्व को देखते हुए हस्तक्षेप का कोई ठोस आधार नहीं बनता। इस निर्णय के साथ ही करीब 81 हजार करोड़ रुपये की इस मेगा परियोजना के आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो गया है, पर सख्त शर्तों के साथ। गौरतलब है कि ग्रेट निकोबार द्वीप पर प्रस्तावित इस परियोजना के तहत, जिसमें अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, एकीकृत टाउनशिप, सिविल व सैन्य हवाई अड्डा और एक ऊर्जा संयंत्र शामिल है, करीब दस लाख पेड़ों की कटाई होनी है। हालांकि, एनजीटी ने यह स्पष्ट किया है कि पर्यावरण मंजूरी में पहले से ही लेदरबैक समुद्री कछुए, निकोबार मेगापोड पक्षी, प्रवाल भित्तियों, मैंग्रोव वनों और शोम्पेन व निकोबारी जनजातियों के संरक्षण के पर्याप्त प्रावधान हैं। साथ ही, अधिकारियों को पर्यावरणीय मंजूरी की शर्तों, द्वीप तटीय विनियमन क्षेत्र अधिसूचना, 2019 तथा अन्य मानकों का सख्त अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि ग्रेट निकोबार मलक्का जलडमरूमध्य के निकट है, जो वैश्विक व्यापार का व्यस्ततम मार्ग भी है। यहां बंदरगाह और हवाई अड्डा बनने से देश की समुद्री निगरानी, रक्षा क्षमता व हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उपस्थिति मजबूत हो सकेगी, जिससे चीन के बढ़ते प्रभाव से मुकाबला करने में भी मदद मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से देखें, तो यह अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट का हब बन सकता है, जिससे व्यापार बढ़ेगा और क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी। विकास परियोजनाओं के संदर्भमें यह देखा गया है कि पर्यावरणीय शर्तें अक्सर परियोजना शुरू होने के बाद गौण हो जाती हैं। ऐसे में, इस आदेश के बाद भी परियोजना की निरंतर निगरानी और पारदर्शी क्रियान्वयन अनिवार्य होगा। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में द्वीपीय क्षेत्रों की बढ़ती संवेदनशीलता का भी ध्यान रखना होगा, क्योंकि अगर पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ता है, तो उसका प्रभाव केवल स्थानीय पारिस्थितिकी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह दीर्घकालिक आर्थिक व मानवीय संकट का कारण बन सकता है। वस्तुत: विकास को पूरी तरह रोक देना समाधान नहीं हो सकता। अत: इस परिप्रेक्ष्य में एनजीटी का निर्णय न केवल इस मेगा परियोजना, बल्कि भविष्य की रणनीतिक महत्व वाली, खासकर पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए भी एक महत्वपूर्ण संदर्भ बिंदु हो सकता है।

परीक्षाएं इतनी कठोर क्यों होती हैं?

-नन्दितेश निलय (स्पीकर, लेखक एवं एथिक्स प्रशिक्षक)

जहां एक ओर कई छात्र जेईई मेन में सौ पर्सेंटाइल हासिल करते हैं, वहीं कुछ 98 प्रतिशत को कम मान बैठते हैं। आखिर जेईई, नीट या यूपीएससी जैसी परीक्षाएं उन्हें क्यों नहीं समझा पातीं कि जीवन का उ?द्देश्य अंतत: जीना है। अगर जीवन गणित है, तो छात्रों का 360 डिग्री जैसा व्यक्तित्व विकास होना भी उतना ही जरूरी है।

मान लिया जाए, अगर जीवन का आकलन कभी गणित करे, तो यह हर छात्र से पूछेगा कि दसवीं या बारहवीं की परीक्षा में उसे कितने प्रतिशत अंक मिले थे। सिनेमा के परदे पर कोई नायक बारहवीं फेल हो जाए, तो कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि कला में फैल-पास या प्रतिशत जैसा कुछ नहीं होता। लेकिन गणित के छात्र को अक्सर गौरव, मेधावी या ताज माना जाता है और उसे अन्य संकायों के छात्रों से अधिक श्रेष्ठ समझा जाता है।

यह गणित ही तो है, जो हर माता-पिता को यह यकीन दिलाता है कि इस विषय की संगत में रहने वाले उनके बच्चे, ऐकिक नियम और कैलकुलस की गलियों में समय व दूरी की गणना कर अपने भविष्य को कुछ ज्यादा ही चमकदार और रोशन कर सकते हैं। भले ही वे स्वाभाविक रूप से प्रतिभाशाली हों, लेकिन यह समाज जब छात्र को ज्यामितीय कोणों से अपने भाग्य की दशा-दिशा नापते देखता है, तभी यह मानता है कि उसके जीवन के सफर और संगत की रेखा सही है। और सही है वह सब कुछ, जो वह छात्र अपनी आदतों में लाता है, क्योंकि गिनना, महसूस करने से ज्यादा उपयोगी है।

यह बताएंगे कि अंकों और सूत्रों से बंधा हो सकता है कि भविष्य के सफर में गणित के संग भौतिकी व रसायनशास्त्र भी यह कहते नजर वह छात्र जब वयस्क हो जाएगा, तो शायद बीजगणित (अलजेब्रा) के साथ रहकर अपने और अपने रिश्तों के भावों का वर्गमूल निकालना सीख जाएगा। आखिर मानने में हर्ज ही क्या है? सब कुछ गणित ही तो है। उसके बाद ही हैं सारे विज्ञान, सारी कलाएं। अगर ये गणित के पहले आना भी चाहेंगे, तो भी गणित की उपेक्षा संभव नहीं, क्योंकि यह जीवन की जीवन से अपेक्षा है।

यह और बात है कि कॉलेज से निकलते ही रिश्तेदारों के माफिक गणित और उसके संगी-साथी अपनी निष्ठुरता तथा श्रेष्ठता को लिए समाज के किनारे रसूखदार बन खड़े रहते हैं और जीवन के संबंधों की खुशी, जीवन के उद्देश्यों की समझ व इन्सानियत का प्रश्न अन्य विषयों के मत्थे मढ़ दिया जाता है। हां, गणित अपनी श्रेष्ठता लिए फिर आता है और बैलेंस शीट के हर खाने को भर जाता है।

जहां एक ओर कई छात्र जेईई मेन में सौ पर्सेंटाइल हासिल करते हैं, वहीं कुछ अपने अनठानबे प्रतिशत को कम मान बैठते हैं। चूंकि, छात्रों के पास अन्य सामाजिक विज्ञानों और कला के विषयों की उपयोगिता नहीं रहती, इसलिए प्रतिशत का फंदा उन्हें यकीन दिला बैठता है कि वे दो प्रतिशत से छूट गए और उस

छोटी-सी उम्र में ही छूट गया वह सब कुछ, जिसे उनके जीवन से बड़ा होना चाहिए था। लेकिन छात्रों की निराशा, कश्मकश और आत्महत्याओं के बीच परीक्षा तथा नतीजे का प्रतिशत अपनी हुंकार लिए उन सभी को अनुपयोगी कर देता है, जो सौ प्रतिशत से दूर रह गए। प्रधानमंत्री भी इस प्रतिशत से दूर रहने की सलाह देते हैं, फिर भी परीक्षा की कठोरता कम नहीं होती। हमारी शिक्षा प्रणाली में जेईई मेंस की परीक्षा तो छात्रों से न जाने क्या चाहती है, यह समझ से परे है। पता नहीं, इतने दुरूह पेपर और सौ प्रतिशत के यक्ष प्रश्न से यह जीवन की कौन-सी गौरवपूर्ण गाथा लिखना चाहती है। और तो और, इसके बाद जो छात्र जेईई एडवांस के पड़ाव तक पहुंचते हैं, तो वे न जाने कितने हिस्सों में बंट चुके होते हैं। कहीं प्रतिशत, कहीं आरक्षण, कहीं आईआईटी के छूटने का दुख, तो कहीं वह गुम श्रेष्ठता-बोध, जो जेईई मेंस के हिस्से जाती है।

गणित और विज्ञान को संभालने के चक्कर में छात्र यह समझ नहीं पाता कि जीवन के कुरुक्षेत्र में जब उसके रिश्तेदार उसे घेरकर पूछेंगे कि मेंस और एडवांस में उसकी रैंकिंग क्या आई है, तो कहां से वह सामाजिक विज्ञान, साहित्य व दर्शन का तर्क लेकर आएगा कि उन प्रश्नों का जवाब दे सके। उसके लिए तो अब प्रश्नों को इतना कठिन बनाया जाता है, मानो आईआईटी की दीवारें पहले से ही उन्हें तीखी तपिश देना चाहती हैं, जिससे वह अपने जीवन में और सख्त व बेसुरे हो सकें। अगर ऐसा नहीं है, तो क्यों इन परीक्षाओं को इतना हौआ बना दिया गया है कि बच्चे किसी कोचिंग संस्थान में प्रतिशत और पर्सेंटाइल को पाने के लिए भागते रहते हैं। सूखे चेहरे, उलझे मन और सपनों की कैद में फंसे उन छात्रों को चेतावनी दी जाती है कि अगर उनकी कोचिंग की एक भी क्लास छूटती है, तो छूट जाता है जीवन, वे सपने, जो वे देखते हैं और वह मशीनी प्रतिबद्धता। क्लास से जेट की स्पीड से भागते बच्चों को स्पाइडरमैन की तरह कोचिंग की दीवारों से चिपके रहने की सलाह दी जाती है।

जनवरी से लेकर अप्रैल-मई तक उस दरिया, उस नदी, उस सागर को पार करने के लिए किनारे लाखों की भीड़ खड़ी है, जिसकी पहचान कोई न कोई कोचिंग संस्थान है। उस किनारे खड़े रहते हैं मां-बाप भी, जिन्हें यह समाज पहले ही उस तृष्णा से लबालब कर चुका होता है कि जेईई के रास्ते सिर्फ प्रतिभाशाली ही जाते हैं और जो गणित के वियोग को झेल लेते हैं, वे नीट की मंजिल पर पहुंचने के लिए गणित को सम्मान देते हुए समानांतर चलते रहते हैं। जिनके पास आरक्षण है, वह भी इसी भीड़ में हैं और जिनके पास कुछ नहीं है, वे भी सब कुछ पाने निकल पड़ते हैं। ऐसे में, दो प्रतिशत कम नंबर फेल होने के माफिक होता है। इसलिए, उस छात्र ने अपने जीवन को इतना कम नंबर दिया होगा।

स्कूलों में ही इतना पढ़ाया जाता है कि बच्चों की बुनियाद सही हो जाती है। आखिर प्रतिशत के रास्ते पर चलकर कोई छात्र कैसे समझेगा कि जीवन और उसकी उपलब्धि सिर्फ अंकों में नहीं है। जीवन महसूस करने का दर्शन है। वह जोड़ने की कला है, जो गणित को संबंधों की सामाजिक दुनिया में ले जाती है। प्रतिशत तभी सौ बनता है, जब अन्य सामाजिक विषय यह समझाते हैं कि हर दिन सुख व शांति से जीना एक-दूसरे तक पहुंचना होता है और वह प्रतिशत से नहीं पाया जा सकता। यह जेईई, नीट या यूपीएससी नहीं समझा पाता कि संघर्ष जरूरी है, पर जीवन का उद्देश्य अंतत: जीना है। जीवन का दर्शन अहिंसा है, कोई गलाघोंटू परीक्षा नहीं। इन परीक्षाओं को समझना होगा कि सोलह-सत्रह की उम्र में कोमल बच्चों की कोमलता की परीक्षा इतनी कठोरता से नहीं ली जाती। उन्हें इस कदर मुरझाया नहीं जाता। वे भविष्य हैं, उन्हें संभाला जाए। अगर जीवन गणित है, तो तीन सौ साठ डिग्री जैसा व्यक्तित्व विकास हो। उन्हें यह समझ में आ जाए कि रिश्तों और जरूरतों की भागदौड़ में जीवन वह दर्शन बन जाता है, जो तमाम कठिनाइयों के बीच उस एक-दो प्रतिशत को संभाल कर रखने की सीख देता है। और फिर गणित का वह %मान लिया जाए% उस संघर्ष, उस ज्ञान, उस जीवन-दर्शन को सिद्ध भी करता है।

विक्टर फ्रैंकल

जीवन हर व्यक्ति से अलग-अलग प्रश्न पूछता है और प्रत्येक को अपने कर्मों, धैर्य व दृष्टिकोण से उसका उत्तर देना होता है। जिसके पास जीने के लिए एक %क्यों% होता है, वह लगभग किसी भी 'कैसे' को सहन कर सकता है।

आखिर इस जीवन का अर्थ क्या है

जीवन की आपाधापी और संघर्षों के बीच, अक्सर हम खुद से यह सवाल करते हैं कि आखिर इन सबका अर्थ क्या है? जब परिस्थितियां हमारे नियंत्रण से बाहर हो जाती हैं और दुख की गहराई हमें घेर लेती है, तब उत्तर ढूंढना और भी कठिन हो जाता है। लेकिन मानवीय चेतना की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि वह शून्य में भी संगीत ढूंढ सकती है।

कल्पना कीजिए उस व्यक्ति की, जिससे उसका घर, उसका परिवार, उसकी पहचान और यहां तक कि उसके शरीर के कपड़े भी छीन लिए गए हों। मैंने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान नाजी यातना शिविरों की उस नारकीय वास्तविकता को जिया, जहां मृत्यु हर पल द्वार पर दस्तक देती थी। वहां रहते हुए ही मुझे अनुभव हुआ कि जब बाहरी दुनिया सब कुछ छीन लेती है, तब भी हमारे पास एक ऐसी शक्ति बचती है, जिसे कोई तानाशाह नहीं छीन सकता और वह है अपनी परिस्थितियों के प्रति अपनी प्रतिक्रिया चुनने की स्वतंत्रता। मैंने शिविर के भीतर ही एक क्रांतिकारी सत्य की खोज की। मैंने देखा कि जो लोग शारीरिक रूप से बहुत बलिष्ठ थे, वे अक्सर जल्दी टूट गए, लेकिन जो लोग मानसिक रूप से किसी उद्देश्य से जुड़े थे, वे जीवित बच निकले। दरअसल, जब जीवन कठिनाइयों से भर जाता है, तब व्यक्ति यह मानने लगता है कि उसका जीवन निरर्थक है। लेकिन यदि वह अपने कष्ट में भी अर्थ खोज ले, तो वही पीड़ा उसकी शक्ति बन जाती है। तब वही दुख उसकी सहनशीलता और आत्मबल का स्रोत बन जाता है।

तब मुझे समझ आया कि जब व्यक्ति यह समझ लेता है कि उसके अस्तित्व का महत्व है और उसके जीवन का कोई लक्ष्य है, तब उसका जीवन अपने आप बदल जाता है। तब वह अपने दुखों को बोझ नहीं, बल्कि एक उत्तरदायित्व के रूप में देखना सीखता है। यही दृष्टिकोण उसे परिस्थितियों का शिकार बनने से रोकता है और परिस्थितियों का विजेता बना देता है।

अक्सर लोग पूछते हैं, 'जीवन का अर्थ क्या है?' मुझे लगता है कि यह सवाल ही गलत है। इसके बजाय हमें यह समझना चाहिए कि 'जीवन हमसे क्या उम्मीद करता है?' जीवन हर व्यक्ति से अलग-अलग प्रश्न पूछता है, और प्रत्येक को अपने कर्मों, धैर्य और दृष्टिकोण से उसका उत्तर देना होता है। जिसके पास जीने के लिए एक 'क्यों' (व्हाई) होता है, वह लगभग किसी भी 'कैस' (हाउ) को सहन कर सकता है। जब तक हमारे पास कोई ऐसा लक्ष्य, कोई ऐसा कार्य या कोई ऐसा प्रिय व्यक्ति है, जिसके लिए हमें जीवित रहना है, तब तक हमारी इच्छाशक्ति अटूट रहती है। अर्थ की यह खोज कोई अमूर्त विचार नहीं है, बल्कि यह हर दिन के छोटे-छोटे निर्णयों में छिपी होती है।

सूत्र - जीने की वजह ढूंढें

जीवन हर किसी से प्रश्न पूछता है, और व्यक्ति का कर्म ही उसका उत्तर है। जिसके पास जीने की वजह होती है, वह किसी भी दुख को सहन कर सकता है। इसलिए, अपने जीवन को किसी उद्देश्य, किसी उत्तरदायित्व और किसी अर्थ से जोड़ें, क्योंकि जीवन का असली अर्थ सुख की खोज में नहीं, बल्कि प्रतिकूलताओं में 'अर्थ' ढूंढने की जिम्मेदारी में है।

विमर्श

एआई क्रांति : केवल अवसर नहीं, जिम्मेदारी भी

इंडिया एआई इंपैक्ट समिट-2026 में भारत का लक्ष्य केवल एआई क्रांति में भाग लेना नहीं, बल्कि इसे जिम्मेदारी व समावेशिता के साथ दिशा देना होना चाहिए।

आज विश्व एक गहरे तकनीकी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अब कोई दूर की अवधारणा नहीं रह गई है। एआई आज अर्थव्यवस्थाओं को नया रूप दे रहा है, उद्योगों को पुनर्परिभाषित कर रहा है और समाजों के संचालन को प्रभावित कर रहा है। हालांकि, इस तीव्र परिवर्तन के दौर में भी यह सत्य स्थिर है कि तकनीक हमारा भविष्य निर्धारित नहीं करती, बल्कि हमारा भविष्य हम लोग ही तय करते हैं। एआई के युग में मानव क्षमता, मूल्य, रचनात्मकता व अनुकूलनशीलता ही यह तय करेंगे कि एआई समावेशी विकास का साधन बनेगा या असमानता को और बढ़ाएगा।

इंडिया एआई इंपैक्ट समिट-2026 में मानव पूंजी कार्य समूह के सह अध्यक्ष के रूप में, मेरा मानना है कि वैश्विक एआई विमर्श के केंद्र में %मनुष्य% ही होना चाहिए। वे देश जो शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और आजीवन सीखने में निवेश करेंगे, वही भविष्य की आर्थिक उन्नति का नेतृत्व करेंगे। आज हमारे सामने चुनौती केवल तकनीक अपनाने की नहीं है, बल्कि मानवीय तैयारी की है। हमें मानव पूंजी की पारंपरिक परिभाषा से आगे बढ़कर %संज्ञानात्मक पूंजी% का निर्माण करना होगा, यानी वह सामूहिक बौद्धिक क्षमता, जो आलोचनात्मक सोच, जिम्मेदार नवाचार और बुद्धिमान प्रणालियों के साथ सहयोग की योग्यता विकसित कर सके। आज भारत इस यात्रा के निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। विश्व की सबसे युवा आबादी, मजबूत डिजिटल ढांचा और

वैश्विक स्तर पर पहचान हासिल कर चुके संस्थानों के साथ, भारत भविष्य की जरूरत के अनुरूप प्रतिभा का प्रमुख केंद्र बन सकता है। पर, जनसांख्यिकीय लाभ ही अपने आप में पर्याप्त नहीं होगा। हमें अपनी शिक्षा प्रणाली को एआई-उन्मुख, बहु-विषयक और मानवीय मूल्यों पर आधारित बनाना होगा। एसटीईएम (स्टेम) शिक्षा का मजबूत होना जरूरी है, पर इसके साथ सामाजिक विज्ञान व मानविकी की भी उत्तम शिक्षा मिले, ताकि एआई विकास मानव-केंद्रित, समावेशी और जिम्मेदार बन सके। एआई का युग कौशल विकास के एक नए दर्शनशास्त्र की मांग करता है। आज रोजगार बहुत जरूरी है, लेकिन केवल यही पर्याप्त नहीं है; अनुकूलनशीलता सर्वोपरि होनी चाहिए। कृषि, स्वास्थ्य, उत्पादन, शासन आदि क्षेत्रों के पेशेवरों को सिर्फ एआई उपकरणों का उपयोग करना ही नहीं, बल्कि उनके साथ विकसित होना भी सीखना होगा। आजीवन सीखना समाज की संस्कृति बने, केवल नीति का विचार नहीं।

जैसे-जैसे जेनरेटिव एआई व एजेंटिक सिस्टम कार्यप्रवाहों में शामिल होंगे, हमारे कार्यबल को मशीनों के साथ सहयोग की ऐसी क्षमता विकसित करनी होगी, जो मानव की निर्णयशीलता व रचनात्मकता को सुरक्षित रखते हुए उत्पादकता बढ़ाए। नैतिक नेतृत्व का विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। एआई प्रणालियां अपने निर्माताओं और उपयोगकर्ताओं की प्राथमिकताओं को प्रतिबिंबित करती हैं। इसलिए, हमारी शिक्षा और नीतियां ऐसे नेतृत्वकर्ता विकसित करें, जो जवाबदेही, पारदर्शिता और निष्पक्षता को समझते हों। संस्थानों में जिम्मेदार नवाचार की संस्कृति विकसित करनी होगी। यह भी ध्यान देना होगा कि एआई का लाभ साझा समृद्धि में दिखे, न कि अवसरों के केंद्रीकरण में। इन सभी विषयों पर विस्तृत चर्चा भारत मंडपम में होने वाले शिखर सम्मेलन के दौरान हो रही है। 17 फरवरी, 2026 को मुझे %द फ्यूचर ऑफ वर्क, स्किल्स एंड इनोवेशन इन द एज ऑफ एआई-पोजिशनिंग इंडिया एज द कॉग्निटिव कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड% (एआई के युग में काम, कौशल और नवाचार का भविष्य-भारत को दुनिया की संज्ञानात्मक पूंजी के तौर पर स्थापित करना) शीर्षक सत्र की अध्यक्षता करने का अवसर मिला। यह चर्चा इस बात पर केंद्रित थी कि शिक्षा व्यवस्था कैसे विकसित हो, कौशल विकास की अवधारणा कैसे व्यापक बने, और अकादमिक जगत नवाचार, राष्ट्रीय मिशनों और तकनीकी स्वायत्तता के साथ अधिक निकटता से कैसे जुड सकें।

प्रो. टीजी सीताराम

दूसरा पहलू

स्पाइरल ऑफ साइलेंस व एल्गोरिदम की दीवारें केवल हमारे फोन तक ही सीमित नहीं, बल्कि हमारे सोचने व बोलने पर भी प्रभाव डाल रही हैं।

स्पाइरल ऑफ साइलेंस और एल्गोरिदम की दीवारें

डाटा रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 तक सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की संख्या दुनिया में 5.24 अरब थी, जो वैश्विक आबादी का करीब 63 प्रतिशत है। वहीं सोशल प्रेस की एक रिपोर्ट की मानें, तो 34 प्रतिशत लोग सोशल मीडिया का उपयोग समाचार पढ़ने और उससे भी अधिक लोग मनोरंजन के लिए करते हैं। सोशल मीडिया भावनात्मक जुड़ाव के माध्यम से ज्यादा डाटा का बाजार बन गया है। और इस बाजार की मुद्रा है अटेंशन इकनॉमी। इसमें वही कंटेंट टिकता है, जो चौंकाता है, डराता है या भावनाओं को उत्तेजित करता है। नतीजन, हर घंटे हजारों पोस्ट, वीडियो, रील्स हमारे सामने से गुजर जाते हैं, जिनमें गुणवत्ता से ज्यादा सतहीपन झलकता है। यहीं से शुरू होती है स्पाइरल ऑफ साइलेंस की डिजिटल त्रासदी। जर्मन समाजशास्त्री एलिजाबेथ न्यूमैन ने स्पाइरल ऑफ साइलेंस का सिद्धांत दिया था। उनका कहना था कि जब लोगों को लगता है कि उनकी राय बहुमत से अलग है, तो वे चुप रहना बेहतर समझते हैं। शुरुआत में माना गया था कि सोशल मीडिया आम आदमी की आवाज बनेगा, लेकिन आज दुनिया एक मंच पर तो आ गई, पर यह मंच संवाद से ज्यादा शोर में तब्दील हुआ दिखाई पड़ता है। दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के एल्गोरिदम इस तरह बनाए जाते हैं कि वे हमें वही सामग्री बार-बार दिखाएं, जिसे हम पहले पसंद या क्लिक कर चुके होते हैं। इससे हमारे सामने वही विचार व ट्रेंड आते रहते हैं, जो पहले से लोकप्रिय हैं। इसी प्रक्रिया को फिल्टर बबल कहा जाता है, जहां उपयोगकर्ता एक सीमित दायरे में फंस जाते हैं। इस माहौल में जब कोई असहमति व्यक्त करता है, तो अक्सर उसे नजरअंदाज कर दिया जाता है या उसे ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। परिणामस्वरूप, वे अपने विचार साझा करने से हिचकिचाने लगते हैं। नतीजा यह होता है कि बहस की जगह प्रतिक्रियाएं और केवल सहमति वाले विचार ले लेते हैं। एक शोध के अनुसार, जो लोग ऐसा करते हैं, वे असल जिंदगी में भी अपनी राय देने से कतराते हैं। आज हम ऐसे दोराहे पर खड़े हैं, जहां तकनीक तो 2026 की है, लेकिन हमारी सामाजिक समझ और मानसिक सुकून कई साल पीछे छूट गया है। स्पाइरल ऑफ साइलेंस तथा एल्गोरिदम की बनाई दीवारें केवल हमारे फोन तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि हमारे सोचने और बोलने पर भी प्रभाव डाल रही हैं। अंतत: यह जिम्मेदारी हम उपयोगकर्ताओं की है कि अगर हमें इस डिजिटल जेल और फूहड़ कंटेंट के जाल से बाहर निकलना है, तो हमें मूकदर्शक बनना छोड़ना होगा। हमें एक ऐसे मंच का निर्माण करना होगा, जहां संवाद में असहमति का भी सम्मान हो और अभिव्यक्ति का मतलब सिर्फ लाइक पाना न हो।

सोशल मीडिया के एल्गोरिदम इस तरह बनाए जाते हैं कि वे हमें वही सामग्री बार-बार दिखाएं, जिसे हम पहले पसंद या क्लिक कर चुके हैं।

जब कोई असहमति व्यक्त करता है, तो अक्सर उसे नजरअंदाज कर दिया जाता है या उसे ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। परिणामस्वरूप, वे अपने विचार साझा करने से हिचकिचाने लगते हैं।

-मुकुल श्रीवास्तव

इंदौर में आज केरल पर्यटन का बड़ा बी2बी आयोजन; नेटवर्क केरल में जुटेंगे विशेषज्ञ

इंदौर। एजेंसी। पर्यटन के क्षेत्र में गॉड्स ओन कंट्री के नाम से प्रसिद्ध केरल अब मध्य प्रदेश के पर्यटकों और निवेशकों को लुभाने के लिए इंदौर में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। नेटवर्क केरल के बैनर तले आयोजित इस प्रीमियर बी2बी टूरिज्म मीट का भव्य आयोजन गुरुवार, 19 फरवरी को स्थानीय ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में किया जा रहा है। इस दौरान केरल पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी विशेष मीडिया सत्र को संबोधित करेंगे।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य केरल के पर्यटन परिदृश्य में हो रहे आधुनिक बदलावों, नई पहलों और भविष्य की योजनाओं से अवगत कराना है। मीडिया सत्र को केरल पर्यटन के सचिव के. बीजू (आयएएस) और पर्यटन निदेशक शिखा सुरेंद्रन (आयएएस) संबोधित करेंगे। सत्र दोपहर 12:00 बजे से शुरू होगा, जिसमें केरल में पर्यटन की संभावनाओं और द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की जाएगी।

पर्यटन क्षेत्र में नए आयामों की खोज

नेटवर्क केरल एक ऐसा मंच है जहाँ पर्यटन उद्योग के हितधारकों को सीधे संवाद करने का अवसर मिलता है। इंदौर और मध्य प्रदेश के बड़े ट्रैवल एजेंटों और टूर ऑपरेटर्स के साथ केरल पर्यटन अपनी नई पेशकश साझा करेगा। इसमें इको-टूरिज्म, एडवेंचर स्पोर्ट्स और केरल के पारंपरिक आयुर्वेद पर्यटन के साथ-साथ हालिया इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर विशेष फोकस रहेगा। कार्यक्रम के समापन पर औपचारिक लंच का आयोजन भी किया गया है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 90.69 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस ये 90.67 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मजबूत डॉलर और विदेशी पूंजी की निकासी ने हालांकि स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.72 पर खुला। हालांकि बाद में फिसलकर 90.73 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसा की बढ़त दिखाता है। रुपया गत दिवस सोमवार को आठ पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.74 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.23 फीसदी की बढ़त के साथ 97.14 पर रहा।

टाटा संस बोर्ड की बैठक अगले सप्ताह, एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल पर होगी चर्चा

टाटा समूह में अधिकारी आमतौर पर 65 साल की आयु में होते हैं सेवानिवृत्त

नई दिल्ली। एजेंसी। टाटा संस के निदेशक मंडल की अगले सप्ताह प्रस्तावित बैठक टाटा समूह के भविष्य के लिए अहम होगी। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का दूसरा कार्यकाल खत्म होने में एक साल का समय है लेकिन संभावना है कि 24 फरवरी को टाटा संस बोर्ड द्वारा उनके तीसरे पांच साल की कार्यकाल की मंजूरी पर विचार किया जा सकता है। टाटा संस के सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स ने चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल की सिफारिश करते हुए पिछले साल एक प्रस्ताव पारित किया था। उस बैठक में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन ने टाटा संस के कार्यकारी चेयरमैन के रूप में चंद्रा के कार्यकाल को अगले पांच सालों के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव रखा था।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया है कि जब टाटा संस के बोर्ड में चंद्रा के कार्यकाल को बढ़ाने पर चर्चा की जाएगी तब उन्हें इससे खुद को अलग रखना होगा। साल 2022 में जब चंद्रा के कार्यकाल का नवीनीकरण किया गया था तब टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन और समूह के मानद चेयरमैन रतन टाटा ने टाटा संस की बोर्ड बैठक में 'विशेष आमंत्रित सदस्य' के रूप में शिरकत की थी और अगले पांच सालों के लिए चंद्रा के नाम की सिफारिश की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक साइरस मिस्त्री को पद से हटाए जाने के चार महीने बाद चंद्रा ने 21 फरवरी, 2017 को टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की कमान संभाली थी। टाटा संस के बोर्ड द्वारा चंद्रा को तीसरे कार्यकाल की मंजूरी मिलती है तो वह 2032 तक समूह का नेतृत्व कर सकते हैं। टाटा समूह में अधिकारी आमतौर पर 65 साल की आयु में सेवानिवृत्त हो जाते हैं जबकि गैर-कार्यकारी भूमिकाओं में 70 साल तक पद पर रहा जा सकता है। कार्यकारी चेयरमैन के रूप में चंद्रा को एक और कार्यकाल मिलता है तो तीसरे कार्यकाल के अंत में वह 68 साल के होंगे।

सूत्र ने कहा कि चंद्रा के नवीनीकरण के समय कार्यकारी भूमिकाओं के लिए आयु में छूट दी जा सकती है। साइरस मिस्त्री को हटाने के बाद रतन टाटा द्वारा कुछ समय के लिए कार्यकारी भूमिका संभालने के समय ऐसा ही किया गया था। जानकारों का कहना है कि चंद्रा के कार्यकाल का नवीनीकरण टाटा संस की सूचीबद्धता के मुद्दे पर भी स्पष्टता ला सकता है। टाटा ट्रस्ट्स का विचार है कि टाटा संस को सार्वजनिक सूचीबद्धता के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। सितंबर 2022 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा टाटा संस को ऊपरी स्तर की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के रूप में नामित किया गया था।

अमेरिका में यूट्यूब प्लेटफॉर्म अचानक बंद, यूजर्स ने की शिकायतें

वाशिंगटन। एजेंसी। अमेरिका में यूट्यूब प्लेटफॉर्म अचानक बंद हो गया, जिससे लाखों यूजर्स परेशान हुए। रिपोर्ट के मुताबिक 3,21,958 लोगों ने यूट्यूब पर दिक्कत होने की जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को यूट्यूब टीवी पर 8,923 यूजर्स ने समस्या दर्ज की, जबकि गूगल से जुड़े 2,694 मामले सामने आए। उपयोगकर्ताओं ने वीडियो स्ट्रीमिंग, ऐप खोलने और लॉगिन करने में कठिनाई की शिकायत की। इस घटना के बाद सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्म पर यूजर्स ने अपने अनुभव साझा किए, जिसमें कई लोग कह रहे थे कि वीडियो स्ट्रीम नहीं हो रहे थे और चैनल या सब्सक्रिप्शन पेज भी लोड नहीं हो रहे थे। इस समय गूगल ने इस आउटेज पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसी तकनीकी बाधाएं कभी-कभी सर्वर या नेटवर्क में अस्थायी गड़बड़ी के कारण होती हैं।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी एशिसाई बाजारों से मिलेजुले संकेतों बाद भी खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 283.29 अंकों की बढ़त के साथ ही 83,734.25 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 93.95 अंकों की बढ़त के साथ ही 25,819.35 पर बंद हुआ। आज सुबह घरेलू बाजार की कमजोर शुरुआत के बाद इसमें समय के साथ ही उछला आया। जिससे दिन भर के कारोबार के बाद वह बढ़त के साथ बंद हुआ। आज निफ्टी आईटी को छोड़कर निफ्टी के सभी इंडेक्स लाभ में रहे। आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में बढ़त रही। निफ्टी मेटल इंडेक्स में 1.33 फीसदी की तेजी रही, वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1.31 फीसदी उछाल आया। , निफ्टी एफएमसीजी में 1.21फीसदी और निफ्टी ऑटो में 0.54 फीसदी की बढ़त रही।

इसके अलावा निफ्टी आईटी इंडेक्स में 1.23 फीसदी की गिरावट आई। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स पैक में, टाटा स्टील, आईटीसी, एक्सिस बैंक, एमएंडएम और एलएंडटी के शेयरों में 2.90 बढ़त दर्ज की गई रही जबकि टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक के शेयर नीचे आये। वहीं आज सुबह बाजार की मिली-जुली शुरुआत रही। सुबह सेंसेक्स करीब 100 अंक उछलकर 83,553 पर खुला हालांकि खुलने के बाद इंडेक्स में सपाट कारोबार हुआ। इसी तरह निफ्टी भी 25,752 पर खुला और खुलने के कुछ देर में 25,700 के नीचे आ गया। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्केई 225 अंक और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी एएसएक्स करीब 0.28 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहे थे। वहीं चीन (मेनलैंड), हांगकांग और दक्षिण कोरिया के बाजार लूनर न्यू ईयर की छुट्टियों के कारण बंद रहे। दूसरी ओर अमेरिका के वॉल स्ट्रीट में बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद हुए। इस दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रभाव को लेकर भी चिंताएं बनी रही। अमेरिका में एसएंडपी 500 इंडेक्स और नैस्डैक कंपोजिट उछलकर बंद हुए। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसत भी हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ।

मोटरसाइक्लिंग प्रेमियों के लिए आकर्षक डेस्टिनेशन बना कच्छ का रण

नई दिल्ली। एजेंसी। गुजरात के कच्छ का रण अब मोटरसाइक्लिंग प्रेमियों के लिए भी आकर्षक डेस्टिनेशन बन गया है। लगातार दूसरे साल टीवीएस मोटर कंपनी ने रान उत्सव के साथ साझेदारी को मजबूत करते हुए इसे मोटरसाइक्लिंग आधारित एक्सपीरिएंशियल टूरिज्म के बड़े मंच के रूप में स्थापित किया है। इस पहल का उद्देश्य राइडिंग, मोटरस्पोर्ट और कम्युनिटी एंगेजमेंट के मिश्रण से कच्छ के रण को एक ग्लोबल मोटरसाइक्लिंग डेस्टिनेशन के तौर पर पहचान दिलाना है। इस आयोजन में देश-विदेश से 100 से ज्यादा राइडर्स ने हिस्सा लिया। इटली और मैक्सिको जैसे देशों से आए इंटरनेशनल राइडर्स ने क्यूरेटेड राइड्स के जरिए रण की विशाल सफेद धरती पर रोमांचक सफर का अनुभव किया। 'रोड टू हेवन' जैसे लोकप्रिय रूट्स पर की गई राइडिंग ने इस आयोजन को और खास बना दिया। कार्यक्रम में टीवीएस अपाचे ओनर्स ग्रुप और टीवीएस रोनिन कुल टी कम्युनिटी की पहली वेस्ट चैप्टर राइड भी आकर्षण का केंद्र रही। मुंबई, पुणे, कोल्हापुर, जयपुर और अहमदाबाद से आए राइडर्स ने विभिन्न रास्तों से होते हुए रण तक पहुंचकर अपनी यात्रा के अनुभव साझा किए, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि यह इलाका मोटरसाइक्लिंग के लिए बेहद उपयुक्त है। टीवीएस के प्रीमियम एरीना में कंपनी की रेसिंग विरासत के साथ अपाचे और रोनिन रेंज की बाइक्स प्रदर्शित की गईं। स्टंट शो, फ्लैट ट्रैक ट्रेनिंग, एफएमएक्स प्रदर्शन और वुमेंस ड्रिफ्ट-आर चैंपियनशिप ने लोगों को खूब आकर्षित किया। सबसे खास रही टीवीएस रान उत्सव कस्टम सीरिज, जिसमें कच्छ की संस्कृति और प्राकृतिक रंगों से प्रेरित रोनिन और अपाचे मॉडल्स के विशेष संस्करण पेश किए गए।

सोने और चांदी की बढ़त के साथ शुरुआत

नई दिल्ली। एजेंसी। घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में बढ़त आई है। इस प्रकार गत दो दिन से जारी गिरावट रुक गई। सोने चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में आज बढ़त रही है। दोनों के भाव आज बढ़त पर खुले। सोने के वायदा भाव आज 1,52,850 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,33,350 रुपये के करीब रहे।

वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना चांदी की कीमतों में बढ़त रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज उछलकर हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध आज 1,885 रुपये की बढ़त के साथ 1,53,303 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,51,418 रुपये था।सोने का वायदा भाव पिछले महीने 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज अच्छी रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध आज 4,146 रुपये की तेजी के साथ 2,32,929 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,28,783 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 4,554 रुपये बढ़कर 2,33,337 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,33,673 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,32,121 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी रही है। कॉमेक्स पर सोना आज 4,898.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 4,905.90 डॉलर प्रति औंस था।सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 73.58 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला पिछला बंद भाव 73.54 डॉलर था।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन प्यार करने वालों के लिए बेहतर रहने वाला है, उन्हें अपने प्यार को इजहार करने का एक अच्छा मौका मिलेगा और उनके लिए वह कुछ गिफ्ट भी लेकर आ सकते हैं। आप अपने कामों पर भी फोकस बनाने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि इस चक्कर में आपका ध्यान काम से हट सकता है, जिससे आपसे कोई गड़बड़ी होने की संभावना है। आपके परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर भी आपको थोड़ा ध्यान देना होगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। आप किसी काम को पूरे साहस से करेंगे। राजनीति में कार्यरत लोगों की छवि निखरेगी और उनके जन समर्थन में भी इजाफा होगा। आप अपने लिए कुछ नए कपड़े और परफ्यूम आदि की भी खरीदारी कर सकते हैं, लेकिन आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण परिवार के सदस्यों से बेवजह के क्रोध करेंगे, जिसके कारण वह आपसे नाराज हो सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपकी लिए कशमकश भरा रहने वाला है। आपको एक साथ कई काम हाथ लगेंगे, जिससे आपकी व्याकाग्रता बढ़ेगी। पद- प्रतिष्ठा का भाव भी आपके मन में बना रहेगा। आपको अपनी माताजी से भी यदि किसी काम को सलाह को लेकर सलाह लेनी पड़े, तो समझदारी दिखाएं। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आप उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। आपको किसी की कोई बात बुरी लग सकती है। कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश करेगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा। विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई में लापरवाही दिखाएंगे, तो बाद में वह उनके लिए कोई नई समस्या खड़ी कर सकते हैं। धन-धान्य में वृद्धि होने से आपकी खुशी ठिकाना नहीं रहेगा। आपका कोई काम धन को लेकर रुका हुआ था, तो उसके भी पूरे होने की संभावना है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आप कहीं घूमने-फिरने जाने की प्लानिंग करेंगे और जीवनसाथी को शॉपिंग आदि भी करा सकते हैं। आज आप रोमांटिक मूड में लगे रहेंगे और अच्छे खानपान का आनंद लेंगे, लेकिन आपको धन संबंधित समस्याओं पर भी खास ध्यान देना होगा। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका खर्चा बढ़ सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए सेहत के मामले में कमजोर रहने वाला है। आपकी सेहत कमजोर रहने से आपका मन काम करने में थोड़ा कम लगेगा, लेकिन आपको परिवार के सदस्यों का प्रेम और स्नेह बना रहेगा। छोटे बच्चों के लिए आप कोई उपहार लेकर आ सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहने वाला है। आज आपको किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा और आपको कुछ अपने विरोधियों को भी धूल चटाने की कोशिश में लगे रहेंगे, क्योंकि आप चतुर बुद्धि का प्रयोग करके आप किसी भी मामले मे आसानी से बाहर निकल जाएंगे। आपको घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी और किसी बात को लेकर यदि आपका मन परेशान था, तो आपकी वह समस्या भी दूर होगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी और आपकी दोस्ती और गहरी होगी। यदि आपको किसी काम को पूरा करने में समस्या आ रही थी, तो उसमें आपके भाई आपकी पूरी मदद करेंगे। आपको किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचना होगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आपको काम को लेकर मेहनत अधिक रहेगी, लेकिन फिर भी आप उनसे घबराएंगे नहीं और यदि आपने कोई लोन अप्लाई किया था, तो उसके मिलने में भी आपको आसानी होगी। आप मौज-मस्ती के मूड में रहेंगे।

मकर- आज आपकी आय तो सीमित होगी, लेकिन खर्चों की अधिकता हो सकती है, जिसके लिए आपको अपने बेफिजूल के खर्चों को कंट्रोल करके चलना होगा। किसी शारीरिक समस्या को आप नजरअंदाज ना करें, नहीं तो बाद में वह आपकी मुश्किलों को बढ़ा सकती है। आपकी किसी काम को लेकर लापरवाही अधिक रहेगी।

कुंभ- आज के दिन आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। संतान को किसी नई नौकरी की प्राप्ति होने से कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। आपको अपने किसी काम को कल पर टालने से बचना होगा, नहीं तो इससे आपका बाद में कोई भारी नुकसान हो सकता है। आप अपने रहन-सहन के स्तर में सुधार लाने की कोशिश करेंगे। किसी नए काम की शुरुआत करने की यदि आप प्लानिंग कर रहे थे, तो उसमें किसी एक्सपर्ट की राय के बिना आगे ना बढ़े, नहीं तो बाद में समस्या हो सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ भरा रहेगा, क्योंकि आपके ऊपर जिम्मेदारी अधिक रहेगी। संतान के मनमाने व्यवहार को लेकर आप परेशान रहेंगे, जिसके लिए आप उनके गुरुजनों से भी बातचीत कर सकते हैं।

शब्दजाल - 8175

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'वाद' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

श	रा	ना	जी	वा	द	ह	ट	झ	क	चि
आ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	आ	स्वा	द
तं	र	ह	अ	भि	वा	द	म	ला	ल	ना
क	म	दा	नु	ल	क	ड़	वा	दा	र	नि
वा	रा	र	वा	हा	मि	री	द	स	र	र्वि
द	ह	प	द	दा	ह	ला	ती	झ़	न	वा
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	द
प	जी	वा	मा	क	मा	सौ	न	ट	जू	ट
रि	थो	तें	व	या	र्क्स	दा	ने	दा	र	द
वा	ल	प	ति	रं	वा	ऐ	बें	न	रु	थो
द	ड़	पा	ह	ट	द	द	ख	ला	ह	ट

नाजीवाद, परिवाद, अनुवाद, निर्विवाद, मायावाद, अभिवाद, आतंकवाद, मार्क्सवाद, मवाद, आस्वाद

शब्दजाल - 8174 का हल

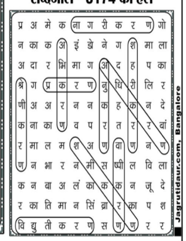

फिल्म वर्ग पहेली- 7119

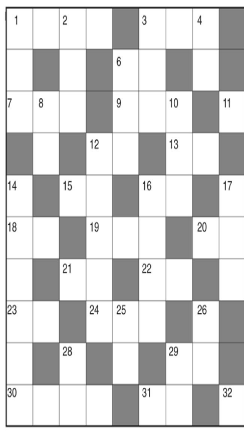

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7118

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

19 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	कुंभ	06.10 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मीन	07.47 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	09.17 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	10.57 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	12.55 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.09 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	17.25 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	19.37 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	21.47 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		वृश्चिक	00.02 ब.से
		धनु	02.18 बजे से
		मकर	04.23 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 50 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 15.59 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 20.52 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 20.43 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 15.59 बजे तदनन्तर तैतिल 03.22 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 1.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 11° 21' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872625 **जूलियन दिन** 2461090.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 01 **विशेष** फुलैरा दूज, स्वामी रामकृष्ण परमहंस जयंती, छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54 से	07.22	बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11	बजे तक
रोग	07.22 से	08.51	बजे तक	चर	07.11 से	08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19	बजे तक	रोग	08.43 से	10.15	बजे तक
चर	10.19 से	11.47	बजे तक	काल	10.15 से	11.47	बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15	बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19	बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51	बजे तक
काल	02.43 से	04.11	बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23	बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40	बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: पिता का कर्त्तव्य

एक बार संत तिरुवल्लुवर के पास एक सेठ आया। उसने उन्हें प्रणाम कर कहा, 'मैंने बहुत मेहनत से ढेर सारी संपत्ति जमा की है। पर मेरा इकलौता पुत्र उसे अपनी बुरी आदतों पर लुटा रहा है। मुझे अपने बेटे के भविष्य की चिंता सताती है। यदि वह अभी से मेरी गाढ़ी कमाई को व्यर्थ गंवाएगा तो आगे क्या होगा?' इस पर संत ने पूछा, 'क्या तुम्हारे पिता ने भी तुम्हारे लिए अकूत संपत्ति जोड़ी थी?' सेठ बोला, 'नहीं, मेरे पिता तो बेहद गरीब थे। बचपन में मुझे दो वक्त की रोटी भी बहुत मुश्किल से मिल पाती थी।' इस पर संत ने कहा, 'इसके बावजूद तुम इतने धनवान हो। यह धन तुमने अपनी मेहनत से एकत्र किया है। लेकिन तुमने अपनी सारी शक्ति केवल धन एकत्र करने पर खर्च की। अरे भाई, धन तो आनी-जानी चीज है। यदि तुमने अपने बेटे को अच्छे संस्कार देने पर थोड़ी भी ऊर्जा खर्च की होती तो तुम्हें यह चिंता ही न सताती कि तुम्हारा धन व्यर्थ जा रहा है। तुमने धन कमाने की कला तो जान ली किंतु बच्चे को अच्छा मनुष्य बनाने की कला न सीख सके। यदि उसे समय पर हर चीज की अच्छाई-बुराई से परिचित कराते तो वह दुर्गुणों का शिकार नहीं होता। एक पिता का सर्वप्रथम कर्त्तव्य यह है कि वह अपनी संतान को पहली पंक्ति में बैठने योग्य बना दे। बाकी सब कुछ वह अपनी योग्यता के बूते हासिल कर लेगा।' संत की इस बात से सेठ की आंखें खुल गईं और उसने अपने बेटे को सही रास्ते पर लाने का निर्णय किया।

सूडोकु नवताल- 7428

★☆☆☆☆ सरल

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7427 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्द पहेली - 8643

बाएँ से दाएँ

1. ओस की बूंदे (उर्दू-4)
3. आसमान, गगन-3
5. निम्न, जो स्तरीय न हो-4
8. रात्रि, निशा-2
10. सिलना, छाती
11. नश, नाड़ी-2
13. एक समाज सुधारक जिनके दोहे काफी प्रसिद्ध हैं-2
15. इसे आंखों में लगाते हैं-3
16. प्रभाव-3
17. समीप, पास, नजदीक-3
19. भगवान, खुदा-2
20. जानवर इसे खाते हैं-2
21. होठ, अधर-2
23. लूटपाट, डाका-4
25. प्रकार-3
26. बेबस, लाचार-4

ऊपर से नीचे

1. चिंगारी, अंगारा-3
2. मस्ती में चूर-2
3. इज्जत, साख-2
4. तलवार (उर्दू-4)
6. रसदार, रस से भरा-3
7. मेहंदी, ऋषि कपूर की फिल्म-2
9. सब्जी, भाजी-4
13. कमी-3
14. अकबर के एक हिंदू सलाहकार-4
17. अचरज भरा कार्य-4
18. वायुसेना के एक विमान का नाम-3
20. चाहत, प्रेम-2
22. ऋतुराज, मौज-मस्ती-3
23. रास्ता, डगर-2
24. एक पेड़ जिसकी टहनी से दातुन करते हैं-3

शब्द पहेली -8642 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

बजट में लांजी किरनापुर क्षेत्र में करोड़ों रुपए के निर्माण कार्यों को मिली मंजूरी

विधायक राजकुमार कर्राहे के प्रयासो की सराहना

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी किरनापुर क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा लगातार क्षेत्र को विकास की राह पर आगे बढाया जा रहा है। क्षेत्र के विकास में करोड़ो अरबो रूपयो के कार्य विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा लांजी किरनापुर के लिये स्वीकृत कराया जा चुका है साथ ही अनेको कार्यो के भूमिपूजन एवं लोकार्पण भी विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा किये जा चुके है। इसी कड़ी में और भी अधिक निर्माण कार्यो की सौगात वर्तमान बजट में लांजी किरनापुर विधानसभा क्षेत्र को मिली है जिसके लिये विधायक राजकुमार कर्राहे निरंतर प्रयास रत थे। श्री कर्राहे ने बताया कि 18 फरवरी को मध्यप्रदेश शासन के द्वारा जारी बजट में लांजी किरनापुर क्षेत्र को करोड़ो रूपये की लागत से निर्मित होने वाले निर्माण कार्यो की सौगात प्रदान की गई है। जिसमें सहेकी पालडोंगरी मार्ग धान मंडी होते हुये पुलिया सहित निर्माण लंबाई 2.20 किमी, लागत 3.69 करोड़, डाबरी चौरिया लांजी मार्ग 5 किमी. लागत 2.70 करोड़, रजेगांव किरनापुर लांजी आमगांव मार्ग फोरलेन लंबाई- 57.40 किमी, मटकाटोला से वारा मार्ग लंबाई 2.50 किमी लागत 1.60 करोड़ रूपये, सिहारी दिघोरी मार्ग लंबाई 1.50 किमी लागत 1. करोड़ रूपये, कालीमाटी थानेगांव मार्ग लंबाई 3. किमी लागत 1.65 करोड़, कुलपा सालेकसा आमगांव मार्ग लंबाई 2 किमी लागत 1.20 करोड़ रूपये, कुलपा परसवाड़ा मार्ग लंबाई 2. किमी, लागत 1 करोड़, बडगांव बोथली मार्ग लंबाई 1.85 किमी, लागत 1 करोड़. रूपये। मोहझरी से चिखलामाली लंबाई 1.80 किमी लागत 1 करोड़ रूपये की सौगात लांजी किरनापुर क्षेत्र को प्रदान की गई है। विधायक राजकुमार कर्राहे ने इस बडी सौगात के लिये प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव, लोक निर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह, वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल का आभार व्यक्त कर धन्यवाद प्रेषित किया है। निश्चित रूप से इन बडी सौगात से क्षेत्र विकास की दिशा मे आगे बढेगा, जनता को इन निर्माण कार्यो से सीधा लाभ प्राप्त होगा। वहीं आपने मध्यप्रदेश शासन के द्वारा पारित बजट को सर्वव्यापी बजट बताया है जहां सरकार ने हर वर्ग का ख्याल रखते हुये बजट पारित किया है। बजट में किसान भाई, महिला पुरूषो सहित हर वर्ग को इस बजट का लाभ मिलेगा। दुसरी ओर बजट मे जिन निर्माण कार्यो को स्वीकृति प्राप्त हुई है निश्चित रूप से यह सभी मांगे निरंतर आ रही थी और अब यह स्वीकृत हो चुकी है जिसका सीधा लाभ क्षेत्र की जनता को प्राप्त होगा। आपने अग्रिम कार्यो के लिये भी कहा कि क्षेत्र मे और भी अधिक निर्माण कार्य किये जाने है जिनको भी हम समय समय पर बजट में लेकर आयेंगे और क्षेत्र का चंहुओर विकास करेंगे। इन सभी सौगातो के लिये क्षेत्र की जनता ने विधायक राजकुमार कर्राहे का आभार व्यक्त किया है।

अज्ञात वजह से काले पीवीसी पाइपों में लगी आग

पद्मेश न्यूज। लांजी। मुख्यालय से देढ़ किमी दूर ग्राम चिचटोला में जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत गांव में पाइप लाइन बिछाये जाने वाले काले पीवीसी पाइपों में आग लग जाने से पूरी तरह जल कर नष्ट हो गए। 18 फरवरी को दोपहर लगभग 2 बजे आसमान में काले धुएं का गुबार नजर आने लगा, जो दूर से दिखाई दे रहा था। जाकर देखा गया तो चिचटोला चौक में खाली जगह में नल जल योजना में उपयोग किए जाने वाले काले पाइप थे, जिसमें भयंकर आग लगी हुई थी एवं काले धुएं का गुबार आसमान में उड़ रहा था। आसपास के लोगों द्वारा 112 एवं फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, जिसके उपरांत फायर ब्रिगेड द्वारा मौके पर पहुंचकर आग को बुझाया गया। किन्तु तब तक वहां रखे पुरे पाइप जलकर नष्ट हो गए थे। आग कैसे एवं किन कारणों से लगी यह ज्ञात नहीं हो पाया। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त पाइप लम्बे समय से वहां लावारिस हालत में पड़े हुए थे, उक्त पाइप किनके थे एवं क्यों रखें गए थे के संबंध में पीएचई विभाग के एसडीओ से मोबाइल पर संपर्क कर जानना चाहा किन्तु एसडीओ पीएचई ने फोन रिसीव नहीं किया। बहरहाल यह आग कैसे लगी, वहां रखा पाइप विभाग का था अथवा ठेकेदार का, और इस आगजनी की घटना में कितना नुकसान हुआ होगा, यह सब संबंधित ठेकेदार अथवा विभाग ही बता सकता है।

पवित्र रमजान माह में इबादत के साथ अता की जाएगी पांच वक्त की नमाज

नजर आया चांद, आज पहला रोजा

पद्मेश न्यूज। लांजी। इस्लाम धर्म के पांच प्रमुख फर्ज़ में से रोजा एक फर्ज है जो माहे रमजान की आमद के साथ पूरे 1 माह रखा जाता है 18 फरवरी को चांद नजर आने के बाद मस्जिदों से ऐलान होने के बाद आज 19 फरवरी को रमजान माह का पहला रोजा रखा जाएगा रमजान के पवित्र महा में पांच वक्त की नमाज के अलावा तरावीह की विशेष नमाज पढ़ी जाती है इस्लाम धर्म के अनुसार रमजान पर्व के पूरे रोजे रखना हर मुसलमान का राज माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि रोजे का अर्थ होता है गुनाहों से रुकना, परहेज करना, और गुनाहों से दूर रहना क्योंकि रोजदार रोज सुबह सूरज निकलने से पहले और सूरज डूबने तक खाने-पीने और तथा दूसरी तमाम बुराइयों से परहेज करता है इस दौरान कुछ खा ले या दूसरे ख्वाहिश पूरी कर ले तो उसका रोजा टूट जाता है यह भी बता दें कि पवित्र माह रमजान में अल्लाह की पवित्र किताब धरती पर उतरी जिसमे पूरी दुनिया के लोगो की भलाई और बहेतरी तथा अमन, शांति,का संदेश दिया गया है माहे रमज़ान के माह में कुछ खास तारीखें होती है जिसको धर्मावलंबी और रोजदार उन दिनों को बड़े अकीदत के साथ मनाते है। माह ए रमजान को लेकर मस्जिदों एवं घरों में धर्मावलंबी द्वारा पूरे महीने के लिए विशेष इबादत का माकूल इंतजाम किया गया है मस्जिदों में हाफिज ए कुरान, तरावीह सुनाने के लिए क्रम चलते रहेगा और रोजदारो के लिए सहेरी और इफ्तारी का दौर प्रारंभ हो जाएगा।

एकता कप रात्रि कालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन कल से

सीजन 3 का लांजी में भव्य आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में क्रिकेट प्रेमियों के लिए उत्साहजनक खबर है। न्यू चैंपियंस क्रिकेट क्लब, लांजी द्वारा आयोजित एकता कप रात्रि कालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन 3 की तैयारियाँ अब अपने अंतिम चरण में पहुँच चुकी हैं। आयोजन समिति द्वारा मैदान की सजावट, प्रकाश व्यवस्था, खिलाड़ियों की सुविधाओं तथा दर्शकों के बैठने की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

20 तारीख से होगा आगाज़

प्रतियोगिता का शुभारंभ 20 तारीख से होगा। यह टूर्नामेंट रात्रिकालीन प्रारूप में आयोजित किया जाएगा, जिससे दर्शकों को रोमांचक मुकाबलों का भरपूर आनंद मिलेगा।

12 टीमों के बीच होगा रोमांचक मुकाबला

इस प्रतियोगिता में ऑल इंडिया स्तर पर किसी भी जिले से कुल 12 टीमें भाग लेंगी। देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाली टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।

24 आइकन खिलाड़ी बनेंगे

आकर्षण का केंद्र

इस सीजन में 24 आइकन खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा, जो प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण होंगे। साथ ही, कुछ प्रसिद्ध खिलाड़ियों के आने की भी संभावना व्यक्त की जा रही है, जिससे आयोजन का स्तर और ऊँचा होगा तथा दर्शकों में उत्साह और बढ़ेगा।

25 फरवरी को होगा

फाइनल मुकाबला

टूर्नामेंट का फाइनल मैच 25 फरवरी को खेला जाएगा। आयोजकों को उम्मीद है कि फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक और दर्शनीय होगा।

अध्यक्ष विशाल दुग्गड की अपील

समिति के अध्यक्ष विशाल दुग्गड ने क्षेत्र के सभी खेलप्रेमियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को मंच मिलता है और युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरणा मिलती है। उन्होंने यह भी बताया कि आयोजन का उद्देश्य केवल प्रतियोगिता कराना नहीं, बल्कि क्षेत्र में भाईचारा, एकता और खेल भावना को बढ़ावा देना है। यह प्रतियोगिता निश्चित रूप से लांजी क्षेत्र में खेल का एक

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला की धनश्री खोंगल ने विज्ञान ओलंपियाड में मारी बाजी

पद्मेश न्यूज। लांजी। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित ओलम्पियाड प्रतियोगिता में जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला की कक्षा 7वीं की छात्रा धनश्री खोंगल ने विज्ञान विषय में प्रथम स्थान हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि के लिए बालाघाट के कलेक्टर मृनाल मीना ने धनश्री का जोरदार स्वागत एवं सम्मान किया। जिला स्तरीय सम्मान समारोह में कलेक्टर श्री मीना ने छात्रा को प्रमाण-पत्र एवं शील्ड प्रदान की। धनश्री के साथ उनके मार्गदर्शक शिक्षक बी. आर. लिल्हारे को भी उनकी उत्कृष्ट मार्गदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

विद्यालय परिवार में खुशी की लहर

धनश्री की इस शानदार सफलता पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला के प्राचार्य गणेश फरदे, विषय शिक्षिका श्रीमती डिलेश्वरी फरदे एवं संकेत वासनिक ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।इसके अलावा संस्था के समस्त शिक्षकगण श्रीमती रेखा लिल्हारे, सुखमन कुराहे, धनेन्द्र कुमार मरकाम, सुमंत कुमार कार्तिकेय, आशू बोरकर, रीता अजनार, संतोष कुमार कुराहे, भेरसिंह लिल्हारे, युगेश गिरेपुंजे, पंकज खरें, रामनिवास अवसरे, श्रीमती ज्योति मोहारे, शीला ढोके, रोशनी अवसरे, पुष्पा लिल्हारे, जैशिला दशरिया, माया तुरकर, महिमा येड़े, मनोज कुमार कोठारे, डालीराम उपराड़े, थानेश्वर दमाहे, गोविंद भोयर, शिव नारायण दहीकर, शोभेलाल बनोठे, प्रेमानंद लिल्हारे, चन्द्र प्रकाश लिल्हारे, देवेन्द्र लिल्हारे, डालेन्द्र दशरिया, राजेंद्र दशरिया, रविशंकर मेहरकर, दुर्योधन लिल्हारे, राजेश लांडे, इंदिरा मानकर, कर्मवीर रहांगडाले सहित पूरा स्टाफ ने धनश्री को ढेर सारी शुभकामनाएं भेजीं।

धनश्री खोंगल की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार और विद्यालय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे बहेला क्षेत्र के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनी है। युवा पीढ़ी के लिए यह एक मिसाल है कि मेहनत और लगन से छोटी उम्र में भी बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है।

बजट में सहेकी से पालडोंगरी पहुंच मार्ग स्वीकृति पर सहेकी सरपंच, उपसरपंच ने जताया आभार

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग के द्वारा 18 फरवरी को प्रदेश का बजट प्रस्तुत किया गया जिसमें विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा लांजी किरनापुर क्षेत्र के लिये अनेको सड? पुल पुलियाओं की मांग रखी गई थी जिसके तहत लांजी विधानसभा क्षेत्र को एक बड़ी सौगात भाडरा अंचल के ग्राम सहेकी एवं पालडोंगरी को प्राप्त हुई है। जिसमें ग्राम सहेकी से पालडोंगरी पंहुच मार्ग जो कि धान मंडी कैप होते हुये लंबाई 2.20 किमी जिसकी लागत लगभग 3.69 करोड़ रूपये से निर्मित होगी। इस मार्ग को बजट में जोड़े जाने हेतु ग्राम पंचायत सहेकी सरपंच विमला मनीराम घोरमारे, उपसरपंच दामोदार बल्लारखेड़े, समस्त पंच गण, ग्राम के गणमान्य जन, एवं ग्रामीणो ने इस बहुप्रतिक्षित सौगात के लिये क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे, लोक निर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह एवं प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव जी का आभार व्यक्त कर धन्यवाद प्रेषित किया है। आपने बताया कि यह मार्ग निर्माण होने से महत 2 किमी की दुरी तय कर लांजी आमगांव से सीधा रास्ता जुड जायेगा जो कि ग्राम सहेकी के लिये अत्यंत लाभ दायक होगा।

मोहझरी में छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती समारोह आज

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद अंतर्गत ग्राम मोहझरी में छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती समारोह का आयोजन आज 19 फरवरी 2026, दिन गुरुवार को किया जाएगा। यह कार्यक्रम दोपहर 1 बजे से प्रारंभ होगा। आयोजन शिवाजी महाराज समिति, ग्राम मोहझरी द्वारा किया जा रहा है। समिति के अनुसार, जयंती महोत्सव को भव्य रूप से मनाने की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना खोंगल तथा अध्यक्षता जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे, देवेंद्र खोंगल पूर्व जनपद अध्यक्ष, लक्ष्मण नाकतोड़े अध्यक्ष खेडुले कुनबी समाज, रूपचंद रावते अध्यक्ष प्रगतिशील कुनबी समाज, श्रीमती मनीषा नाकतोड़े सरपंच, श्रीमती रीता रावते उपसरपंच द्वारा की जाएगी। समारोह में शिवाजी महाराज के जीवन, आदर्शों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला जाएगा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। समिति ने समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शिवाजी महाराज समिति, ग्राम मोहझरी द्वारा अपील की गई है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

लाड़ली बहनों की बल्ले-बल्ले

पृष्ठ 01 का शेष...

किसानों को 25 हजार करोड़ का अल्पकालीन ऋण

बजट में पशुपालन के लिए 2364 करोड़ का प्रावधान किया गया है। किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये का अल्पकालीन ऋण दिलाया जाएगा। बिना ब्याज का ऋण दिलाने के लिए 720 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कृषि क्षेत्र के लिए 1.15 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है। भावांतर योजना के तहत किसानों को 337 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। किसानों को एक लाख सोलर सिंचाई पंप उपलब्ध कराए जाएंगे। 21630 करोड़ रुपये की मजरा टोला सडक् योजना प्रस्तुत की गई। एमपी देश का तीसरा युवा प्रदेश, यहां 28 प्रतिशत युवा हैं।

महिला सशक्तिकरण पर विशेष फोकस

आगामी बजट में महिला सशक्तिकरण की प्रमुख योजना लाड़ली बहना योजना के लिए 23 हजार 800 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। प्रदेश की करीब 1 करोड़ 25 लाख महिलाएं इस योजना से जुड़ी हैं। उन्हें हर महीने 1500 रुपए मिलते रहेंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि हर नारी को न्याय देना सरकार का मूल उद्देश्य है और यह बजट महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम है।

गांव, किसान और युवा के बाद ज्ञानी पर फोकस

देवड़ा ने बताया कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के लिए 40 हजार 62 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सडक़ों की मरम्मत के लिए 12 हजार 690 करोड़ रुपए और जल जीवन मिशन के लिए 4 हजार 454 करोड़ रुपए रखे गए हैं। सरकार ने 1 लाख किसानों को सोलर पंप देने और 15 हजार शिक्षकों की भर्ती का ऐलान किया है। आठवीं तक के बच्चों को मुफ्त टेट्रा पैक दूध देने की घोषणा भी की गई है। वहीं देवड़ा ने कहा कि इससे पहले सरकार गरीब, युवा, किसान महिला और (ज्ञान) के बाद सरकार अब आई यानि इंडस्ट्री और इंफ्रास्टक्चर को भी शामिल किया गया है। जिसे ज्ञान के बाद ज्ञानी के रुप में जाना जाएगा।

2 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का लक्ष्य

लगातार दूसरे वर्ष सरकार ने किसी नए कर या कर दर में वृद्धि का प्रस्ताव नहीं रखा है। वर्ष 2026-27 में कुल राजस्व प्राप्तियां 3 लाख 8 हजार 703 करोड़ रुपए अनुमानित है। राज्य करों से 1 लाख 17 हजार 667 करोड़ और केंद्रीय करों में हिस्सेदारी से 1 लाख 12 हजार 137 करोड़ रुपए मिलने का अनुमान है। सरकार ने स्वयं के कर राजस्व में 17.64 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है। वहीं मोहन सरकार ने विकसित एमपी 2047 के विजन के तहत प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 2 ट्रिलियन तक पहुंचाने का लक्ष्य दोहराया है। सरकार का दावा है कि यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर और समावेशी मध्य प्रदेश की दिशा में ठोस कदम है।

लाड़ली बहनों की बल्ले-बल्ले

मध्य प्रदेश की बीजेपी सरकार की मास्टर स्ट्रोक लाड़ली बहना योजना पूरी रफ्तार से चलेगी। अभी लाड़ली बहनों को डेढ़ हजार रुपये प्रति माह मिल रहे हैं। सरकार की योजना इस राशि को धीरे-धीरे बढ़ाकर 3 हजार करने की है। बुधवार को सरकार द्वारा लाए गए मध्य प्रदेश के बजट 2026-27 बजट में इसकी झलक दिखती है। पूरा बजट नारी शक्ति को समर्पित है। लाड़ली बहना योजना के साथ ही लाड़ली लक्ष्मी योजना सहित महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मनिर्भरता पुख्ता करने का प्रयास बजट में दिखता है। महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार और कौशल उन्नयन कार्यक्रमों से जोडने् के लिए विभिन्न प्रकार के फंड तय किए गए हैं।

लाड़ली बहना योजना के लिए 23,800 करोड़ रुपए

बुधवार को मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन मोहन यादव सरकार ने अपने कार्यकाल का तीसरा बजट पेश किया। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा कुल 4,38,317 करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया। बजट में जहां लाड़ली लक्ष्मी योजना के लिए 1801 करोड़ का प्रावधान है तो लाड़ली बहना योजना के लिए 23, 800 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। अभी महिलाओं को हर माह डेढ़ हजार की आर्थिक सहायता दी जा रही है। सरकार कई बार संकेत दे चुकी है कि इसे बढ़ाकर 3 हजार किया जाएगा। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बजट पेश करते समय इसके संकेत दिए।

महिलाओं को अभी तक 33 किश्तों में भुगतान

लाड़ली बहना योजना की राशि बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी कई बार सार्वजनिक मंच से ऐलान कर चुके हैं। योजना की शुरुआत 1,000 से हुई थी, जिसे पहले 1,250 और फिर 1,500 किया गया। यह राशि सीधे महिलाओं आधार से जुड़े बैंक खाते में जमा की जाती है। बजट में बताया गया कि इस योजना में 1 करोड़ 25 लाख महिलाएं पंजीकृत हैं। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए इस योजना में 23,882 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। जून 2023 से फरवरी 2026 तक महिलाओं को 33 किश्तों का नियमित भुगतान किया जा चुका है।

लाडली बहना योजना- 23,882 करोड़, सिंहस्थ 2028- 13,851 करोड़, स्वास्थ्य विभाग- 23,747करोड़, पंचायत एवं ग्रामीण विकास- 40,062करोड़, पीएम आवास योजना- 6,850करोड़, सडक् मरम्मत- 12,690करोड़, किसान- 157000 करोड़

1500 से बढक़र 2000 इसी साल होने की उम्मीद

जानकारों का कहना है कि लाड़ली बहनों को अचानक 1500 से 3000 मिलना इस सत्र में मुश्किल लगता है। लेकिन ढाई से लेकर 500 रुपये की वृद्धि लाड़ली बहनों के लिए की जा सकती है। ऐसा हुआ तो इस सत्र में महिलाओं को 500 रुपये बढक़र यानी हर माह 2000 रुपये मिल सकते हैं। विधानसभा चुनाव के पहले ये राशि बढक़र 3000 की जाएगी, इसमें कोई संश्य नहीं है।

बजट में नारी सशक्तिकरण पर फोकस

मध्य प्रदेश सरकार के बजट नारी सशक्तिकरण पर फोकस है। लाड़ली बहना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना के लिए भारी भरकम रकम का प्रवाधान किया गया तो वहीं, महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर कराने पर फोकस किया गया है। भविष्य में महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार और कौशल विकास कार्यक्रमों से जोडने् की योजनाएं बजट में हैं। सरकार का दावा है कि लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ 52 लाख 29 हजार बालिकाओं को लाभ मिल रहा है। अब तक 14 लाख 12 हजार बालिकाओं को छात्रवृत्ति दी जा चुकी है। इस योजना के लिए 1800 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा महिला और बाल विकास विभाग को सशक्त बनाने पर फोकस है।

महिला युवा किसान और गरीब हमारी प्राथमिकता

मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 का बजट पेश करते हुए किसानों, मजदूरों, महिलाओं और युवाओं को केंद्र में रखा है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने 1 लाख सोलर पंप, श्रम विभाग के लिए 1335 करोड़, 11,277 जनजातीय गांवों के विकास, ग्रामीण कनेक्टिविटी, छात्रवृत्ति योजनाओं और महिला कल्याण के लिए 1.27 लाख करोड़ से अधिक के प्रावधान की घोषणा की। बजट में कृषि, सामाजिक सुरक्षा और नारी सशक्तिकरण पर विशेष फोकस दिखाई दिया।

किसानों को 1 लाख सोलर पंप उपलब्ध कराए जाएंगे 3000 करोड़ रुपए की लागत से किसानों को 1 लाख सोलर पंप उपलब्ध कराए जाएंगे। किसान परिवारों को किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत प्रतिवर्ष कुल 12 हजार रुपए दिए जा रहे हैं। भावांतर योजना की सफलता से प्रभावित होकर अन्य राज्यों ने भी इसमें रुचि दिखाई है। कृषक उन्नति योजना की घोषणा की गई है, जिसके अंतर्गत किसानों को विशेष प्रोत्साहन देने का प्रावधान किया गया है। वहीं, जैविक एवं प्राकृतिक खेती के लिए 21 लाख 42 हजार हेक्टेयर क्षेत्र पंजीकृत किया गया है। देवड़ा ने कहा कि हमारा प्रदेश दाल उत्पादन में प्रथम और गेहूं तिलहन में द्वितीय स्थान रखता है। प्रदेश का संतरा, धनिया और लहसुन में भी अग्रणी है। खेतों में उत्पादन से विक्रय तक में किसानों को सहायता दी जा रही है। पीएम फसल बीमा योजना के लिए 1,299 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सीएम कृषक उन्नति योजना के लिए 5,500 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। किसानों को 337 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष घोषित किया गया है। 6.69 लाख किसानों को 337 करोड़ रुपये की राशि वितरित की जाएगी। 1 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है।

श्रम विभाग के लिए 1 हजार 335 करोड़ का प्रावधान

वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा- सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए श्रम विभाग के लिए 1335 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान प्रस्तावित किया है। इस बजट का उद्देश्य मजदूरों, असंगठित क्षेत्र के कामगारों और गरीब वर्ग को सामाजिक सुरक्षा से जोडऩा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत अब तक राज्य में 4 करोड़ 61 लाख से ज्यादा खाते खोले जा चुके हैं। इससे बड़ी संख्या में लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा गया है। वहीं, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में अब तक 3 करोड़ 64 लाख लोगों का पंजीयन हो चुका है। इस योजना के तहत दुर्घटना की स्थिति में बीमा सुरक्षा दी जाती है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से भी बड़ी संख्या में लोग जुड़े हैं। इस योजना में अब तक 1 करोड़ 54 लाख से ज्यादा लोगों ने पंजीयन कराया है, जिससे उनके परिवार को आर्थिक सुरक्षा मिल रही है।

कल्याण विभाग के लिए 815 करोड़ का बजट

सीएम युवा शक्ति योजना के अंतर्गत प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्र में सर्व सुलभ स्टेडियम बनाए जाने की व्यवस्था की जा रही है. कल्याण विभाग के लिए 815 करोड़ का बजट तय किया गया है। लाड़ली लक्ष्मी योजना में 52 लाख 29 हजार बालिकाओं को लाभान्वित किया गया है।

महिला सशक्तिकरण और नारी कल्याण को सौगात

इस बजट में महिला सशक्तिकरण और नारी कल्याण को केंद्र में रखा गया है। बजट में महिलाओं और बालिकाओं से जुड़ी योजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर प्रावधान किए गए हैं। सरकार ने लाड़ली लक्ष्मी योजना के लिए 8,801 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। वहीं लाड़ली बहना योजना के लिए 23,882 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है, जिससे प्रदेश की करोड़ों महिलाओं को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से पोषण अभियान को मजबूत करने के लिए 80 लाख दूध पैकेट वितरित किए जाएंगे। इस योजना के लिए 6,700 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है। कामकाजी महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई जिलों में 'सखी भवन' का निर्माण किया जा रहा है, ताकि बाहर से आने वाली महिलाओं को सुरक्षित और किफायती आवास मिल सके। सरकार ने नारी कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के लिए कुल 1,27,555 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है। सरकार का कहना है कि यह बजट महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

7 लाख 95 हजार विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता

वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा शिक्षा के क्षेत्र में भी सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 7 लाख 95 हजार विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे वे बिना किसी बाधा के अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। वहीं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए सरदार पटेल कोचिंग योजना के अंतर्गत 4 हजार विद्यार्थियों को लाभ देने का लक्ष्य तय किया गया है। सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए भी बड़े स्तर पर बजट का प्रावधान किया गया है। पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, घुमक्कड़ एवं अर्ध-घुमक्कड़ समुदायों के विकास के लिए 1,651 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोडने् के लिए कनेक्टिविटी सुधार पर विशेष जोर दिया गया है, जिसके तहत 21,630 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी गई है।

सडक़ों की मरम्मत के लिए 12,690 करोड़

फाइनेंस मिनिस्टर देवड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री माजरा टोला के तहत 20,900 किलोमीटर सडक़ बनाने का स्टेटस दिया गया है। सडक़ रिपेयर के लिए 12,690 करोड़ का प्रोविजन किया गया है। युवा परिवारों के मेट्रोपॉलिटन एरिया में बढ़ते माइग्रेशन के असर को कम करने के लिए संध्या छाया प्रोग्राम शुरू किया गया है।

खेल के लिए 815 करोड़ रूपए का प्रावधान

मंत्री देवड़ा ने कहा कि युवाओं की खेल योजनाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्टेडियम निर्माण का कार्य शुरू किया गया है। वर्तमान में प्रदेश में चार स्टेडियमों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही खेल गतिविधियों के लिए 815 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है।

पीएम आवास के लिए 6 हजार 850 करोड़ का प्रावधान

वित्त मंत्री ने कहा कि 6 हजार 850 करोड़ पीएम आवास के लिए प्रावधान है। पीएम जनमन के लिए 900 करोड़, जी रामजी के लिए 10428 करोड़ के प्रावधान किए गए हैं। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के लिए 40062 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है।

पर्यावरण क्षेत्र के लिए 6 हजार 151 करोड़ का प्रावधान

देवड़ा ने कहा कि कृषि वानिकी योजना शुरू की जाएगी इससे सरकार आमदनी बढ़ाने का काम करेगी। वन पर्यावरण क्षेत्र के लिए 6 हजार 151 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 50 करोड़

वित्त मंत्री ने कहा कि धार्मिक और सामाजिक योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 50 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, ताकि वरिष्ठ नागरिकों और जरूरतमंद लोगों को धार्मिक स्थलों की यात्रा का लाभ मिल सके। वहीं, धर्म और संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए सरकार ने 2 हजार 55 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया है। पुलिस व्यवस्था को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के लिए डिजिटल वर्किंग को लगातार विस्तार दिया जा रहा है। इसके तहत अब तक 14 लाख से अधिक ई-समन और वारंट जारी किए जा चुके हैं। साथ ही, पुलिसकर्मियों को डिजिटल सिस्टम से जोडने् के लिए 25 हजार टैबलेट उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे कानून-व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रिया में तेजी और पारदर्शिता लाई जा सकेगी। राज्य सरकार ने आगामी सिंहस्थ आयोजन की तैयारियों के लिए अब तक 13 हजार 851 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास और निर्माण कार्यों को स्वीकृति दी है। इसके साथ ही वर्ष 2026-27 के बजट में सिंहस्थ के लिए 3 हजार 60 करोड़ रुपए का विशेष प्रावधान प्रस्तावित किया गया है, जिससे अधोसंरचना, यातायात, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को और मजबूत किया जाएगा।

पुलिस विभाग में 22 हजार 500 पदों पर भर्ती

वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा कि पुलिस विभाग में 22 हजार 500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। पुलिसकर्मियों के लिए 11000 नए आवास बनाए गए हैं। 1 अप्रैल 2026 से परिवार पेंशन के अंतर्गत तलाक शुदा पुत्री को भी परिवार पेंशन देने का फैसला लिया गया है।

सिंहस्थ महापर्व के लिए बड़ा ऐलान

सरकार ने सिंहस्थ महापर्व की तैयारियों को लेकर बड़ा एलान किया। बजट भाषण में कहा गया कि भारतीय संस्कृति और हिंदू आस्था के इस वैश्विक आध्यात्मिक आयोजन को भव्य और सुव्यवस्थित स्वरूप देने के लिए राज्य सरकार समयबद्ध कार्ययोजना पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सिंहस्थ क्षेत्र के समग्र विकास के लिए 13 हजार 851 करोड़ रुपये के विभिन्न कार्य स्वीकृत किए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुविधा, यातायात प्रबंधन और अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बजट में बताया गया कि इंदौर-उज्जैन मार्ग के सिक्स लेन चौड़ीकरण के लिए 1 हजार 164 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत स्वीकृत की गई है। इसके अलावा इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड हाईवे के निर्माण के लिए 1 हजार 370 करोड़ रुपये तथा उज्जैन बायपास मार्ग के लिए 701 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इन परियोजनाओं से सिंहस्थ के दौरान आवागमन को सुगम बनाने का लक्ष्य रखा गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में सिंहस्थ से संबंधित कार्यों के लिए 3 हजार 60 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। सरकार ने कहा कि आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा। इसके साथ ही नगरीय विकास को भी बजट में प्राथमिकता दी गई है। वर्ष 2026-27 के लिए नगरीय विकास मद में 21 हजार 561 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है, जिससे शहरों में बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

'बिना पेनिट्रेशन रेप नहीं, सिर्फ कोशिश', छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने सुनाया महत्वपूर्ण फैसला, आधी हुई आरोपी की सजा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट ने रेप के एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा, यदि किसी महिला के साथ पूरा पेनिट्रेशन साबित नहीं होता है, केवल प्राइवेट पार्ट को रगड़ा गया है तो इसे कानून की नजर में दुष्कर्म नहीं माना जाएगा। इस तरह का कृत्य दुष्कर्म की कोशिश की श्रेणी में आएगा। कोर्ट ने कहा, यदि किसी महिला के साथ पूरा पेनिट्रेशन साबित नहीं होता है, केवल प्राइवेट पार्ट को रगड़ा गया है तो इसे कानून की नजर में दुष्कर्म नहीं माना जाएगा। इस तरह का कृत्य दुष्कर्म की कोशिश की श्रेणी में आएगा।

दुष्कर्म के मामले में हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपी की सजा को आधी कर दिया है। निचली अदालत ने आरोपी को दुष्कर्म के आरोप में सात साल की सजा सुनाई थी। हाई कोर्ट के आदेश के बाद अब आरोपी को साढ़े तीन साल की सजा जेल में काटनी होगी। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस एनके व्यास ने कहा, आरोपी का गलत होने के साथ ही स्पष्ट भी था। चिकित्सा और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूर्ण पेनिट्रेशन साबित नहीं हो पाया है, लिहाजा यह मामला दुष्कर्म नहीं, दुष्कर्म के प्रयास का मामला है।

यह मामला धमतरी जिले का है। अभियोजन के अनुसार, 21 मई 2004 को जब पीड़िता घर में अकेली थी, तब आरोपी उसे जबरदस्ती खींचकर अपने घर ले गया। वहां उसने पीड़िता और अपने कपड़े उतारे। उसकी मर्जी के खिलाफ शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि आरोपी ने पीड़िता को कमरे में बंद कर दिया। उसके हाथ-पैर बांध दिए और मुंह में कपड़ा ठूंस दिया था। कुछ समय बाद पीड़िता की मां मौके पर पहुंची और पीड़िता को आरोपी

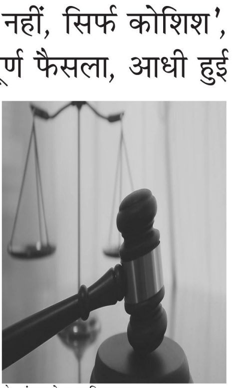

के चंगुल से छुड़ा लिया था।

आरोपी के खिलाफ अर्जुनी थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। एफआईआर दर्ज करने के साथ ही पुलिस ने ट्रायल कोर्ट में चालान पेश किया। मामले की सुनवाई के बाद 6 अप्रैल 2005 करे ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 376(1) यानी बलात्कार और धारा 342 यानी गलत तरीके से बंधक बनाने के अपराध में दोषी माना और 7 साल की सजा सुनाई। ट्रायल कोर्ट के फैसले को आरोपी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

अधिवक्ताओं ने हाई कोर्ट में क्या दलील दी?

याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता राहिल अरुण कोचर और लीकेश कुमार ने कहा कि, ट्रायल कोर्ट ने साक्ष्यों का सही मूल्यांकन नहीं किया। मेडिकल रिपोर्ट में जबरन यौन संबंध की पुष्टि नहीं हुई है, क्योंकि पीड़िता का हाइमन सुरक्षित पाया गया था। अधिवक्ताओं ने कोर्ट को बताया, बयान दर्ज करने में देरी हुई, स्वतंत्र गवाह नहीं हैं। पीड़िता की उम्र को लेकर भी स्पष्ट साक्ष्य नहीं हैं। स्कूल रजिस्टर के लेखक को गवाह के रूप में पेश नहीं किया गया। अधिवक्ताओं ने उम्र के प्रमाण पर भी सवाल उठाया।

वहीं, राज्य शासन की ओर से पैरवी करते हुए पैनल लॉयर मनीष कश्यप ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही ठहराया। उन्होंने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट में पीड़िता के कपड़ों पर मानव शुक्राणु मिले थे। साथ ही प्राइवेट पार्ट में लालिमा पाई गई थी, जो जबरदस्ती की ओर इशारा करती है। फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी ने भी कपड़ों पर मानव शुक्राणु की पुष्टि की थी।

पीड़िता ने अलग-अलग बयान दिए

कोर्ट ने पीड़िता की गवाही और मेडिकल रिपोर्ट का विस्तार से परीक्षण किया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पीड़िता के बयान में विरोधाभास पाया। शुरुआत में उसने कहा था, आरोपी ने पेनिट्रेशन किया, पीड़िता ने बाद में उसने बयान दिया कि आरोपी ने अपना प्राइवेट पार्ट उसके प्राइवेट पार्ट के ऊपर करीब 10 मिनट तक रखा, लेकिन अंदर प्रवेश नहीं किया। मेडिकल जांच करने वाली डॉक्टर डॉ. आशा त्रिपाठी की गवाही भी अहम रही।

डॉक्टर ने बताया कि हाइमन नहीं फटा था और योनि में केवल अंगली का पोर ही प्रवेश कर सकता था। इससे पूरा पेनिट्रेशन की पुष्टि नहीं होती। कोर्ट ने माना कि आरोपी के पीड़िता को जबरन पकड़कर ले जाना, कपड़े उतारना, उसके जननांगों पर अपने जननांग रगड़ना ये सभी कृत्य गंभीर है और अपराध की मंशा साफ दिखता है।

वेयरहाउस से चोरी हुई 4 करोड़ रुपए की मूंग....संचालक के खिलाफ मामला दर्ज

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले के माखननगर (बाबई) स्थित एकलव्य वेयरहाउस चीलाचोन से करीब 4 करोड़ रुपए कीमत की करीब 10,200 बोरी मूंग गायब होने का मामला प्रकाश में आया है। जांच में पता चला है कि वेयरहाउस के शटर पर लगा असली ताला बदलकर उसी कंपनी का दूसरा ताला लगाया गया था, ताकि चोरी पकड़ी न जा सके। इसके बाद रात में मूंग की बोरियां ट्रैक्टर-ट्रॉली से ले जाई गईं। मामले में सीसीटीवी की हार्ड डिस्क भी गायब मिली है। वेयरहाउस कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने संचालक के खिलाफ थाने में शिकायत दी है। प्रशासनिक टीम जब जांच करने वेयर हाऊस पहुंची, तब वेयर हाऊस के सीसीटीवी फुटेज खंगाले की कोशिश की। वहां कैमरे लगे थे, लेकिन कैमरे के रिकार्ड की हार्ड डिस्क भी गायब मिली। इस आधार पर मूंग चोरी का शक संचालक पर गया।

एकलव्य वेयर हाऊस की सुरक्षा के लिए संचालक ने आदिवासी गार्ड को भी रखा था। वेयर हाऊस से मूंग चोरी होने का मामला उजागर होने के पहले ही गार्ड को हटा दिया। जबकि विभागीय अधिकारियों के पास वेयर हॉऊस में लगने वाले ताले का रिकार्ड भी संधारित है। उल्टा वेयर हाऊस संचालक विभागीय अधिकारियों पर मूंग चोरी कराने का आरोप लगा रहा है।

पन्ना में पहली बार होगी संयुक्त हीरा नीलामी, तीन साल बाद रफ्तार पकड़ेगा कारोबार

-एनएमडीसी की मझगवां परियोजना और उथली खदानों के हीरे एक साथ होंगे नीलाम

पन्ना। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में हीरा कारोबार को नई गति मिलने जा रही है। देश की एकमात्र मशीनीकृत हीरा खदान संचालित करने वाली कंपनी नेशनल मिनरल डेवलप्मेंट कारपोरेशन (एनएमडीसी) की मझगवां स्थित हीरा परियोजना और उथली खदानों से प्राप्त हीरों की पहली बार संयुक्त नीलामी पन्ना में आयोजित की जाएगी। यह बहुप्रतीक्षित नीलामी 15 से 30 मार्च के बीच नव-निर्मित हीरा कार्यालय परिसर में प्रस्तावित है।

अब तक एनएमडीसी की खदानों और उथली खदानों के हीरों की नीलामी अलग-अलग आयोजित होती रही है, लेकिन पहली बार दोनों स्त्रोतों के हीरे एक ही मंच पर नीलाम होंगे। इससे स्थानीय व्यापारियों और बड़े खरीदारों को एक ही स्थान पर विविध श्रेणी के हीरे उपलब्ध हो सकेंगे। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, संयुक्त नीलामी से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और बेहतर मूल्य मिलने की संभावना है। खनन दोबारा शुरू होने और अब संयुक्त नीलामी के आयोजन से पन्ना के हीरा उद्योग में नई ऊर्जा का संचार होने की उम्मीद है।

एकमात्र मशीनीकृत हीरा खदान

एनएमडीसी की मझगवां हीरा परियोजना देश की इकलौती मशीनीकृत हीरा खदान है, जहां अत्याधुनिक अयस्क प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित है। संयुक्त नीलामी को ध्यान में रखते हुए नव-निर्मित हीरा कार्यालय परिसर के हॉल को तैयार किया जा रहा है। एयर कंडीशनिंग की व्यवस्था पूरी हो चुकी है, जबकि फर्नीचर और अन्य बुनियादी सुविधाओं का कार्य अंतिम चरण में है। प्रशासन का दावा है कि इस बार नीलामी पूरी तरह व्यवस्थित और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत होगी।

तीन साल बंद रहा उत्पादन

गौरतलब है कि 1 जनवरी 2021 को पर्यावरणीय स्वीकृति समाप्त होने के कारण मझगवां हीरा खदान में खनन कार्य बंद करना पड़ा था। लगभग तीन वर्षों तक उत्पादन पूरी तरह ठप रहा, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और कारोबार प्रभावित हुआ। मार्च 2024 में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से अनुमति मिलने के बाद पुन: खनन शुरू किया गया।

फिर आई कूनो से अच्छी खबर...गामिनी ने दिया तीन शावकों को जन्म

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता गामिनी ने बुधवार को तीन शावकों को जन्म दिया। खास बात यह है कि यह खुशखबरी चीतों के भारत आने के तीन साल पूरे होने के दिन सामने आई है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने अपने एक्स पर इसकी जानकारी दी। यादव ने इस उपलब्धि को भारत के ऐतिहासिक संरक्षण अभियान की बड़ी सफलता बताया है।

बता दें भारत आने के बाद मादा चीता गामिनी दूसरी बार मां बनी है। इन नए शावकों के जन्म के साथ भारत में शावकों की संख्या 27 हो गई है जो अभी जिंदा हैं। इसके साथ ही अब देश में चीतों की कुल आबादी 38 हो गई। बता दें बीते 10 दिन में यह दूसरा प्रसव है, जिनमें 8 शावकों ने जन्म लिया है। इससे पहले 7 फरवरी को भी कूनो नेशनल पार्क में चीता परिवार में 5 शावकों का जन्म हुआ था। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि शावकों का जन्म प्रोजेक्ट चीता को मजबूती प्रदान कर रहा है। फील्ड स्टाफ और पशु चिकित्सकों की सतत निगरानी और समर्पण से यह सपना साकार हो रहा है।

आज जिम्बाब्वे और श्रीलंका में होगा मुकाबला

कोलंबो। मेजबान श्रीलंकाई टीम का मुकाबला गुरुवार को यहां टी20 विश्व कप क्रिकेट के मैच में जिम्बाब्वे से होगा। दोनो ही टीमें पहले ही सुपर-8 में पहुंच गयी हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक रहेगा। दोनो का लक्ष्य इस मैच को जीतकर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल करना रहेगा। श्रीलंका ने यहां ओमान और आयरलैंड को हराया और फिर ऑस्ट्रेलिया को हराकर अपनी ताकत दिखायी है। वहीं जिम्बाब्वे ने बड़ा उलटफेर करते हुए ऑस्ट्रेलिया को हराया है। वहीं आयरलैंड के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। जिससे उसे एक अंक मिला। इससे ऑस्ट्रेलिया की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गया। श्रीलंकाई टीम सुपर 8 में पहुंचने के बाद भी जिम्बाब्वे के खिलाफ कोई गलती नहीं करना चाहेगी। वह अपनी जीत की लय को बनाए रखने और ग्रुप में नंबर पर रहने उतरेगी।

श्रीलंका को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका के फॉर्म में होने से भी श्रीलंका को लाभ होगा। निशांका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उनके अलावा कुसल मेंडिस ने भी पिछले मैच में अर्धशतक लगाया था और वह ये सिलसिला बनाये रखना चाहेंगे।

श्रीलंका की गेंदबाजी की कमान दाएं हाथ के तेज गेंदबाज दुशमंथा चमीरा के पास रहेगी। वहीं तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना भी इस मैच में लय हासिल करना चाहेंगे। वह अपनी अलग गेंदबाजी शैली से काफी प्रभावी रहते हैं। स्पिनर के तौर पर टीम के पास दुशान हेमंथा जैसा लेग स्पिनर है। उनके अलावा महीश तीक्षाना जैसा गेंदबाज है।

वहीं जिम्बाब्वे की राह आसान नहीं है। श्रीलंका के घरेलू मैदान पर उसके लिए मेजबान गेंदबाजों का समाना करना कठिन रहेगा हालांकि ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद से ही उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। उसके सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने ऑस्ट्रेलिया और ओमान के खिलाफ क्रमश: 64 और 48 रन बनाये थे। इसके अलावा तादिवानाशे मारुमानी, रयान बर्ल और सिकंदर रजा भी फार्म में हैं। गेंदबाजी में उसके पास अनुभवी तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी के अलावा रिचर्ड नगारवा हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

टीम इस प्रकार हैं-

श्रीलंका- दासुन शनाका (कप्तान), चरिथ असलांका, दुशमंथा चमीरा, दुशान हेमंथा, जेनिथ लियानगे, कामिंडु मेंडिस, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), कामिल मिशारा, पथुम निसांका, मथीशा पथिराना, कुसल परेरा, प्रमोद मदुशन, पवन रथनायके, महीश तीक्षाना, डुनिथ वेललागे।

जिम्बाब्वे- सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा।

अभिषेक जल्दबाजी में शॉट ने खेलें - गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने खराब फार्म से जूझ रहे आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को सलाह दी है कि वह वह पहले विकेट पर समय बिताये और उसके बाद ही एक-एक रन बनाने के बाद अपना स्वाभाविक खेल खेलें। महान बल्लेबाज गावस्कर के अनुसार उन्हें पहले वाली लय हासिल करने के लिए मूल बातों पर लौटना होगा। गावस्कर ने कहा कि पारी की शुरुआत में जल्दबाज़ी में विकेट गंवाने से बचें। उन्होंने कहा कि आक्रामक शॉट खेलने से पहले केवल एक-एक रन लें जिससे शरीर और दिमाग दोनों मैच के अनुसार ढ़ल सके। गावस्कर के मुताबिक, पहले एक एक रन लो, फिर अपने अनुसार खेलो क्योंकि जब तक आप रन बोर्ड पर नहीं लगाते, आत्मविश्वास पूरी तरह नहीं आता। उन्होंने यह भी कहा कि अच्छे फॉर्म को हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि कई बल्लेबाज़ शानदार फॉर्म के बाद जरूरत से ज्यादा आक्रामक होने के कारण भी विफल होते हैं। गावस्कर के अनुसार बड़े मुकाबलों में मानसिक मजबूती भी बड़ी चुनौती बन जाती है। बड़े मंच पर अधिक दबाव में भी खिलाड़ी गलती कर देते हैं। गौरतलब है कि अभिषेक ने पिछले साल काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में उन्होंने शानदार शतक लगाया था। उसके बाद से ही उसने विश्वकप में बड़ी पारियों की उम्मीद की जा रही थी पर टूर्नामेंट की शुरुआत में वह लगातार दो मैचों में खाता भी नहीं खोल पाये है पर आउट हो गए। पहले मुकाबले में वह बिना खाता खोले ही पेवेलियन लौट गये। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ भी रन नहीं बना पाये। अभिषेक के खराब प्रदर्शन का कारण उनकी तबियत भी रही है। पिछले दिनों पेट की समस्या के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा और वह नामीबिया के खिलाफ मैच नहीं खेल पाए थे।

औकीब की घातक गेंदबाजी से बंगाल को हराकर जम्मू-कश्मीर रणजी ट्रॉफी फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली। औकिब नबी की घातक गेंदबाजी से जम्मू-कश्मीर ने पश्चिम बंगाल को छह विकेट से हराकर पहले बार रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाई है।. औकिब ने इस सेमीफाइनल मैच में सबसे अधिक 9 विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस गेंदबाज ने पहली पारी में 5 जबकि दूसरी पारी में 4 विकेट लेने के अलावा बल्लेबाजी के दौरान नौवें नंबर पर उतरते हुए 42 रन भी बनाये।

इस मैच में जीत के लिए मिले 126 रनों के लक्ष्य को जम्मू-कश्मीर ने चार विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। वंज शर्मा और अब्दुल समद ने अच्छी साझेदारी कर टीम को जीत दिलायी। इस मैच की पहली पारी में 328 रन बनाने वाली बंगाल की टीम दूसरी पारी में औकिब के सामने टिक नहीं पायी और केवल 99

रनों पर ही आउट हो गयी। वहीं जम्मू -कश्मीर ने पहली पारी में 304 रन बनाए थे.

बंगाल की टीम को इस मैच में पहली पारी के आधार पर 302 रनों की बढ़त मिली थी पर दूसरी पारी में उसके बल्लेबाज विफल रहे। उसने दूसरी पारी में 20 ओवर में ही 77 रनों पर 6 गंवा दिये। इसके बाद अंतिम सत्र में उसके चार विकेट भी निकल गये और पूरी टीम 99 रन ही आउट हो गयी। ये फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका सबसे कम स्कोर है.

वहीं जम्मू-कश्मीर ने पहली बार रणजी फाइनल में जगह बनाकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वहीं बंगाल के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए।

जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब ने पहले ही ओवर से विकेट लेना शुरु कर दिया। बंगाल के ओपनर सुदीप चटर्जी चौथी गेंद पर ही पेवेलियन लौट गये। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सुनील कुमार ने अगले ओवर में बंगाल के सुदीप घरामी को आउट कर दिय।. कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन भी केवल 5 रन ही बना पाये। इसे प्रकार पूरी टीम देखते देखते 99 रन पर आउट हो गयी।

ऑस्ट्रेलिया से दूसरे टी20 में भी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

कैनबरा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को कैनबरा में दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भी मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने बारिश की बाधा के बीच ही पहले मैच को डकवर्थ लुइस नियम से जीता था।

भारतीय टीम की ओर से पहले मैच में तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने चार विकेट लिए थे और वह ये प्रदर्शन बनाये रखना चाहेंगी। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम 20 ओवर भी पूरे नहीं खेल पाई और केवल 133 रनों पर ही आउट हो गयी।

भारतीय टीम की ओर से इस मैच में केवल सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा को ही बल्लेबाजी का अवसर मिला।

अब दूसरे मैच में भी शेफाली और मंधाना पर रनों की जिम्मेदारी रहेगी। इसके अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

इस साल इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 विश्व कप को देखते हुए भारत के लिए यह सीरीज काफी अहम है। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह पर भी इस मैच में नजरें रहेंगी। वहीं कप्तान सोफी मोलिनी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया भी वापसी के इरादे से उतरेगी। बराबर करने के लिए बेताब होगी। टीम को बेथ मूनी, फोएबे लिटफील्ड, एलिसे पेरी और एशले गार्डनर से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

ऑस्ट्रेलिया- सोफी मोलिनी (कप्तान), ताहलिया मैकग्रा, डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, फोबे लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

भारत- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, भारती फुलमाली, क्रांति गौड़, ऋचा घोष (विकेटकीपर), गुनालान कमलिनी, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, श्री

टी20 विश्वकप के सुपर-8 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम ग्रुप ए में नंबर एक रहते हुए सुपर-8 में पहुंच गयी है। यहां उसका मुकाबला तीन टीमों दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से होगा। सुपर-8 में भारतीय टीम का पहला मुकाबला 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से होगा। ये मैच अन्य दो मुकाबलों की अपेक्ष कठिन रहेगा। यह मुकाबला अहमदाबाद में में शाम 7 बजे से खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका विश्व कप में प्रचंड फॉर्म में है और ग्रुप डी में शीर्ष पर रही है। इसलिए इस मैच में दोनो के बीच कड़ा मुकाबला होना तय है।

आंकड़ों की बात करें तो भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। दोनो के बीच अब तक 35 टी20 मुकाबले अब तक हुए हैं।

इसमें भारतीय टीम ने 21 जीते हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका को 13 में जीत मिली है, एक मैच का परिणाम नहीं निकला है। अहम मुकाबलों में भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका पर भारी पड़ी है।

वहीं सुपर-8 में भारतीय टीम का दूसरा मुकाबला 26 फरवरी को जिम्बाब्वे से एमए चिदंबरम स्टेडियम में शाम 7 बजे से होगा। इस टूर्नामेंट में अब तक जिम्बाब्वे ने काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया तक को हराया है। ऐसे में उससे भारतीय टीम को सावधान रहना होगा क्योंकि वह उलटफेर करने में सक्षम है। दोनो के बीच अब तक 13 टी20 मैच खेले गए हैं। 10 मैचों में भारत और 3 मैचों में जिम्बाब्वे ने जीत हासिल की है।

सुपर-8 में भारतीय टीम को अपने तीसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज से खेलना है। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अबतक बीच 30 मैच खेले गए हैं, जिसमें भारतीय टीम ने 19 जबकि वेस्टइंडीज ने 10 जीते हैं। एक मैच का परिणान नहीं निकला। दो बार विजेता रही वेस्टइंडीज ने भी इस बार विश्व कप में अब अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वह ग्रुप डी में नंबर एक रहते हुए सुपर-8 में पहुंची है।

पाकिस्तान टीम पर भड़के बासित, सूर्यकुमार के राइवलरी नहीं होने वाले बयान को सही बताया

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के लिए टीम को खरी खोटी सुनाई है। बासित अली ने कहा है कि जिस प्रकार से भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा था कि उनके बीच राइवलरी जैसी कोई बात ही नही। वह एक तरह से सही है क्योंकि पाक टीम भारत के सामने कहीं नहीं टिकती है। सूर्या ने एशिया कप के दौरान कहा था कि राइवलरी की बात तब आती है तब बराबरी पर मुकाबला हो पर हम तो हमेशा ही एकतरफा जीत रहे हैं। इसलिए ऐसी कोई बात नहीं है। वहीं अब विश्व कप का मुकाबला भी भारतीय टीम ने आसानी से जीता है। इसमें भी पाक टीम कहीं भी टक्कर देती नहीं दिखी। बासित के अनुसार भारतीय कप्तान ने जो भी कहा है वह सही है। टी20 विश्व कप में भारतीय ने पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में 61 रनों से शिकस्त देकर सुपर-8 में अफनी जगह पक्की कर ली थी।

कार्यालय नगर परिषद लांजी, जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/एफ- /आ.नि.सू./रा. शा./न.प.लांजी/2026/2616 लांजी, दिनांक 18/02/2026

।। ई-निविदा सूचना ।।

एतद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद लांजी जिला बालाघाट द्वारा निम्न तालिका अनुसार **वित्तीय वर्श 2026-27 हेतु (01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक-12 माह) अवधी के लिए** फीस वसूली के अधिकारो का हस्तांतरण करने के लिये ई-निविदा ऑनलाईन वेबसाईट **www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा फीस वसूली ठेकों का विवरण निम्नानुसार है :-

क्रं.	निविदा आई.डी. कमांक	ठेके का नाम	वसूली का क्षेत्र	सरकारी बोली	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य
1	2026_UAD_483313_1	साप्ताहिक बैठकी सह मवेशी बाजार वसूली	साप्ताहिक बाजार एवं मेला स्थल	3440000.00	344000.00	5000.00
2	2026_UAD_483315_1	साप्ताहिक बाजार स्थल सायकल स्टैण्ड वसूली	साप्ताहिक बाजार एवं मेला स्थल सायकल स्टैण्ड	1661000.00	166100.00	5000.00
3	2026_UAD_483316_1	दैनिक गुजरी स्थल वसूली	दैनिक गुजरी स्थल	1165000.00	116500.00	2000.00

नोट :-

1. नियम एवं शर्ते ऑनलाईन वेब पोर्टल वेबसाईट **www.mptenders.gov.in** के माध्यम से देखी एवं प्राप्त हो सकेगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय करने की **तिथि. 19/02/2026 सायं 10:30 से 07/03/2026 सायं 17.30 बजे** तक तथा ऑनलाईन बिड प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 07/03/2026 को सायं 17.30 बजे** तक निर्धारित है, अन्य जानकारी ऑनलाईन देखी जा सकती है।
3. **ई-निविदा दिनांक 09/03/2026 को सायं 10.30 बजे खोली जावेंगी।**
4. उपरोक्त निविदा के संशोधन केवल वेबसाईट पर ही Corrigendum अंतर्गत प्रकाशित किये जावेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में नहीं।
5. उक्त ई-निविदा में भाग लिये जाने हेतु निविदाकार को उल्लेखित वेब पोर्टल पर दिये गये निर्देशानुसार डिजिटल सिग्नेचर बनवाई जाकर बिडर आई0डी0 रजिस्ट्रेशन कराया जाना अनिवार्य होगा, उक्त संबंध में अधिक जानकारी के लिये अपने नजदिकी एम.पी. ऑनलाईन, कियोस्क तथा उक्त वेब पोर्टल हेल्पडेस्क पर संम्पर्क कर सकते हैं।

(रेखा ताराचंद कालबेले) अध्यक्ष नगर परिषद् लांजी | (संदीप रामटेक्कर) उपाध्यक्ष नगर परिषद् लांजी | (किशोर रामटेक्कर) सभापति नगर परिषद् लांजी | (मयूर वाहने) मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर परिषद् लांजी

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट (म.प्र.)

Office e-mail -modgmbal@mp.gov.in

क्रमांक/ 197 /खनिज/2026 बालाघाट, दिनांक 16/02/2026

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करनें के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री सुनील कुमार धार्वे निवासी-वार्ड नं. 11 कुम्हारी मोहल्ला तह. बैहर जिला बालाघाट (म.प्र.) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 09.01.2026 (प्राप्ति दिनांक 12.01.2026) को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 23.03.2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा हे. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
बालाघाट	परसवाडा	हर्राभाट	27/1/4	1.288 हे.	निजी	मिट्टी (कवेलू निर्माण)	
			कुल रकबा	1.288 हे.			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथि तक (कार्यालय समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करनें हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 तहत् अधिमान्यता तय करने की आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समक्षा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

जी- 25994/25

'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता'

उप संचालक (खनि प्रशासन) जिला-बालाघाट (म.प्र.)

कार्यालय नगरपालिका परिषद बालाघाट, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/एफ-/आ.नि.सू./रा.शा./न.पा.प.बाला/2026/14540 बालाघाट,दिनांक 18-02-2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में समस्त पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एव EMD	निविदा की अंतिम तिथि
01	2026_UAD_483298_1	दैनिक बाजार साप्ताहिक बाजार एवं अस्थाई दखल वसूली	दिनांक 01/04/2026 से 31/03/2027 तक सरकारी बोली- 37,42,700/-	नि.प्र.मूल्य- 5,000/- EMD: 9,35,700/-	06-03-2026
02	2026_UAD_483327_1	बस स्टैण्ड शुल्क वसूली (प्राईवेट बसो से वसूली)	दिनांक 01/04/2026 से 31/03/2027 तक सरकारी बोली- 12,86,900/-	नि.प्र.मूल्य- 2,000/- EMD: 3,21,800/-	06-03-2026

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जायेगा, पृथक से रामाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद बालाघाट
बालाघाट, दिनांक 18/02/2026

ओलम्पियाड प्रतियोगिता में सफल छात्र छात्राओं का कलेक्टर ने किया उत्साहवर्धन

जिले के 32 छात्र छात्राओं का किया गया सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित ओलम्पियाड प्रतियोगिता में जिला स्तर पर 32 छात्र छात्राओं ने सफलता हासिल की है। इनमें 21 छात्रा और 11 छात्र शामिल है। यह सभी छात्र छात्रा कक्षा 02 से कक्षा 08 के विद्यार्थी है। कलेक्टर मृणाल मीना ने ओलम्पियाड प्रतियोगिता में सफल इन नन्हें छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड देकर सम्मानित किया और भविष्य में इसी तरह की सफलता हासिल करने के लिए उनका उत्साहवर्धन किया। ओलम्पियाड में सफल इन नन्हें बच्चों को स्कूल बेग, कम्पास एवं पानी की बोटल उपहार स्वरूप प्रदान की गई है।

इस अवसर पर सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक जीपी बर्मन, सहायक परियोजना समन्वयक विवेक गुप्ता, श्रीमती सुषमा वासनिक एवं बच्चों को ओलम्पियाड प्रतियोगिता में शामिल कराने वाले शिक्षक शिक्षिका उपस्थित थी।

ओलम्पियाड प्रतियोगिता में जिला स्तर पर सफल होने वाले प्रतिभागियों में कक्षा दूसरी की झालीवाडा स्कूल की छात्रा गुंजन राठौर, बघोली स्कूल की प्रियल पंचेश्वर, कटंगी की श्री राहंगडाले, कक्षा तीसरी के सावंगी स्कूल के प्रियांश कटरे, बकेरा स्कूल के तनुष बिसेन, कक्षा चौथी की कौलीवाडा स्कूल की आर्या पटले, लांजी आसोलीटोला के हार्दिक लिल्हारे, कटंगी स्कूल की आयांशी भगत, मराठा बूढी स्कूल की विधि कावरे, कक्षा पांचवी के कौलीवाडा स्कूल के खुशांत कुम्भलवार, गोंडीटोला खैरलांजी स्कूल की श्रेयांशी बंसोड, कक्षा छटवीं की मेडकी स्कूल की अपर्णा चित्रिव, झालीवाडा के रौनक नेवारे, भीडी स्कूल की श्रद्धा पटले, बिसोनी स्कूल की आयुषी देवगडे, झालीवाडा स्कूल के मोहित चौहान, सिमरन परते, कक्षा सातवीं की झालीवाडा स्कूल की शिवानी तिलगाम, अश्विन नेवारे, दिनी स्कूल की डिंपल पंचेश्वर, बहेला स्कूल की धनश्री खोंगल, कटंगी की अदिती डोंगरे, झालीवाडा स्कूल के यश पारधी एवं कक्षा आठवीं की नरोडी स्कूल की माही परते, झालीवाडा स्कूल की सिल्की मेश्राम, लिंगमारा स्कूल की दुर्गावती डहाके, पुलपुट्टा स्कूल की अश्मि वाघाडे, कारंजा स्कूल की खुशी भागरकड एवं कौलीवाडा स्कूल के भानु गौतम ने सफलता हासिल की है।

ओलम्पियाड प्रतियोगिता में जिला स्तर पर सावंगी स्कूल के कक्षा 03 के प्रियांश कटरे ने हिंदी एवं अंग्रेजी विषय, कौलीवाडा स्कूल के कक्षा 05वीं के खुशांत कुंभलवार ने अंग्रेजी, हिंदी और गणित विषय में सफलता हासिल की है। ओलम्पियाड प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करने वाले शिक्षक सीमा शरणागत, संतोष कुमार वैद्य, डीएल टेम्भरे, रवि मेश्राम, अमर ज्योति कटरे, इंदु बघेल, श्रीचंद दमाहे, तेजेश्वर दहीकर, रश्मि पटले, श्यामसुंदर पटले, झनकार सिंह बिसेन, कुलकर्णी राणा, मालयन टेम्भरे, जियालाल लिल्हारे, गीता तुरकर, किरण मेश्राम, अर्चना माहुरकर, भागीरथ लिल्हारे, गंगोत्री पटले, धनलाल बिसेन, ललित पटले, गजानंद गोपाले, गौरीशंकर नायक एवं आशा कटरे को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार जिले के समस्त शासकीय प्राथमिक व माध्यमिक शालाओं के लिए जिलास्तरीय ओलम्पियाड सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता है। इस सम्मान समारोह का उद्देश्य छात्रों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, बौद्धिक विकास, और शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। जिला स्तर पर सफल इन 32 छात्रों में से 7 छात्र इग्लिश ओलम्पियाड वर्ड पावर चैम्पियनशिप के लिए राज्य स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए हैं। यह आयोजन दो चरणों में किया गया था जिसमें पहले चरण में जन शिक्षा केंद्र के स्तर पर और दूसरे चरण में जिला स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

जनगणना-2027 के लिए 19 एवं 20 फरवरी को चार्ज अधिकारियों को दिया जायेगा प्रथम चरण का प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी दिनों में होने वाली जनगणना-2027 के लिए बालाघाट जिले में तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। इसी कड़ी में 19 एवं 20 फरवरी को कलेक्ट्रेट कार्यालय में चार्ज अधिकारियों को प्रथम चरण का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना के सभी पहलूओं के बारे में विस्तार से बताया जायेगा।

बालाघाट जिले में कुल 12 तहसीलें, 06 नगरीय क्षेत्र एवं 1397 ग्राम शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की जनगणना के लिए संबंधित तहसीलदारों को और नगरीय क्षेत्रों के लिए संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को चार्ज अधिकारी नियुक्त किया गया है। प्रत्येक ग्राम और प्रत्येक नगरीय वार्ड में कम से कम एक प्रगणक की नियुक्ति की जाएगी। जनगणना का कार्य 01 मई से 30 मई तक संचालित किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक घर-घर जाकर प्रत्येक व्यक्ति की जानकारी दर्ज करेंगे। प्रगणकों के कार्य पर निगरानी रखने के लिए पर्यवेक्षक भी नियुक्त किये जा रहे हैं। जनगणना-2027 के प्रथम चरण के कार्य के लिए प्रगणक एवं पर्यवेक्षक को 09 हजार रुपये एवं दूसरे चरण के कार्य के लिए 16 हजार रुपये का मानदेय निर्धारित है। इस प्रकार जनगणना के सम्पूर्ण कार्य के दौरान प्रगणक एवं पर्यवेक्षक के लिए कुल 25 हजार रुपये के मानदेय का प्रावधान किया गया है।

जनगणना-2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक किया जायेगा। द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में की जायेगी, जिसकी संदर्भ तिथि 01 मार्च 2027 को रात्रि 00ः00 बजे निर्धारित की गई है। जनगणना 2027 में HLO App (Houselisting Operations), PE App (Population Enumeration), Self Enumeration ÂôÅUüÜ, CMMS (Census Management and Monitoring System) ÂôÅUüÜ °ß´ HLBC (House listing block creator) वेब मैप एप्लीकेशन का उपयोग किया जाएगा। आंकड़ों का संग्रहण प्रगणक एवं पर्यवेक्षक द्वारा मोबाइल के माध्यम से किया जाएगा।

रमजान की आमद मरहबा

चाँद की तस्दीक कर माहे रमजान का किया गया एलान, पवित्र माह रमजान का पहला रोजा आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। इस्लाम धर्म के लोगों पर 5 फर्जों की अदायगी अनिवार्य की गई है.इसमें रमजान के रोजे रखना भी एक अहम फर्ज है।अपनी इसी फर्ज की अदायगी के लिए प्रतिवर्ष मुस्लिम समुदाय के लोग रमजान के महीने में पूरे 1 माह तक रोजा रख एक अल्लाह की विशेष इबादतें किया करते हैं।तमाम महीनों में अफजल,अजीम नेमतों व बरकतों वाले इस माहे रमजान की आमद का एलान बुधवार शाम को चाँद की तस्दीफ के साथ किया गया।जिसके बाद से मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में रौनक छा गई. जहा लोग एक दूसरे को रमजान की मुबारकबाद पेश करते हुए नजर आए, वही जिले भर के मुस्लिमो ने रमजान मे तराविह की विशेष नमाज अदा की।आज गुरुवार को सूर्योदय के पूर्व अलसुबहा मुस्लिम बंधुओं द्वारा सहरी कर, रमजान का पहला रोजा रखा जाएगा। जहां पूरे दिन भूखे प्यासे रहकर मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा एक अल्लाह की इबादत की जाएगी। वहीं शाम को रोजा इफ्तार कर पहला रोजा मुकम्मल किया जाएगा। इसी तरह लगातार 30 दिनों तक रोजे मुकम्मल कर 1माह बाद ईद का पर्व मनाया जाएगा।

देर रात तक चलता रहा मुबारकबाद का दौर

बुधवार शाम को चाद के दीदार के साथ ही माहे रमजान की शुरुवात हो गई. जहां माहे रमजान की आमद का ऐलान होते ही सभी तरफ मुबारकबाद देने का सिलसिला शुरू हो गया। जहां मुस्लिम बंधुओं ने अपने परिजनों, रिश्तेदारों सामाजिक बंधुओं, दोस्तों से मिलकर उन्हें माहे रमजान की मुबारकबाद पेश की। वहीं मुबारकबाद का यह सिलसिला सोशल मीडिया पर देर रात तक चलता रहा। जहां मुस्लिम बंधुओं ने अपने दूर के रिश्तेदारों दोस्तों को व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम ,जी मेल, ई मेल, ट्विटर सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से माहे रमजान आमद की बधाइयां दी। वहीं माहे रमजान से जुड़े फोटो, वीडियो, हदीस सहित रमजान के बारे में अन्य जानकारियां एक दूसरे से शेयर की।

बाजार रहा गुलजार

माहे रमजान की आमद से पूर्व ही मुस्लिम बंधुओं ने माहे रमजान की तैयारी पूरी कर ली थी.वही रमजान की आमद का ऐलान होते ही शेष तैयारियों को लेकर लोग बाजार की तरफ जाते दिखाई दिए। जहां देर रात तक नगर का बाजार गुलजार रहा। जहां से मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा सहरी में लगने वाली आवश्यक सामग्रियों की जमकर खरीदारी की गई ।

शहरी व रोजा इफ्तार पार्टी का होगा आयोजन

माहे रमजान का आगाज होते ही एक बार फिर जिला मुख्यालय सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों की विभिन्न मस्जिदों, मदरसों व अन्य इबादतगाहो में सामूहिक सहरी व रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया जाएगा। जहां इन तमाम जगहों में रोजा इफ्तार पार्टी का रोजेदार लुत्फ उठाते हुए नजर आएंगे।

मस्जिदो मे अदा की गई तराविह की पहली नमाज

चांद के दीदार के बाद मुस्लिम समुदाय के पुरुषों ने जहां ईशा की नमाज अदा कर रमजान शरीफ में पढ़ी जाने वाली विशेष तरावीह की 20 रकात नमाज मस्जिदों में अदा की, तो वही महिलाओं द्वारा घरों में तरावीह की नमाज अदा कर एक अल्लाह की इबादत की।इसके अलावा प्रत्येक घर में सुबह सहेरी के इंतजाम किए गए।

रोजा लेगा इम्तेहान, साढ़े 13 घण्टे का होगा रोजा

इस वर्ष भी माहे रमजान रोजदारों का इम्तेहान लेगा। चूंकि वर्तमान में गर्मी का सीजन शुरू है और रोजा लगभग साढ़े 13 घंटे का होगा।वही आगामी समय मे गर्मी और बढ़ेगी, ऐसे मे रोजा रख इबादत करने वालो के लिए रमजान किसी इम्तेहान से कम नहीं होगा।जहां रोजोदारो ने इस इम्तेहान से गुजरने की तैयारी भी पूरी कर ली है।

गौसे आजम की यौमे पैदाईश का दिन

माहे रमजान के पूरे माह में कुछ खास तारीखें है, जिनको धर्मावलंबी और रोजदार, उन दिनों को बढ़े ही अकीदत के साथ मनाते है। जिसमें माहे रमजान के पहले रोजे को गौसे आजम की यौमे पैदाईश है, इसी के साथ तीसरे, सत्रवें रोजे, इक्कीसवें रोजे एवं सत्ताईसवे रोजे का रमजान के महिने में विशेष महत्व है।

इसी माह में धरती पर नाज़िल हुआ था पवित्र कुरान

इस्लाम धर्म के अनुसार रमजान महिने के पूरे रोजे रखना हर मुसलमान पर फर्ज है, रोजे का अर्थ होता है रूकना, परहेज करना और दूर रहना, क्योंकि रोजदार भोर सुबह सूरज निकलने से पहले और सूरज डूबने तक खाने-पीने और दूसरी तमाम बुराईयों से परहेज करता है। अगर कोई रोजदार इस समय के दौरान कुछ खा, पी, ले या दूसरी ख्वाहिश पूरी कर ले तो उसका रोजा टूट जाता है। ज्ञात हो कि इसी पवित्र माह रमजान में अल्लाह की पवित्र किताब "कुरआन" पैगंबर हजरत मोहम्मद पर उतारी गई। जिसमें पूरी दुनिया के लोगों की भलाई, बेहतरी और अमन, शांति का संदेश दिया।

तमाम तैयारियां पूर्ण -हाजी फारूक

दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान अंजुमन इस्लामिया कमेटी सदर हाजी फारूख शेख ने बताया कि बदली होने के चलते चांद की तस्दीक नहीं हो सकी।लेकिन जिन इलाकों में चांद नजर आया है वहां से सनद मंगाई गई है, जिसके आधार पर माहे रमजान का ऐलान किया गया है।आज से जिले की तमाम मस्जिदो मदरसों में महीने भर तरावीह की नमाज अदा की जाएगी। कमेटी की जानिब से रोजाना रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया है। इसके अलावा मस्जिद की साफ सफाई रंगरोगन सहित तमाम तैयारियां पूर्ण कर दी गई है। ठीक एक माह बाद 30 रोज मुकम्मल कर ईद का पर्व मनाया जाएगा।

आपदा प्रबंधन जनजागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लामता। 18 फरवरी 2026 को तहसील कार्यालय लामता में आपदा प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय जनजागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण श्री मृणाल मीना (आईएएस) के निर्देशानुसार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह विभाग भोपाल द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के पालन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में तहसीलदार लामता श्री के.एल. टेकाम, पटवारी, सीडीसी, कोटवार, सचिव, जीआरएस, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम रक्षा समिति, नगर रक्षा समिति, जन अभियान परिषद सदस्य एवं ग्रामीणजन सहित लगभग 50 लोगों की उपस्थिति रही। कार्यशाला का संचालन डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड बालाघाट श्रीमती रजनी खटिक के मार्गदर्शन में किया गया।

एसडीआरएफ एवं होमगार्ड टीम द्वारा आगजनी, भूकंप, लू-ताप, वज्रपात, सर्पदंश एवं बाढ़ जैसी आपदाओं के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों एवं बचाव की तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान संबंधी महत्वपूर्ण 'दामिनी' एवं 'सचेत' एप के उपयोग के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। जनजागरूकता टीम में एसडीआरएफ के विशेष जवानों ने आपदा के समय त्वरित प्रतिक्रिया एवं राहत कार्यों की जानकारी साझा की। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिले में आपदा संबंधी जागरूकता बढ़ाना तथा शासन के निर्देशानुसार जन-जागरूकता अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करना रहा।

शादी न हो पाने पर आपसी सहमति से बने संबंधों को बलात्कार नहीं माना जा सकता- हाईकोर्ट

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने विवाह के वादे और शारीरिक संबंधों के कानूनी पहलुओं पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि दो वयस्कों के बीच लंबे समय तक आपसी सहमति से शारीरिक संबंध रहे हों और बाद में किन्हीं कारणों से शादी नहीं हो पाती या रिश्ते में कड़वाहट आ जाती है, तो उसे बलात्कार की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। जस्टिस चैताली चटर्जी (दास) ने इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि शादी के वादे के खिलाफ बलात्कार का मामला तभी बनता है जब पुरुष का इरादा शुरुआत से ही महिला को धोखा देने का रहा हो। अदालत ने जोर देकर कहा कि जिस तरह से महिला और पुरुष एक-दूसरे के साथ व्यवहार कर रहे थे, वह साफ तौर पर आपसी सहमति को दर्शाता है। इस मामले के तथ्यों के अनुसार, महिला और पुरुष के बीच रिश्ता साल 2017 में शुरू हुआ था और 2022 तक चला। इस दौरान दोनों ने पति-पत्नी की तरह व्यवहार किया और दीघा, गोवा, पार्क स्ट्रीट और खड़गपुर जैसे विभिन्न स्थानों के होटलों में साथ समय बिताया। महिला ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने उसे कुछ नशीला पदार्थ पिलाकर पहली बार यौन संबंध बनाए और बाद में शादी का वादा कर इसे जारी रखा। महिला ने यह भी आरोप लगाया था कि रिश्ते के दौरान वह गर्भवती हो गई थी और आरोपी के वादे पर भरोसा करते हुए उसने गर्भपात कराया। हालांकि, जब आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया, तो फरवरी 2022 में पश्चिम मिदनापुर में पुलिस शिकायत दर्ज कराई गई।

हाईकोर्ट ने इन आरोपों का बारीकी से विश्लेषण करने के बाद आरोपी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द कर दिया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि संबंध बनाने के शुरुआती समय से ही आरोपी का इरादा धोखाधड़ी करने का होना चाहिए था ताकि महिला को यौन संबंध बनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। लेकिन इस मामले में, पीड़िता ने लगभग 5-6 वर्षों तक रिश्ता जारी रखा और विभिन्न पर्यटन स्थलों पर आरोपी के साथ स्वेच्छा से गई। कोर्ट ने टिप्पणी की कि इतने लंबे समय तक साथ रहने और साथ घूमने-फिरने की गतिविधियों से यह कहीं भी प्रतीत नहीं होता कि महिला किसी भी प्रकार की गलतफहमी या दबाव में थी।

सुंदर पिचाई ने पीएम मोदी से की मुलाकात, भारत में एआई के विकास पर की चर्चा

नई दिल्ली। एआई इम्पैक्ट समिट में शामिल होने से पहले गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने पीएम मोदी से बुधवार को मुलाकात की और भारत में एआई के विकास पर चर्चा की। इस बैठक के बारे में पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के साइडलाइन में सुंदर पिचाई से मुलाकात करना सुखद अनुभव रहा। हमने एआई क्षेत्र में भारत द्वारा किए जा रहे कार्यों और इस क्षेत्र में हमारे प्रतिभाशाली छात्रों और पेशेवरों के साथ गूगल किस प्रकार सहयोग कर सकता है, इस बारे में चर्चा की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले पिचाई ने एक्स पर पोस्ट किया था- एआई इम्पैक्ट समिट के लिए भारत में वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है।

अजित पवार विमान हादसा : डीएफडीआर डेटा डाउनलोड, सीवीआर रिकवरी के लिए कंपनी से मांगी मदद -एएआईबी की तकनीकी जांच जारी; सीबीआई जांच की मांग तेज

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे की जांच अब निर्णायक चरण में पहुंचती दिख रही है। जांच की जिम्मेदारी एयरक्रॉफ्ट एक्सिडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) को सौंपी गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, क्रैश के दौरान विमान का ब्लैक बॉक्स तेज गर्मी और आग की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हुआ था, हालांकि उसके एक हिस्से का डेटा सफलतापूर्वक हासिल कर लिया गया है।

मंत्रालय ने बताया कि विमान में लगे दो स्वतंत्र फ्लाइट रिकॉर्डर, डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (डीएफडीआर) और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) में से डीएफडीआर का डेटा एएआईबी की फ्लाइट रिकॉर्डर लैब में डाउनलोड कर लिया गया है। यह रिकॉर्डर अमेरिकी कंपनी एल3 क्यूनिकेशंस द्वारा निर्मित है। वहीं, सीवीआर, जिसे हनीवेल ने बनाया है, उसकी विस्तृत तकनीकी जांच जारी है। सीवीआर का डेटा रिकवर करने के लिए संबंधित कंपनी से तकनीकी सहयोग मांगा गया है।

राजनीतिक बयानवाजी हुई तेज

ब्लैक बॉक्स के जलने के दावों पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। एनसीपी (शरद गुट) के विधायक और पवार के भतीजे रोहित पवार ने कहा कि ब्लैक बॉक्स भीषण आग और धमाकों से सुरक्षित रह सकता है, लेकिन महाराष्ट्र की राजनीति से नहीं। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्लैक बॉक्स 1100 डिग्री सेल्सियस तापमान को एक घंटे तक और 260 डिग्री तापमान को लगभग 10 घंटे तक सहन कर सकता है। ऐसे में उसके पूरी तरह जलने की संभावना कम बताई जा रही है।

28 जनवरी को हुआ था हादसा

पुणे जिले के बारामती में 28 जनवरी की सुबह वीएसआर वेंचर्स कंपनी का लेयरजेट 45 विमान क्रैश हो गया था। इस हादसे में अजित पवार समेत कुल पांच लोगों की मौत हुई थी। विमान सुबह 8ः10 बजे मुंबई से रवाना हुआ था और करीब 8ः45 बजे बारामती के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के दूसरे दिन ब्लैक बॉक्स बरामद किया गया था।

सीबीआई जांच की मांग

अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने अन्य एनसीपी नेताओं के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर हादसे की सीबीआई जांच की मांग की है। इस प्रतिनिधिमंडल में सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल भी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में केंद्र सरकार से चर्चा का आश्वासन दिया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अनुसार, जांच विमान दुर्घटना जांच नियम, 2017 और आईसीएओ एनेक्स-13 के अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत की जा रही है। एएआईबी ने अपील की है कि जांच पूरी होने तक अटकलों से बचा जाए। ब्यूरो ने भरोसा दिलाया है कि निष्कर्ष पूरी तरह तकनीकी साक्ष्यों पर आधारित होंगे।

अमेरिकी टैरिफ का असर- भारत ने रूसी तेल आयात में 40 फीसदी कटौती की

नई दिल्ली। रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए भारी टैरिफ का असर अब आंकड़ों में साफ नजर आने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त व्यापारिक नीतियों और टैरिफ घोषणाओं के बाद रूस से भारत के आयात में ऐतिहासिक कमी दर्ज की गई है। सोमवार को जारी ताजा सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2026 में रूस से भारत का मर्चेंडाइज इंपोर्ट (उत्पादों का आयात) 40.48 फीसदी तक घट गया है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि जनवरी 2025 में रूस से भारत का आयात लगभग 4.81 बिलियन डॉलर था, जो अब घटकर महज 2.86 बिलियन डॉलर रह गया है। इस भारी गिरावट का मुख्य कारण भारतीय रिफाइनरियों द्वारा रूसी कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की खरीद में की गई कटौती को माना जा रहा है। गौरतलब है कि रूस से होने वाले कुल मर्चेंडाइज इंपोर्ट में कच्चे तेल की हिस्सेदारी लगभग 80 फीसदी रहती है। इसके अलावा भारत रूस से कोयला, उर्वरक, लोहा, अखबारी कागज, दालें और कीमती पत्थर जैसे उत्पाद भी आयात करता है, लेकिन तेल की खरीद में कमी ने कुल व्यापार संतुलन को बड़े पैमाने पर प्रभावित किया है। इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत अप्रैल 2025 में हुई थी, जब भारत ने रूस से करीब 4.73 बिलियन डॉलर के तेल का आयात किया था। इसी दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने लिबरेशन डे टैरिफ की घोषणा की। अमेरिका ने भारत को निशाना बनाते हुए पहले 25 फीसदी और फिर रूसी तेल खरीदने के जुर्माने के तौर पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया। इस प्रकार भारतीय उत्पादों पर कुल 50 फीसदी टैरिफ वसूला जाने लगा, जिससे भारतीय निर्यातकों और अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव बना।

पदमेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

अपर कलेक्टर नें ली स्वास्थ्य व खाद्य सुरक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे की अध्यक्षता में 18 फरवरी कों कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य व खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित की गयी। बैठक में अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी परेश उपलप व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए अपर कलेक्टर श्री बर्मन नें जिले में तम्बाकू व उससे बनने वाले उत्पादों के नियंत्रण के लिए कडाई से कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि जिले के सभी शासकीय व अशासकीय शालाओं से 100 मीटर की दूरी येलो लाइन बनाकर तम्बाकू व उससे बने उत्पादों की बिक्री पूरी तरह से बंद करायी जाए। उन्होंने ड्रग निरीक्षक कों सख्त निर्देश दिए कि वे जिले में बिना लायसेंस के संचालित होने वाली ऐसी सभी मेडिकल स्टोर्स को तत्काल सील करें। यदि सील लगने के बाद भी वे दुकाने सुचारु रूप से संचालित होती है तो उन पर एफआईआर दर्ज कराये।

बैठक में खाद्य विभाग की समीक्षा करते हुए अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन नें खाद्य सुरक्षा अधिकारी कों सख्त निर्देश दिए कि वे त्योहारों के मौसम में बनने वाले सभी खाद्य उत्पादों की सख्ती से जाँच करना सुनिश्चित करें। खाद्य सामग्री एवं खाद्य उत्पाद विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की त्यौहारों के समय ही नही बल्कि हर समय नियमित रूप से जांच की जाए। ताकि किसी भी आम नागरिक कों परेशानियों का सामना न करना पे। ऐसे सभी प्रतिष्ठान जिनमें साफ-सफाई एवं स्वच्छता का अभाव पाया जाता है उनके लायसेंस तत्काल निलंबित कर दिये

ऑपरेशन शिकंजा:

बदमाशों के होश उड़े, क्राईम सर्जरी में 68 गिरफ्तार, 130 गुंडों को चेतावनी, 200 जवानों ने दबिश दी

सभी पुलिस थाना क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाई, रातभर चली ताबड़तोड़ गिरफ्तारी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में अपराधियों पर नकेल कसने के उद्देश्य से बालाघाट पुलिस ने 17 एवं 18 फरवरी की दरम्यानी रात व्यापक स्तर पर विशेष कांबिंग गश्त अभियान चलाया। ऑपरेशन शिकंजा नाम से संचालित इस अभियान में लगभग 200 पुलिस जवानों ने पूरी रात अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सघन चेकिंग, दबिश और धरपकड़ की कार्रवाई की।

अभियान का मुख्य उद्देश्य जेल से जमानत पर रिहा अपराधियों, चोरी-लूट जैसे मामलों में संलिप्त रहे आरोपियों तथा क्षेत्र में सक्रिय असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नियंत्रण करना था। सभी थाना प्रभारियों ने अपने-अपने बल के साथ पूर्व ब्रीफिंग के बाद रातभर गली-मोहल्लों, कॉलोनियों, सार्वजनिक स्थलों और संदिग्ध ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। पुलिस टीमों ने लूट, चोरी, मारपीट, अवैध वसूली,

चाकूबाजी, महिला संबंधी अपराधों एवं अन्य गंभीर मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी। इस संयुक्त कार्रवाई में कुल 68 अपराधियों को हिरासत में लिया गया। अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों के 130 से अधिक निगरानी बदमाशों और सूचीबद्ध गुंडों की विशेष चेकिंग की गई। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए उन्हें कड़ी चेतावनी दी गई कि भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि पाए जाने पर कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे। आम नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, अफवाहों से बचें और शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। पुलिस का कहना है कि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण और नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेंगी ।

नलजल योजना का कार्य पूर्ण नहीं करने वाले ठेकेदार की एफडी राजसात होगी

कलेक्टर ने की जल जीवन मिशन एवं जल निगम की नलजल योजना की समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 18 फरवरी को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जल निगम के अधिकारी एवं ठेकेदारों की बैठक लेकर जिले में प्रगतिरत नलजल योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पूर्ण हो चुकी नलजल योजनाओं में शत प्रतिशत एफएचटीसी कनेक्शन (नल कनेक्शन) 15 मार्च तक अनिवार्य रूप से देने के निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बीएल उइके, सभी सहायक यंत्री, जल निगम के अधिकारी एवं नलजल योजना का कार्य करने वाले ठेकेदार उपस्थित थे।

बैठक में नलजल योजनाओं की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल कनेक्शन देने में 99.24 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त कर ली गई है और नल कनेक्शन देने में बालाघाट जिला प्रदेश में चौथे स्थान पर है। जल जीवन मिशन के अंतर्ग 897 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जा चुका है और इनमें से 655 नलजल योजना ग्राम पंचायत को हस्तांतरित की जा चुकी है। इस दौरान बताया गया कि पूर्ण हो चुकी नलजल योजनाओं में 1041 नल कनेक्शन दिया जाना शेष है। नल जल योजना का शेष कार्य पूर्ण नही करने पर 12 ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट करने का प्रस्ताव मुख्य अभियंता को भेजा गया है।

कलेक्टर श्री मीना ने 1041 नल कनेक्शन देने का कार्य 15 मार्च तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए और कहा कि इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। नलजल योजना का कार्य अधूरा रहने एवं पिछले 4-5 माह से नलजल योजनाओं की समीक्षा बैठक में उपस्थित नही होने के कारण मेसर्स एव्ही कंस्ट्रक्शन्स रीवा की एफडी केश कराने एवं उसे राजसात करने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार मिश्रा कंस्ट्रक्शन रीवा एवं मेसर्स मुकेश मानेश्वर बालाघाट की एफडी बैंक से केश कराकर राजसात करने के निर्देश दिये गए। अपर कलेक्टर श्री बर्मन को इन ठेकेदारों की एफडी बैंक से केश कराने की कार्यवाही करने कहा गया। समीक्षा बैठक में पाया गया कि मेसर्स मिश्रा कंस्ट्रक्शन रीवा द्वारा नलजल योजना का कार्य पूर्ण करने में उदासीनता बरती जा रही है। इसी प्रकार मेसर्स मुकेश मानेश्वर द्वारा पिछले 5-6 माह से नलजल योजना का कार्य नही किया जा रहा है।

बैठक में मेसर्स परिहार एसोसिएट्स रीवा, वीणा इंटरप्राईजेस बैहर, तारा मशीनरी दाहिया, आशीष जायसवाल, नीरज ट्रेडिंग नागपुर, हर्ष कंस्ट्रक्शन, वंदना इंटरप्राईजेस, गणेश कार्पोरेशन अलीराजपुर, अक्षत इंफ्रास्ट्रक्चर परसवाडा, माही कंस्ट्रक्शन, रमेश इंजिनीयरींग शहडोल, एपी कंस्ट्रक्शन मुरैना को एफएचटीसी कनेक्शन देने का कार्य 15 मार्च तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि समय सीमा में नल कनेक्शन देने का कार्य नही किया जाएगा तो उनकी सारी मशीनरी जब्त कर थाने में खडी करा दी जाएगी। बैठक में जल निगम की भटेरा नलजल योजना में खराब पानी दिये जाने की शिकायत का उल्लेख करते हुए जल निगम के अधिकारी को पानी की टेस्टिंग कराकर इस पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गए।

धान खरीदी केंद्र प्रभारी पर किसान के गंभीर आरोप
धान खरीदी में गड़बड़ी के आरोप, किसान ने कलेक्टर से लगाई न्याय की प्रार्थना

40 किलो 600 ग्राम की जगह 800 ग्राम तक तौला, बोरी पलटने के नाम पर भी वसूली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी क्षेत्र के एक किसान ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर धान खरीदी केंद्र के प्रभारी पर अनियमितता और अवैध वसूली के गंभीर आरोप लगाए हैं। किसान ने लिखित आवेदन सौंपते हुए पूरे मामले की जांच कराने तथा अतिरिक्त वसूली गई राशि और धान वापस दिलाने की मांग की है। किसान का कहना है कि भले ही इस वर्ष धान खरीदी का कार्य पूर्ण हो चुका हो, लेकिन खरीदी के दौरान तौल प्रक्रिया में अनियमितता बरती गई। प्रत्येक क्विंटल धान की तौल के समय 300 से 400 ग्राम तक अतिरिक्त धान लिया गया। किसान का दावा है कि इस तरह की कटौती से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। इतना ही नहीं, किसान ने यह भी आरोप लगाया कि धान की बोरियों को पलटने या बदलने के नाम पर प्रति बोरी 5 से 6 रुपये तक वसूले गए, जबकि इस प्रकार की कोई अधिकृत शुल्क व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि यह राशि नियमों के विपरीत ली गई है। किसान ने कलेक्टर से मांग की है कि धान खरीदी केंद्र की तौल पद्धति और संपूर्ण प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराई जाए। जिले में धान खरीदी का कार्य भले ही समाप्त हो चुका हो, लेकिन खरीदी केंद्रों पर कथित अनियमितताओं को लेकर किसानों की शिकायतें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। कई किसान अब भी यह आरोप लगा रहे हैं कि तौल प्रक्रिया और अन्य कार्यों के नाम पर उनसे अतिरिक्त धान और राशि ली गई। इसी सिलसिले में खैरलांजी क्षेत्र के ग्राम आरंभा के किसान जिला मुख्यालय पहुंचे और कलेक्टर से पूरे मामले की जांच की मांग की।कृषक हरीलाल मसकरे ने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा में बताया कि उन्होंने अपना धान आरंभा सोसायटी में विक्रय किया था। उनसें नियमानुसार प्रति बोरी 40 किलो 600 ग्राम तौल होना चाहिए था, लेकिन केंद्र पर 40 किलो 800 ग्राम से भी अधिक धान तौला गया। उनका आरोप है कि यह अतिरिक्त तौल केवल उनके साथ ही नहीं, बल्कि क्षेत्र के अन्य किसानों के साथ भी की गई, जिससे सभी को आर्थिक नुकसान हुआ। किसान ने यह भी बताया कि जब वे घर से धान की बोरियां लेकर खरीदी केंद्र पहुंचे तो बोरियां पलटने और व्यवस्थित करने के नाम पर प्रति बोरी 5 से 6 रुपये अतिरिक्त लिए गए। उनका कहना है कि यह खर्च संबंधित विभाग को वहन करना चाहिए था, लेकिन केंद्र स्तर पर किसानों से ही वसूली की गई। किसान हीरालाल ने दावा किया कि खरीदी केंद्र परिसर में लगे

सीसीटीवी कैमरों में यह पूरा घटनाक्रम रिकॉर्ड हुआ है, जिससे जांच के दौरान सच्चाई सामने आ सकती है। किसान ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि धान खरीदी केंद्र की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जिन किसानों से अतिरिक्त धान और राशि ली गई है, उन्हें उसका भुगतान वापस कराया जाए। साथ ही दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

संयुक्त क्रांति पार्टी
आवश्यकता है
• एमबीए-पालीटिक्स+मानव संसाधन-1 पद
• एमबीए-मार्केटिंग, आर्गनाइजेशन एवं मानव संसाधन-6 पद
• स्टेनो शार्टहेंड टाइपिस्ट हिन्दी+इंग्लिश-1 पद
• ड्राइवर एक्सपर्ट-2 पद
• कुक एक्सपर्ट-1 पद (नेपाली 'गोरखा' को प्राथमिकता)
-साक्षात्कार- दिनांक 27/02/2026
सम्पर्क- किशोर समरीते, राष्ट्रीय अध्यक्ष, संयुक्त क्रांति पार्टी
स्थान-वार्ड नंबर 3 लांजी, तहसील लांजी, जिला बालाघाट
मोबाइल नंबर-9424664203
निवेदक-संयुक्त क्रांति पार्टी

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट